रांची, शुक्रवार
13.11.2026
वर्ष : 11, अंक : 339, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

कैबिनेट की बैठक 18 नवंबर को

रांची। झारखंड मंत्रिपरिषद की अगली बैठक 18 नवंबर को होगी। बैठक दोपहर तीन बजे से झारखंड मंत्रालय स्थित प्रोजेक्ट भवन के मंत्रिपरिषद कक्ष में आयोजित की जायेगी। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) ने इस संबंध में सूचना जारी कर दी है। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे। कैबिनेट की बैठक में विभिन्न विभागों के प्रस्तावों पर चर्चा होगी और कई निर्णय लिये जाने की संभावना है।

आसियान-भारत, पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने 16-18 नवंबर तक फिलीपींस जाएंगे मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 16 से 18 नवंबर तक फिलीपींस की राजधानी मनीला की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। विदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्व) रुद्रेंद्र टंडन ने प्रधानमंत्री की यात्रा से पहले यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) के साथ भारत की सहभागिता हमारी 'एक्ट ईस्ट नीति' की एक महत्वपूर्ण आधारशिला है। मनीला प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री मोदी फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर द्वारा आमंत्रित गणमान्य व्यक्तियों के सम्मान में आयोजित रात्रिभोज में शामिल होंगे। इसके अगले दिन वे आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन की प्रक्रिया में भाग लेंगे तथा इस दौरान अन्य वैश्विक नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। उन्होंने बताया कि भारतीय समुदाय की भारी मांग को देखते हुए प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में प्रवासी भारतीयों के साथ संवाद को शामिल करने के भी प्रयास किए जा रहे हैं।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन आज विशाखापत्तनम में



नई दिल्ली: उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम जाएंगे, जहां वह एक उद्योग संगठन के सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करेंगे। उपराष्ट्रपति सचिवालय ने बृहस्पतिवार को बताया कि सीआईआई साझेदारी शिखर सम्मेलन का 31वां संस्करण विशाखापत्तनम में आयोजित किया जा रहा है।

मीडिया से प्रधानमंत्री मोदी का आह्वान, 2047 तक विकसित भारत बनाने में निभाएं अहम भूमिका

देश की उपलब्धियों, प्रतिभाओं और सकारात्मक कहानियों को विश्व पटल तक पहुंचाये मीडिया: प्रधानमंत्री मोदी

बिभा संवाददाता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को मीडिया जगत से भारत की उपलब्धियों और देशवासियों की सफलता की कहानियों को प्रमुखता से सामने लाने की अपील की। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य केवल सरकार का नहीं बल्कि पूरे देश का संकल्प है। इस अभियान में मीडिया की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी।

यहां भाजपा मुख्यालय में गुरुवार को पत्रकारों के लिए आयोजित दीपावली मिलन समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी को शुभकामनाएं दी और 'नॉन-ब्रेकिंग न्यूज' कार्यक्रम में आने के लिए आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने पत्रकारों के



व्यस्त कार्यक्रमों का जिक्र करते हुए कहा कि त्योहारों के समय हर व्यक्ति अपने परिवार और अपनों के साथ समय बिताना चाहता है लेकिन पत्रकार ब्रेकिंग न्यूज की तलाश में लगातार भागदौड़ करते रहते हैं। इसके बावजूद कार्यक्रम में पहुंचे सभी पत्रकारों का उन्होंने आभार जताया।

उन्होंने मीडिया के साथ अपने पुराने संबंधों को याद करते हुए कहा कि उन्होंने प्रेस रिलीज के दौर से लेकर इंस्टाग्राम रील्स तक मीडिया में आए बदलावों को करीब से देखा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस तरह पत्रकारों के जीवन में डेडलाइन का महत्व होता है, उसी तरह देश भी अब एक निश्चित समयसीमा के साथ आगे बढ़ रहा है। यह समयसीमा 2047 है, जब भारत की आजादी के 100 वर्ष पूरे होंगे। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना आजादी के समय से देश के साथ रहा है लेकिन अब इस सपने को पूरा करने की एक निश्चित तारीख तय है। हमें आजादी के 100 वर्ष पूरे होने से पहले भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि 2047 की डेडलाइन का अर्थ यह नहीं है कि देश तब तक इंतजार करे। हमें अभी से छोटे-बड़े लक्ष्य तय करके उन्हें पूरा करना होगा।

चंद्रयान से मोबाइल निर्माण तक गिनाईं उपलब्धियांप्रधानमंत्री ने भारत की वैज्ञानिक, तकनीकी और आर्थिक उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश ने बीते वर्षों में कई ऐसे काम किए हैं, जिनकी कभी कल्पना भी मुश्किल थी।

उन्होंने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास भारत की सफल लैंडिंग, दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निमार्ता बनने, चिनाब नदी पर दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज बनाने और सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता में 50 गुना से अधिक वृद्धि जैसी उपलब्धियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत ने महज 12 वर्षों में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम तैयार किया है।

मीडिया प्रधानमंत्री मोदी ने मीडिया जगत से आग्रह किया कि वह भारत की उपलब्धियों और आम नागरिकों की सफलता की कहानियों को प्रमुखता से सामने लाए। उन्होंने कहा कि देश की सफलताओं को दुनिया तक पहुंचाना मीडिया की ओर से की जाने वाली बड़ी देशसेवा होगी।

प्रधानमंत्री ने भारतीय पर्व को दिलाई वैश्विक पहचान: नितिन नवीन

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर साल देश के जवानों के साथ दिवाली मनाते हैं। इस बार नक्सलवाद के खात्मे के बाद बस्तर में नकसलवाद से प्रभावित लोगों के साथ दिवाली मिलन कार्यक्रम में सम्मलित हुए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने दिवाली के पर्व को वैश्विक स्तर पर भारतीय संस्कृति की पहचान बनाने का काम किया है। योग को वैश्विक पहचान दिलाने के साथ-साथ भारतीय त्योहारों और परंपराओं को भी दुनिया के सामने मजबूती से प्रस्तुत किया गया है। नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री के 'वोकल फॉर लोकल' के आह्वान से भारतीय उत्पादों, परंपराओं और संस्कृति को नई पहचान मिल रही है। सरकार की योजनाओं के माध्यम से हर घर तक रोशनी और विकास की सुविधाएं पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत के सामने 2047 की एक बड़ी डेडलाइन है। आजादी के 100 वर्ष पूरे होने से पहले देश को विकसित राष्ट्र बनाना है। विकसित भारत का सपना साकार करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि समय के साथ प्राथमिकताएं बदलती हैं और काम करने की रफ्तार भी बदलती है लेकिन आज भारत जिस गति से आगे बढ़ रहा है, उसे देखते हुए विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करना पूरी तरह संभव है। प्रधानमंत्री ने पत्रकारों के साथ खिचवाई सेल्फी मंच पर अपने विचारों को साझा करने के बाद प्रधानमंत्री, पत्रकारों से मिले और उनसे संवाद किया। इस मौके पर उन्होंने सभी पत्रकारों से मिली शुभकामना और अभिवादन हाथ जोड़ कर स्वीकार किया और सभी के साथ सेल्फी खिंचवाई। प्रधानमंत्री के साथ मौजूद केन्द्रीय मंत्री ने भी सेल्फी खिंचवाई और पत्रकारों के साथ कई विषयों पर चर्चा की।

महिला और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना सरकार की प्राथमिकता : दीपिका पांडेय

बिभा संवाददाता

रांची। ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं का विस्तार और महिलाओं और युवाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना सरकार की प्राथमिकता है। सरकार का प्रयास है कि गांवों में बैंकिंग सेवाओं का विस्तार किया जाए। इससे महिलाएं युवाओ को वित्तीय लाभ मिल सकेगा।

यह बातें ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने गुरुवार को झारखंड मंत्रालय में आयोजित राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की 97 वीं त्रैमासिक बैठक में कही।

मंत्री ने कहा कि एसएचजी ग्रुप को 15 लाख रुपए तक क्रेडीट लिंकेज उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखा है।



ऐसा करने से उद्यमिता के विकास के साथ-साथ टर्न ओवर भी बढ़ेगा। महिलाओं के आय में वृद्धि होगी।

बैठक की अध्यक्षता वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने की।

मौके पर दीपिका पांडेय सिंह ने सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक शाखाओं और एटीएम की संख्या बढ़ाने और पंचायत भवनों को बैंकिंग एवं डिजिटल सेवाओं से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि डिजिटल पंचायत के प्रथम चरण में चयनित 673 पंचायतों में से 335 और दूसरे चरण के 1,848 चयनित स्थानों में से 571 को बैंकों की स्वीकृति मिली है।

मंत्री ने कहा कि पंचायत भवनों को सेवा केंद्र के रूप में विकसित करने से ग्रामीणों को छोटी-छोटी बैंकिंग और डिजिटल सुविधाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने राज्य में 32 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की वित्तीय क्षमता का उल्लेख करते हुए बैंक सखी और बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट के रूप में उन्हें अधिक अवसर देने की मांग की। साथ ही स्वयं सहायता समूहों का बैंक ऋण से जुड़ाव मजबूत करने पर बल दिया।

मंत्री ने नारी योजना के तहत महिला उद्यमिता और ग्रामीण औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक जिले में बैंक सहयोग से पायलट परियोजना शुरू करने का सुझाव दिया। उन्होंने आरसेटी से प्रशिक्षित युवाओं को समय पर ऋण उपलब्ध कराने और विभागों-बैंकों के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत बताई। बैठक में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की सहित बैंकिंग संस्थानों और संबंधित विभागों के कई अधिकारी पदाधिकारी मौजूद थे।

भाजपा प्रमुख नितिन नवीन ने मुनक नहर पर बने 11 किलोमीटर लंबे छठ घाट का उद्घाटन किया



एजेंसी

नई दिल्ली: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने राष्ट्रीय राजधानी में मुनक नहर के दोनों किनारों पर बनाए गए 11 किलोमीटर लंबे छठ घाट का बृहस्पतिवार को उद्घाटन किया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री के कार्यालय (सीएमओ) ने बताया कि यहां शालीमार बाग में सिंगलपुर रोड पर प्रेम बाड़ी पुल के पास आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एवं दिल्ली सरकार के अन्य मंत्रियों की मौजूदगी में इस घाट का उद्घाटन किया गया।

बयान में कहा गया है कि यह घाट दिल्ली के पूर्वांचली समाज के लिए बड़ी सौगात है। इसके मुताबिक, वर्षों पुरानी लंबित मांग को पूरा करते हुए दिल्ली सरकार ने छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

इससे पहले, दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के अधिकारियों ने बताया था कि हैदरपुर जल उपचार संयंत्र (डब्ल्यूटीपी) से मुनक नहर में पानी डाला जाएगा, ताकि छठ पूजा के दौरान भक्तों को स्वच्छ पानी और निर्बाध प्रवाह मिल सके।

सीएमओ ने कहा था कि कभी गंदगी, मलबे और झाड़ियों से घिरी रहने वाली नहर को नया जीवन देने के लिए सरकार ने व्यापक सफाई अभियान चलाया और लंबे समय से अनुपयोगी पड़े नहर के इस हिस्से से करीब 1,400 ट्रक मलबा, कचरा और अन्य गंदगी निकाली गई।

नेपाल में बस हादसा, छठ मनाने जा रहे एक ही गांव के 10 लोगों की मौत, 6 घायल

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के मकवानपुर जिले में गुरुवार सुबह सड़क हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हो गए। हादसा गुरूवार सुबह करीब 6:10 बजे हुआ, जब काठमांडू से सलार्ही जा रही एक गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 700 मीटर नीचे खाई में गिर गई। पुलिस के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त वाहन में 16 लोग सवार थे।

हादसे की सूचना मिलते ही सशस्त्र प्रहरी बल के भीमफेदी सुरक्षा बेस से डीएसपी के नेतृत्व में बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचा। नेपाली सेना और नेपाल पुलिस की संयुक्त टीम भी राहत एवं बचाव कार्य में जुटी। दुर्घटना में जान गंवाने वालों में पांच पुरुष, तीन महिलाएं और दो बच्चियां शामिल हैं। मकवानपुर पुलिस के अनुसार, हादसे में पांच लोग घायल हुए हैं, जिनमें तीन पुरुष और दो बच्चे शामिल हैं।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, छठ पर्व मनाने के लिए सलार्ही स्थित अपने गांव लौट रहे यात्रियों की इलेक्ट्रिक माइक्रोबस भीमफेदी में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में घायल सलार्ही के चक्रघट्टा गांवपालिका निवासी मुकेश यादव ने बताया कि वे लोग दो गाड़ियों में सवार होकर गांव जा रहे थे। इनमें से आगे चल रही गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पीछे आ रही दूसरी गाड़ी में सवार लोगों ने पुलिस को हादसे की सूचना दी।

बताया गया है कि दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी में सवार सभी लोग फल व्यवसायी परिवारों से जुड़े थे। मुकेश यादव के अनुसार, छठ मनाने के लिए वे लोग कुल 15 लोग एक गाड़ी में सवार होकर गांव लौट रहे थे। हेटौंडा अस्पताल में उपचार करा रहे मुकेश ने बताया कि उन्होंने ललितपुर के टीकाथली से इलेक्ट्रिक गाड़ी बुक की थी और रात करीब 2 बजे गांव के लिए रवाना हुए थे। गाड़ी में सवार अधिकांश लोग एक ही गांव के पड़ोसी और रिश्तेदार थे।

विद्यार्थी रोजगार सृजनकर्ता बनें, ज्ञान से अवसर पैदा करें : राष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को कहा कि विद्यार्थियों का लक्ष्य अपने ज्ञान के माध्यम से रोजगार के अवसर सृजित करने का भी होना चाहिए। इससे देश के समावेशी विकास को और गति मिलेगी। उन्होंने विद्यार्थियों से ऊंचे लक्ष्य रखने और लगन, अनुशासन तथा आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को पूरा करने का प्रयास करने का आग्रह किया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज राष्ट्रपति भवन में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, ह्यशिक्षा केवल आजीविका कमाने का साधन नहीं होना चाहिए बल्कि, विद्यार्थियों का लक्ष्य अपने ज्ञान के माध्यम से रोजगार के अवसर



सृजित करने का भी होना चाहिए। जब हमारे युवा रोजगार सृजनकर्ता बनेंगे, तब देश के समावेशी विकास को और गति मिलेगी। विद्यार्थी समसामयिक घटनाओं और देश-दुनिया में हो रहे बदलावों के बारे में अवगत रहें। इससे उन्हें तार्किक सोच और विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करने में मदद मिलेगी। जब भी विद्यार्थी अपने गांव जाएं, अपने परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों और पड़ोसियों के साथ समसामयिक घटनाओं और सरकार द्वारा चलाई जा रही जन-कल्याणकारी योजनाओं के बारे में की जानकारी साझा करें। उनके इस प्रयास से परिवार और समाज लाभान्वित होगा तथा उनकी शिक्षा की सार्थकता बढ़ेगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा देश वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। देश के हर क्षेत्र और समाज के हर वर्ग का विकास आवश्यक है। एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय न केवल जनजातीय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं, बल्कि उन्हें अपनी बहुमुखी प्रतिभा को निखारने के अवसर भी प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। विद्यार्थियों को केवल उचित अवसरों, अनुकूल वातावरण और सही मार्गदर्शन की आवश्यकता है।

यह संवाद कार्यक्रम जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा 'जनजातीय गौरव पखवाड़ा' के अंतर्गत आयोजित किया गया था। यह पखवाड़ा प्रत्येक वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष में मनाया जाता है।

वायु सेना कमांडर कामिकेज ड्रोन ऑपरेशंस के लिए हमेशा तैयार रहें : राजनाथ सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को सेनाओं से आग्रह किया कि वे एलीमेंट ऑफ सरप्राइज को मजबूत बनाए रखें, ताकि तेजी से हो रही टेक्नोलॉजी में तरक्की और मॉडर्न युद्ध की बदलती प्रकृति से पैदा होने वाले पारंपरिक और नए खतरों के खिलाफ ऑपरेशनल तैयारी बनी रहे। उन्होंने इंटेलिजेंस और सर्विलांस क्षमताओं को लगातार मजबूत करने, सिस्टम के बीच इंटीग्रेशन बढ़ाने और संभावित खतरों को सामने आने से पहले पहचानने की जरूरत पर भी जोर दिया। साथ ही ऑपरेशन, एडमिनिस्ट्रेशन और एयरोस्पेस सुरक्षा के लिए विकसित एआई एप्लिकेशन भी लॉन्च किए।

नई दिल्ली में एयरफोर्स कमांडर्स



कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने निगरानी और काउंटर-ड्रोन अभियानों को लेकर उच्चस्तर की तैयारी रखने के निर्देश दिए हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी डिफेंस फोर्स को ऐसी काबिलियत और तरीके बनाने चाहिए, जिनसे दुश्मन को रिएक्ट करने या संभलने का समय ही न मिले और यह भी पक्का करना चाहिए कि दुश्मन की किसी अचानक हरकत से हम कभी हैरान न हों। सरप्राइज कई तरह से हो सकता है, पारंपरिक और इलेक्ट्रॉनिक दोनों तरह से। हमारे ईटेलिजेंस और सर्विलांस सिस्टम को और मजबूत करना होगा और ऑपरेशनल तैयारी को बढ़ाना होगा ताकि यह पक्का हो सके कि हमारे लोग किसी भी नई चुनौती का असरदार तरीके से जवाब देने के लिए अलर्ट, फुर्तीले और तैयार रहें।

राजनाथ सिंह ने कहा कि आजकल की लड़ाइयां पारंपरिक लड़ाई के मैदानों से आगे बढ़कर नॉन-कॉन्टैक्ट डोमेन तक फैल रही हैं, जिसमें मिसाइल, ड्रोन और एडवांस्ड वेपन सिस्टम अहम भूमिका निभा रहे हैं। रूस-यूक्रेन और इजराइल-हमास लड़ाइयों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ड्रोन और एयर डिफेंस सिस्टम मॉडर्न लड़ाई के जरूरी हिस्से बनकर उभरे हैं। रक्षा मंत्री ने भारतीय वायु सेना से इलेक्ट्रॉनिक, साइबर और स्पेस समेत लड़ाई के नए डोमेन के लिए खास सिद्धांत और आर्किटेक्चर बनाने को कहा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन डोमेन में बेहतर तैयारी से भविष्य की चुनौतियों से निपटने की क्षमता मजबूत होगी।

उन्होंने कहा कि भविष्य की लड़ाइयों में जीत सिर्फ एयरक्राफ्ट की संख्या पर ही नहीं बल्कि टेक्नोलॉजी की सोफिस्टिकेशन, जवाब देने की स्पीड और तैयारी की सटीकता पर भी निर्भर करेगी। उन्होंने कमांडरों से इन नई चुनौतियों को मुख्य प्राथमिकता बनाने और ऑपरेशनल में शामिल करने पर ध्यान देने को कहा। राजनाथ सिंह ने बताया कि डिफेंस फोर्सेज बदलाव के दौर से गुजर रही हैं, जिसमें ऑर्गनाइजेशनल स्ट्रक्चर, जॉइंटनेस और इंटीग्रेशन और ऑपरेशनल कॉन्सेप्ट जैसे बड़े एरिया में सुधार शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि बदलते सिक्योरिटी माहौल के लिए लगातार बदलाव और मिलिट्री तैयारियों के लिए आगे की सोच वाला नजरिया जरूरी है।

रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान और उसके बाद अपने सिद्धांतों और ऑपरेशनल तरीकों को असरदार तरीके से लागू करने के लिए एयर वॉरियर्स के लिए निर्धारित किये गए कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने में दिखाए गए प्रोफेशनलिज्म, संयम और समझदारी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन के दौरान सीखे गए सबक वायु सेना के बदलते ऑपरेशनल तरीकों में साफ तौर पर दिखे। उन्होंने कहा कि ये सबक डिफेंस फोर्सेज में हो रहे बड़े बदलावों की रफ़्तार और दिशा तय कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मिलिट्री प्लानिंग और ऑपरेशनल काम को गाइड करने के लिए मिलकर काम करने की कोशिशें जारी रहनी चाहिए।

न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में इमारत ढही, आठ लोगों की मौत, 19 घायल

एजेंसी

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के ब्रुकलिन स्थित फ्लैटबुश इलाके में बुधवार रात को एक इमारत ढहने से आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 19 लोग घायल हो गए। घायलों में तीन दमकलकर्मी भी शामिल हैं। मेयर जोहरान ममदानी ने गुरुवार सुबह हादसे पर गहरा दुख जताते हुए कहा कि इतने बड़े नुकसान पर शब्द कम पड़ जाते हैं। ममदानी के मुताबिक, मलबे में किसी के दबे होने की आशंका को देखते हुए बचाव दल ने खतरनाक परिस्थितियों के बीच पूरी रात तलाशी अभियान चलाया। न्यूयॉर्क अग्निशमन विभाग के अनुसार हादसे में घायल चार लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पांच अन्य लोगों को गंभीर, लेकिन जानलेवा नहीं होने वाली चोटें आई हैं, जबकि 10 लोगों को मामूली चोटों के कारण अस्पताल ले जाया गया।

विभाग के आयुक्त अहमद तिगानी ने कहा कि हादसे के बाद न्यूयॉर्क के भवन विभाग ने इमारत ढहने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। जांच में इमारत के सभी पहलुओं के साथ-साथ आसपास चल रहे निर्माण कार्य की भी पड़ताल की जाएगी। तिगानी के अनुसार भवन विभाग के निरीक्षक घटनास्थल पर मौजूद हैं और रातभर जांच में जुटे रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने सीएनटी कानून पर हेमंत सरकार को घेरा, डोबो में निर्माण पर उठाए सवाल, निशा भगत के मौत की निष्पक्ष जांच की मांग किया

बिभा संवाददाता



जमशेदपुर । डोबो में नदी किनारे बन रही बहुमंजिली इमारतों का मुद्दा उठाते हुए झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अर्जुन मुंडा ने हेमंत सोरेन सरकार पर आदिवासियों के भूमि अधिकारों की अनदेखी का आरोप लगाया। गुरुवार को जमशेदपुर के निर्मल गेस्ट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि अनुसूचित क्षेत्रों में जमीन का वर्गीकरण बदलने की शिकायतें सामने आ रही हैं। इसी दौरान उन्होंने आदिवासी कार्यकर्ता निशा भगत की मौत की निष्पक्ष जांच और जांच में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। अर्जुन मुंडा ने सरायकेला-खरसावां जिले के डोबो का उदाहरण देते हुए कहा कि अनुसूचित क्षेत्र में आने वाले इस इलाके में नदी किनारे बहुमंजिली इमारतें बन रही हैं। उनका आरोप है कि जमीन को शहरी श्रेणी में दर्ज किए जाने के बाद वहां ऐसे निर्माण का रास्ता खुला। उन्होंने सवाल उठाया कि जमीन का वर्गीकरण किस आधार पर बदला गया और इस बदलाव को किस स्तर पर मंजूरी मिली ? मुंडा के मुताबिक, यह मामला पहले भी राज्य सरकार के संज्ञान में लाया गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम यानी सीएनटी कानून का हवाला देते हुए कहा कि अनुसूचित क्षेत्रों में जमीन की प्रकृति बदलना संवैधानिक प्रावधानों के खिलाफ है। उन्होंने दावा किया कि भूमि निबंधन कार्यालयों के स्तर पर जमीन का वर्गीकरण बदले जाने की शिकायतें मिल रही हैं। मुंडा ने आरोप लगाया कि ऐसे बदलावों से आदिवासी समुदाय के भूमि अधिकार कमजोर होते हैं। उन्होंने आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा से जुड़ी राज्य सरकार की नीतियों पर भी सवाल उठाए। पत्रकार वार्ता में अर्जुन मुंडा ने संथाल परगना की बदलती जनसांख्यिकी पर भी चिंता जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्र में किरायेदारी कानून लागू होने के बावजूद आदिवासियों की जमीन पर अतिक्रमण हो रहा है। इसके लिए उन्होंने राज्य प्रशासन की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया। डोबो में जमीन के वर्गीकरण और संथाल परगना में अतिक्रमण का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि सरकार को आदिवासी समुदाय के भूमि अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

आदिवासी कार्यकर्ता निशा भगत की मौत का जिक्र करते हुए श्री मुंडा ने कहा कि निशा ने मौत से पहले सोशल मीडिया पर लाइव आकर कुछ सरकारी अधिकारियों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया था। मुंडा के मुताबिक, निशा ने इस कथित प्रताड़ना को आदिवासी समुदाय के पक्ष में आवाज उठाने से जोड़ा था। पूर्व मुख्यमंत्री ने मांग की कि जांच में इन आरोपों की पड़ताल की जाए, संबंधित अधिकारियों की भूमिका देखी जाए और जिनकी जिम्मेदारी तय हो, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। प्रेसवार्ता में अर्जुन मुंडा के साथ भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष संजीव श्रीवास्तव भी उपस्थित थे ।

छठ महापर्व को लेकर साहेब बांध घाटों पर चला विशेष सफाई अभियान

बिभा संवाददाता



सिल्ली: लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर सिल्ली थाना प्रभारी नवीन कुमार के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने गुरुवार को सिल्ली साहेब बांध के छठ घाटों पर विशेष सफाई अभियान चलाया।अभियान के दौरान घाटों पर फैली गंदगी, कचरा,प्लास्टिक एवं तालाब में पड़े मूर्तियों के अवशेष तथा पूजा सामग्री को हटाया गया। घाटों की साफ-सफाई के साथ-साथ छठ घाट पर बने सीढ़ियों की गंदगियों को पूरी तरह सफाई कर ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव भी किया गया एवं आने-जाने वाले रास्तों को भी दुरुस्त किया गया, ताकि छठ व्रतियों को पूजा के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो।थाना प्रभारी नवीन कुमार ने बताया कि छठ व्रतियां इस महापर्व को अत्यंत पवित्रता,स्वच्छता और शुद्धता के साथ मनाएं,जिसको लेकर यह प्रयास किया गया।छठ महापर्व में बड़ी संख्या में श्रद्धालु साहेब बांध पहुंचते हैं,इसलिए घाटों की सफाई और व्यवस्था को लेकर पुलिस पूरी तरह सजग है।उन्होंने कहा कि सफाई के साथ-साथ सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।अभियान में स्थानीय लोगों का भी सहयोग रहा।लोगों ने पुलिस के इस प्रयास की सराहना की।थाना प्रभारी ने श्रद्धालुओं से अपील किया कि वे घाटों पर स्वच्छता बनाए रखें और प्लास्टिक का उपयोग न करें,ताकि पर्व शांतिपूर्ण और स्वच्छ वातावरण में संपन्न हो सके।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन ने 501 परिवारों में किया लौकी वितरण



जमशेदपुर(बिभा)। राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन, पूर्वी सिंहभूम, जमशेदपुर के तत्वावधान में जिला अध्यक्ष राकेश साहू के नेतृत्व में लोक आस्था के महापर्व छठ पर लौकी वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन साकची भामाशाह चौक पर किया गया, जिसमें 501 परिवारों के बीच लौकी वितरण कर छठी मैया की सेवा की गयी। राकेश साहू ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी छठ व्रतधारी माताओं-बहनों की सेवा हेतु यह आयोजन किया जा रहा है। यह केवल वितरण नहीं, छठी मैया की सेवा है। सभी क्षेत्रीय कमेटियों को भी अपने क्षेत्र में वितरण का निर्देश दिया गया था। कार्यक्रम के बीच में एक भावुक क्षण आया, जब संगठन के द्वारा इतना अच्छा और सराहनीय कार्य करने पर जिला संरक्षक रामगोपाल जायसवाल ने जिला अध्यक्ष राकेश साहू को पौधा देकर सम्मानित किया और उनके नेतृत्व की सराहना की। उपस्थित लोगों ने तालियों से इस सम्मान का स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य संरक्षक रंगनाथ प्रसाद, चंद्रिका प्रसाद, जिला संरक्षक अवधेश कुमार, मनोज साहू, शशांक कुमार, शिवांश गुप्ता डॉक्टर ऋषिकेश कुमार के कर-कमलों से वितरण किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कमलेश साहू, प्रहलाद साहू, पूजा साहू, नेहा देवी, रीता साहू, मधु साहू, उपेंद्र साहू, रतन साहू, पप्पू साहू, रामकुमार साहू, विद्यानंद गुप्ता, गणेश साहू, सत्यदेव प्रसाद सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

छठ घाटों का मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की एवं पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने किया निरीक्षण



बेड़ो(बिभा): लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर घाटों की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की एवं पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने गुरुवार को मांडर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का प्रशासनिक अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान बेड़ो स्थित छठ तालाब और इटकी स्थित सूर्य मंदिर तालाब समेत कई छठ घाटों की तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने घाटों की साफ-सफाई, पहुंच पथों की मरम्मत, पर्याप्त रोशनी, साउंड सिस्टम एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकताओं को प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य पूरा कराने को कहा। साथ ही 14 नवंबर तक सभी छठ घाटों को छठव्रतियों की सुविधा के अनुरूप तैयार करने का निर्देश दिया। मंत्री ने बिजली विभाग के एसडीओ को कर्मचारियों के साथ मिलकर घाटों के आसपास बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने को कहा। वहीं डीएसपी को सभी थाना प्रभारियों को सुरक्षा व्यवस्था एवं नियमित गश्ती के लिए मुस्तैद रखने का निर्देश दिया। मौके पर डीएसपी दीपक कुमार, बीडीओ राहुल उरांव, सीओ राजकुंवर सिंह, एसडीओ, उप प्रमुख मुदस्सिर हक, मंत्री प्रतिनिधि नवल किशोर सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

लालपुर इज्तेमा में आज उमड़ेगा अकीदतमंदों का सैलाब, तीन दिनों तक गूंजेगी दीन की बातें



बेड़ो(बिभा): लोहरदगा जिला अंतर्गत कुडू प्रखंड के लालपुर मैदान में 13, 14 एवं 15 नवंबर को आयोजित होने वाले तीन दिवसीय धार्मिक इज्तेमा को लेकर तैयारियां पुन हो गई है। इस धार्मिक आयोजन में झारखंड सहित देश के विभिन्न हिस्सों से हजारों की संख्या में अकीदतमंदों के पहुंचने की संभावना है। श्रद्धालुओं के स्वागत और उनकी सुविधाओं को लेकर आयोजन स्थल पर व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। ठहरने, बैठने, खाने-पीने, नमाज अदा करने तथा शौचालय सहित तमाम बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। इसी क्रम में राँची जिला ग्रामीण कांग्रेस के महासचिव हाजी परवेज आलम ने इज्तेमा की तैयारियों और व्यवस्थाओं की जानकारी देते हुए कहा कि आयोजन में आने वाले प्रत्येक अकीदतमंद को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए आवागमन और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को भी बेहतर बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इज्तेमा में शामिल होने वाले अकीदतमंदों के चारपहिया वाहनों को मांडर एवं एनएचआई रोड स्थित टोल प्लाजा पर टोल टैक्स में छूट दी जाएगी। इसके लिए वाहनों पर लालपुर इज्तेमा का बैनर लगाना अनिवार्य होगा। बैनर लगे चारपहिया वाहनों को ही टोल छूट का लाभ मिलेगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं का सफर आसान बनाना है। हाजी परवेज आलम ने तमाम अकीदतमंदों एवं क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक संख्या में लालपुर पहुंचकर इस तीन दिवसीय इज्तेमा में शिरकत करें।

इटकी में राजीव गांधी सद्भावना फुटबॉल टूर्नामेंट का चौथा चरण संपन्न, रानीखटंगा पंचायत की टीम बनी विजेता

खेल केवल खिलाड़ी नहीं, भविष्य के नेतृत्वकर्ता भी तैयार करता है : शिल्पी नेहा

बिभा संवाददाता



इटकी : इटकी प्रखंड के शियार टोली फुटबॉल स्टेडियम में युवा कांग्रेस इटकी प्रखंड कमेटी की ओर से आयोजित स्वर्गीय राजीव गांधी सद्भावना फुटबॉल टूर्नामेंट का चौथा चरण उत्साह और रोमांच के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री सह मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की शामिल हुईं और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में रानीखटंगा पंचायत की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि कुंदी पंचायत की टीम उपविजेता रही। इस अवसर पर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि इस टूर्नामेंट का उद्देश्य केवल खेल प्रतियोगिता कराना नहीं, बल्कि युवाओं को एकजुट कर उन्हें सकारात्मक दिशा देना और भविष्य के नेतृत्वकर्ता के रूप में तैयार करना है। उन्होंने कहा कि आज समाज में जाति और धर्म के नाम पर लोगों को बांटने की कोशिश हो रही है, ऐसे में खेल एकता, भाईचारे और सद्भाव का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता विकसित करता है। युवाओं को संविधान के मूल्यों से प्रेरित होकर समाज और देश के लिए सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। मंत्री ने बताया कि इस आयोजन का अगला और अंतिम मुकाबला 18 नवंबर को मांडर के बुढ़ाखुखरा में महाकुंभ फाइनल के रूप में आयोजित होगा, जिसमें विभिन्न प्रखंडों की विजेता टीमें हिस्सा लेंगी। इससे पूर्व इटकी पुलिस प्रशासन और कांग्रेस प्रखंड की टीम के दुवारा सद्भावना मैच खेला गया जिसमें प्रशासन की टीम ने इटकी प्रखंड कांग्रेस को एक गोल से पराजित किया इस मौके पर इटकी सीओ सह बीडीओ गिरेंद्र टूटी, इटकी थाना प्रभारी शिवनारायण तिवारी ,मुर्तजा आलम,जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष वसीम इकबाल,प्रखंड अध्यक्ष रमेश महली, मंजर अंसारी, राजन किस्पोट्टा, अबूमाज, फ्रांसिस्का केरकेट्टा, अब्बास अंसारी, इबरार इमाम, भानु सिंह, शिशु गोप, फिरोज अख्तर सहित बड़ी संख्या में युवा, खेलप्रेमी एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे।

ईटा पंचायत के चिल्द्री मनरेगा पार्क और महिला हाट का टीआरआई नई दिल्ली के बोर्ड सदस्यों ने किया भ्रमण



बिभा संवाददाता

बेड़ो: ग्राम पंचायत ईटा के ईटा गांव में गुरुवार को टीआरआई नई दिल्ली के बोर्ड सदस्यों ने चिल्द्री मनरेगा पार्क का भ्रमण किया। इस दौरान टीआरआई के बोर्ड सदस्य सुशील रमोला, भारती गुप्ता, अनिर्बन घोष एवं अनिश कुमार उपस्थित रहे। टीम ने पूर्व मुखिया बुधराम बाड़ा और वर्तमान मुखिया अनिता बाड़ा के नेतृत्व में मनरेगा पार्क का अवलोकन किया।

इस दौरान पूर्व मुखिया बुधराम बाड़ा ने बोर्ड सदस्यों को मनरेगा पार्क में विकसित आम बागवानी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मनरेगा योजना के तहत किस प्रकार आम बागवानी को विकसित किया गया है तथा इसके साथ अंतःफसल के रूप में विभिन्न फसलों की खेती की जा रही है। पार्क में आम के पेड़ों और अंतःफसलों की बेहतर स्थिति देखकर सभी बोर्ड सदस्यों ने खुशी जाहिर की और इस पहल की सराहना की।

इसके बाद टीम ने ईटा पंचायत के पुरनापानी में टीआरआई संस्था द्वारा निर्मित मार्केट स्टैंड (महिला हाट) का भी अवलोकन किया। इस दौरान बोर्ड सदस्यों को महिला हाट की स्थापना के उद्देश्य और ग्रामीण महिलाओं के लिए इसकी उपयोगिता के बारे में जानकारी दी गई। टीआरआई के सभी बोर्ड सदस्यों ने महिला हाट के निर्माण में पूर्व मुखिया बुधराम बाड़ा के अहम योगदान की सराहना की।

इस भ्रमण के दौरान ग्रामीण क्षेत्र में मनरेगा के माध्यम से विकसित आजीविका के संसाधनों, कृषि आधारित गतिविधियों और महिला सशक्तीकरण की दिशा में किए गए प्रयासों को करीब से देखा गया।

संजीव सरदार की पहल पर बागबेड़ा में छठ घाटों की व्यवस्था हो रही दुरुस्त, डीबी रोड से बड़ौदा घाट तक 50 स्ट्रीट लाइट से जगमगाया इलाका

बिभा संवाददाता



जमशेदपुर। लोकआस्था के महापर्व छठ पूजा पर व्रतियों और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए बागबेड़ा क्षेत्र में तैयारियां युद्धस्तर पर चल रही हैं। पोटका विधायक संजीव सरदार की पहल और उनके निर्देश पर डीबी रोड से बड़ौदा घाट तक तथा क्षेत्र के अन्य छठ घाटों पर आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त कराई जा रही हैं। मैदान में रहकर स्ट्रीट लाइट लगवाने, घाटों की साफ-सफाई, जेसीबी के माध्यम से 6 अस्थायी छठ घाटों के निर्माण काम करा रही है जो अब पूरा होने को है। गौरतलब है कि 4 नवंबर को विधायक संजीव सरदार ने बागबेड़ा क्षेत्र के बड़ौदा घाट, रिवर व्यू कॉलोनी घाट, कुसुम घाट और पत्थर घाट का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया था। इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को छठ से पहले सभी जरूरी व्यवस्थाएं पूरी करने का निर्देश दिया था। उन्होंने डीडीसी को क्षेत्र की स्थिति से अवगत कराते हुए साफ-सफाई, पर्याप्त रोशनी, अस्थायी घाटों के निर्माण और संपर्क सड़कों की मरम्मत का काम समय पर पूरा कराने को कहा था। विधायक के निर्देश के बाद अब इन कार्यों में तेजी आई है और टीम लगातार उनकी निगरानी में जुटी है। तैयारियों के तहत डीबी रोड से बड़ौदा घाट तक अब तक लगभग 50 स्ट्रीट लाइट लगाई जा चुकी हैं, जिससे पूरा रास्ता रोशनी से जगमगा रहा है। शेष स्थानों पर भी लाइट लगाने का काम जारी है, जिसे जल्द पूरा कर लिया जाएगा। वहीं, कुसुम घाट और बड़ौदा घाट पर साफ-सफाई का काम पूरा कर लिया गया है। अन्य घाटों पर भी सफाई और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का काम जारी है। जेसीबी के माध्यम से अस्थायी छठ घाटों का निर्माण और सड़कों की मरम्मत भी कराई जा रही है। इस दौरान पूर्व जिला परिषद सदस्य किशोर यादव, पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता, तरुण सरदार, झामुमो नेता जगत मार्डी, पप्पू उपाध्याय, मनोज नाहा, सण्टु कर्मकार, मिथुन चक्रवर्ती और गोपाल पुष्टि सहित अन्य लोग तैयारियों में सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

जेसोवा पब्लिक लाइब्रेरी पहुंचे पूर्व मंत्री बंधु तिर्की, विद्यार्थियों से जाना पढ़ाई का हाल

बिभा संवाददाता



बेड़ो: पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की ने गुरुवार को जेसोवा पब्लिक लाइब्रेरी, बेड़ो का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने लाइब्रेरी में अध्ययनरत विद्यार्थियों से मुलाकात कर उनकी पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और लाइब्रेरी में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने प्रत्येक विद्यार्थी से अलग-अलग बातचीत कर उनकी शैक्षणिक गतिविधियों और पढ़ाई के दौरान आने वाली परेशानियों को भी जाना।

बातचीत के दौरान विद्यार्थियों ने बताया कि वे एसएससी, सीजीएल, बैंकिंग और रेलवे एनटीपीसी सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। विद्यार्थियों ने लाइब्रेरी में बिजली के वोल्टेज में उतार-चढ़ाव की समस्या उठाते हुए बताया कि इसके कारण कंप्यूटर बार-बार बंद हो जाते हैं, जिससे ऑनलाइन पढ़ाई और परीक्षा की तैयारी प्रभावित होती है।

विद्यार्थियों की समस्या सुनने के बाद बंधु तिर्की ने लाइब्रेरी में स्टेबलाइजर उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक माहौल और आवश्यक सुविधाएं मिलना जरूरी है, ताकि वे बिना किसी परेशानी के अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।

उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए नियमित अध्ययन, कड़ी मेहनत और अनुशासन के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि लगन और निरंतर प्रयास से ही सफलता हासिल की जा सकती है।

इस अवसर पर सीओ राजकुमार सिंह, लाइब्रेरियन शमामा फातिमा, प्रखंड अध्यक्ष करमा उरांव, उपप्रमुख मोद्दसिर हक, तबरेज अंसारी एवं राजा मिश्रा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

कुसुम कमानी ऑडिटोरियम में 17 नवंबर को सजेगी 'भजन जैमिंग' की महफिल, संगीत के जरिए दिखेगी राम विवाह की झलक



जमशेदपुर(बिभा)। बिष्टुपुर स्थित नरभेराम हंसराज इंग्लिश स्कूल की ओर से आगामी मंगलवार, 17 नवंबर को विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम भजन जैमिंगझ्व्हेन भजन्स टेल ए स्टोरी का आयोजन किया जाएगा। गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में नकुल कमानी, मीना चैनानी और इंटक के प्रदेश अध्यक्ष राकेश पांडेय ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुसुम कमानी ऑडिटोरियम में शाम 6 से रात 8 बजे तक चलने वाले इस कार्यक्रम में रामायण के राम विवाह प्रसंग को पारंपरिक भजनों और आधुनिक संगीत के फ्यूजन के साथ प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें कोलकाता की प्रसिद्ध टीम डीजे म्यूजिकल वाइब्स (नेतृत्व डीजे धनंजय फुम्भ्रा) अपनी प्रस्तुति देगी। साथ ही, कार्यक्रम में मेक अ विश नामक एक विशेष आध्यात्मिक सत्र भी होगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य युवाओं और शहरवासियों को आधुनिक संगीत के माध्यम से भारतीय संस्कृति और विरासत से जोड़ना है।

चांडिल श्याम महोत्सव में रघुवर दास होंगे शामिल, प्रचार वाहन रवाना

बिभा संवाददाता



जमशेदपुर। श्री श्याम कला भवन, चांडिल की ओर से आयोजित होने वाले 30वें श्री श्याम जन्म महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। आगामी 20 नवंबर को आयोजित होने वाले श्याम महोत्सव के प्रचार-प्रसार के लिए आज विधिवत पूजा-अर्चना और नारियल फोड़कर प्रचार वाहन रवाना किया गया। इस अवसर पर कला भवन के अध्यक्ष संजय चौधरी ने बताया कि खाटू वाले बाबा श्याम का जन्म महोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। प्रचार वाहन 17 नवंबर तक पूर्वी सिंहभूम, जमशेदपुर, गालूडीह, मुसाबनी, घाटशिला, पटमदा, पश्चिम सिंहभूम, चाईबासा, सरायकेला-खरसावां, कांड्रा, गम्हरिया, आदित्यपुर, सिनी, चौका और रघुनाथपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण करेगा। इसके अलावा पश्चिम बंगाल के बलरामपुर, पुरुलिया, बड़ाबाजार और बांधवान में भी बाबा श्याम के महोत्सव का प्रचार किया जाएगा। इधर, श्री श्याम कला भवन के प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष संजय चौधरी के नेतृत्व में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास से मुलाकात कर उन्हें महोत्सव का निमंत्रण दिया। प्रतिनिधिमंडल ने 20 नवंबर को आयोजित भजन संध्या में अतिथि के रूप में शामिल होने का आग्रह किया। संजय चौधरी ने उन्हें बताया कि चांडिल जैसे छोटे स्थान पर पिछले 29 वर्षों से लगातार श्याम महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। रघुवर दास ने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए 30वें महोत्सव में शामिल होने की स्वीकृति दी। प्रचार वाहन रवाना करने के मौके पर दुर्गा चौधरी, अश्विनी शर्मा, पप्पू सुल्तानिया, रवि शर्मा, रोहित चौधरी सहित कई श्रद्धालु और कला भवन के सदस्य उपस्थित थे। वहीं, रघुवर दास को निमंत्रण देने के दौरान राजीव गुप्ता, अश्विनी शर्मा और संजय शर्मा मौजूद थे।

पंडित मदन मोहन मालवीय जी की पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि



बिभा संवाददाता

चांडिल: नारायण प्राइवेट आईटीआई, लुपुंगडीह, चांडिल में राष्ट्रवाद के प्रखर समर्थक, महान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद एवं काशी हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें शत-शत नमन किया गया।इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक डॉ. जटाशंकर पांडे ने कहा कि पंडित मदन मोहन मालवीय जी भारतीय इतिहास के महान व्यक्तित्व थे। उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, शिक्षा, समाज सुधार और भारतीय संस्कृति के संरक्षण के लिए समर्पित रहा। उन्होंने वर्ष 1916 में काशी हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना कर देश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक नई क्रांति की शुरूआत की।उन्होंने आगे कहा कि महामना मालवीय जी का आदर्श जीवन, त्याग, समर्पण और राष्ट्रभक्ति आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके विचारों को आत्मसात कर हमें शिक्षित, संस्कारित एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर मुख्य रूप से मौजूद रहे प्राचार्य जयदीप पांडे, शांति राम महतो, प्रकाश महतो, भगत लाल तेली, देवाशीष मंडल, शशि प्रकाश महतो, पवन महतो,अजय मंडल ,निकिता गोराई, लक्ष्मी महतो,गौरव महतो,निमाई मंडल, बड़ी संख्या में कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

छठ महापर्व को लेकर बदली रांची के घाटों की तस्वीर, 74 घाटों पर खास इंतजाम

बिभा संवाददाता

रांची। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर राजधानी रांची में तैयारियां जोरों पर हैं। शहर के तालाबों और छठ घाटों की तस्वीर इस बार बदली-बदली नजर आ रही है।

कहीं घाटों की साफ-सफाई और रंग-रोगन किया जा रहा है, तो कहीं आकर्षक सजावट के जरिए उन्हें नया स्वरूप दिया जा रहा है। श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रांची नगर निगम ने इस बार विशेष तैयारी की है।

शहर के 74 छठ घाटों को चिह्नित कर वहां व्यापक स्तर पर साफ-सफाई, सौंदर्यीकरण और अन्य जरूरी व्यवस्थाएं की जा रही हैं।



छठ के दौरान शहर के पारंपरिक तालाबों और घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। ऐसे में जलाशयों पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए नगर निगम ने कई स्थानों पर कृत्रिम तालाब भी तैयार कराए हैं।

इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं को नजदीक में ही अर्घ्य देने की सुविधा उपलब्ध कराना और प्रमुख घाटों पर भीड़ का दबाव कम करना है।

वहीं, इस बार छठ घाट बनाने की परंपरा का विस्तार सार्वजनिक स्थलों से निकलकर निजी परिसरों तक भी पहुंच गया है।

शहर में बड़ी संख्या में लोग अपने घरों के आंगन और छतों पर ही छोटे-छोटे कृत्रिम जलाशय तैयार कर रहे हैं। इनमें पानी भरकर छठ पूजा करने की तैयारी की जा रही है। इससे उन परिवारों को भी सुविधा मिल रही है, जिन्हें किसी कारणवश सार्वजनिक घाटों तक पहुंचने में परेशानी होती है।

नगर निगम की ओर से घाटों पर साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण के साथ श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर भी जरूरी इंतजाम किए जा रहे हैं। कोशिश है कि छठ के दौरान घाटों पर आने-जाने वाले लोगों को किसी तरह की असुविधा न हो और पूरा आयोजन व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो। नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने कहा कि इस वर्ष छठ व्रतियों को स्वच्छता और सुविधाओं के लिहाज से पहले से बेहतर घाट उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

सभी चिह्नित घाटों की साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं, ताकि छठ महापर्व शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके।

खास बात यह है कि पहली बार इतने व्यापक स्तर पर घाटों को व्यवस्थित और आकर्षक बनाने पर जोर दिया जा रहा है। तालाबों के आसपास जमा कचरे को हटाने के साथ घाटों की सफाई, रंग-रोगन और पहुंच पथ को दुरुस्त किया जा रहा है। नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने बताया कि सभी छठ घाटों व्यापक स्तर पर साफ-सफाई, सौंदर्यीकरण और अन्य जरूरी व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

छठ महापर्व को लेकर झारखंड में सुरक्षा के कड़े इंतजाम, 14 जिलों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात

बिभा संवाददाता

रांची। लोक आस्था के महापर्व छठ के शांतिपूर्ण और सुरक्षित आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए झारखंड पुलिस मुख्यालय ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदाशा मिश्रा के निर्देश पर आईजी अभियान नरेंद्र कुमार सिंह ने राज्य के 14 संवेदनशील जिलों में अतिरिक्त पुलिस बल, रैपिड एक्शन पुलिस, महिला लाठी बल और अश्रु गैस दस्तों की प्रतिनियुक्ति के आदेश जारी किए हैं। इन जिलों में रांची, जमशेदपुर, हजारीबाग, लोहरदगा, गिरिडीह, सरायकेला, बोकारो, पलामू, गढ़वा, लातेहार, रामगढ़, देवघर, धनबाद और साहिबगंज शामिल है। जारी आदेश के अनुसार, इन सभी जिलों सुरक्षा बलों की तैनाती 13 नवंबर की सुबह से लेकर 16 नवंबर की सुबह तक प्रभावी रहेगी। पर्व की समाप्ति के बाद, 16 नवंबर की दोपहर में रांची और जमशेदपुर में पहले से तैनात बलों को छोड़कर अन्य सभी अतिरिक्त बलों को उनकी मूल वाहिनी या इकाई में वापस लौटाना सुनिश्चित किया जाएगा।

लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर झारखंड पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं।

राज्यभर में छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों को विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। जिलों के पुलिस अधीक्षकों की ओर से सुरक्षा के लिए जितने अतिरिक्त पुलिस बल की मांग की गई थी, उसे पूरा कर दिया गया है। इसके साथ ही छठ घाटों की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण और भीड़ प्रबंधन को लेकर भी तैयारी की गई है।

आईजी अभियान सह पुलिस प्रवक्ता नरेंद्र सिंह ने गुरुवार को बताया कि छठ पूरे देश में मनाया जाने वाला बहुत ही पवित्र पर्व है। इस पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराना पुलिस की प्राथमिकता है। सभी जिलों से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जानकारी ली गई है। जहां जितने पुलिस बल की आवश्यकता बताई गई थी, वहां उस मांग को पूरा कर दिया गया है। पुलिस पूरी तरह सतर्क है और किसी भी तरह की गड़बड़ी करने वालों पर नजर रखी जा रही है।

छठ घाटों पर बड़ी संख्या में महिलाएं और युवतियां पहुंचती हैं। इसे देखते हुए महिला सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया है। भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिस की गश्ती बढ़ाई जाएगी। छिनतई, चोरी, छेड़खानी और अन्य आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। जरूरत के अनुसार सादे कपड़ों में भी पुलिसकर्मी निगरानी करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

मैट्रिक और इंटर की परीक्षा शुल्क में वृद्धि पर संघ ने जताया विरोध



रांची(बिभा)। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) की ओर से मैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा शुल्क में लगातार दूसरे वर्ष वृद्धि किए जाने पर झारखंड पैरेंट्स एसोसिएशन ने विरोध जताया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि पिछले दो वर्षों में परीक्षा शुल्क में लगभग 40 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी गरीब, मध्यमवर्गीय और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों पर अतिरिक्त बोझ है। अजय राय ने कहा कि सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले अधिकांश विद्यार्थी मजदूर, किसान और निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों से आते हैं। आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद ये विद्यार्थी मेहनत से पढ़ाई कर बेहतर भविष्य का सपना देखते हैं। ऐसे में परीक्षा शुल्क में लगातार वृद्धि उनकी शिक्षा के रास्ते में बाधा उत्पन्न करेगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा कोई व्यापार नहीं, बल्कि प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है। एक ओर सरकार सरकारी विद्यालयों में नामांकन और शिक्षा को बढ़ावा देने की बात करती है, दूसरी ओर परीक्षा शुल्क बढ़ाकर गरीब विद्यार्थियों पर आर्थिक बोझ डाल रही है। एसोसिएशन ने राज्य सरकार से बढ़ी हुई परीक्षा फीस की समीक्षा कर पुरानी दरें बहाल करने और कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को विशेष छूट देने की मांग की। राय ने चेतावनी दी कि मांगों की अनदेखी होने पर विद्यार्थी लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन किया जाएगा।

बारह पहड़ा जतरा महोत्सव को लेकर रांची में बदली रहेगी यातायात व्यवस्था

रांची(बिभा)। राजधानी रांची के कांके रोड स्थित मिसिर गोंदा के जतरा टांड़ में 14 नवंबर को आयोजित होने वाले पारंपरिक बारह पहड़ा जतरा पूजा महोत्सव को लेकर यातायात पुलिस ने विशेष व्यवस्था की है। श्रद्धालुओं की भीड़ और यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए दोपहर एक बजे से रात आठ बजे तक राम मंदिर चौक से जोड़ा पुल तक ऑटो, टोटो और छोटे-बड़े मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। आवश्यकता पड़ने पर चारपहिया वाहनों का प्रवेश भी प्रतिबंधित किया जा सकता है। हालांकि, आपातकालीन सेवा के वाहनों को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है। ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने गुरुवार को बताया कि कांके रिंग रोड से शहर के अंदर आने वाले वाहन बोड़ेया रोड, अंतु चौक और करमटोली चौक होते हुए अपने गंतव्य तक जा सकेंगे। वहीं, राम मंदिर चौक, रातू चौक और मोरहाबादी मैदान से कांके रिंग रोड की ओर जाने वाले चारपहिया वाहन करमटोली चौक, अंतु चौक और बोड़ेया रोड के रास्ते अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। इसके अलावा, आवश्यकता पड़ने पर अन्य मार्गों पर भी कुछ समय के लिए वाहनों को डायवर्ट या रोका जा सकता है। एसपी ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का ही उपयोग करें और सड़कों पर अनावश्यक रूप से वाहन पार्क न करें, ताकि जतरा पूजा महोत्सव के दौरान शहर की यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

गुरुनानक होम के बच्चों संग समर्पण शाखा ने मनाई दीपावली

रांची(बिभा)। मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा की ओर से गुरुवार को बरियातू स्थित गुरुनानक होम के बच्चों के साथ दीपावली की खुशियां साझा की गईं। शाखा अध्यक्ष शुभा अग्रवाल के नेतृत्व में आयोजित इस जनसेवा कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद बच्चों के बीच मिठाइयां, दीये, पटाखे और अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की गई। मीडिया प्रभारी वेदिका ने बताया कि उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे और सभी ने दीये जलाकर उत्साह के साथ त्योहार मनाया। अध्यक्ष शुभा अग्रवाल ने कहा कि संस्था का प्रयास है कि कोई भी जरूरतमंद बच्चा त्योहार की खुशियों से वंचित न रहे। मौके पर शायरी अग्रवाल, कोमल पोद्दार, निशि सराफ, हेमलता पोद्दार और वीणा शर्मा मौजूद थीं।

छठ पर्व पर रांची में ट्रैफिक का बदलाव, 15 और 16 नवंबर को भारी वाहनों की रहेगी नो एंट्री

बिभा संवाददाता

रांची। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर राजधानी रांची में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने विशेष योजना तैयार की है। छठ घाटों पर उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए 15 और 16 नवंबर को शहर के कई प्रमुख मार्गों पर वाहनों के परिचालन में बदलाव किया गया है। इस दौरान भारी मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। वहीं, कई छठ घाटों की ओर जाने वाले रास्तों पर सभी प्रकार के वाहनों का परिचालन प्रतिबंधित रहेगा। रांची ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने इस संबंध में गुरुवार को निर्देश जारी कर दिए हैं। ट्रैफिक एसपी की ओर से जारी आदेश के अनुसार, 15 नवंबर को सुबह आठ बजे से रात 11 बजे तक और 16 नवंबर को सुबह दो बजे से सुबह 10 बजे तक भारी मालवाहक वाहनों का शहर में प्रवेश वर्जित रहेगा। हालांकि, भारी वाहन रिंग रोड से होकर अपने गंतव्य तक जा सकेंगे। इसके अलावा 15 नवंबर को शाम दो बजे से रात आठ बजे तक छोटे मालवाहक वाहनों का भी रांची शहर में प्रवेश और परिचालन बंद रहेगा।



छठ के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कई प्रमुख रास्तों पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद रहेगी। 15 नवंबर को दोपहर तीन बजे से रात आठ बजे तक चांदनी चौक कांके से राम मंदिर के बीच दोनों ओर वाहनों का परिचालन प्रतिबंधित रहेगा। इसी तरह फिरायालाल से चडरी तालाब की ओर जाने वाली सड़क और जेल चौक से फिरायालाल जाने वाले मार्ग पर भी वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी।

इसके अलावा कचहरी चौक से राजभवन की ओर जाने वाली सड़क, सीएमपीडीआई चौक से कांके डैम की ओर जाने वाली सड़क और ओढ़नू बाबा आश्रम से बड़ा तालाब की ओर जाने वाले मार्ग पर भी सभी प्रकार के वाहनों का परिचालन प्रतिबंधित रहेगा।

जैन मंदिर एवं महिला मारवाड़ी कॉलेज से बड़ा तालाब की ओर जाने वाली सड़क तथा लक्ष्मीनारायण मंदिर से ओढ़नू बाबा आश्रम की ओर जाने वाले रास्ते पर भी वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी।

जुडिशियल अकादमी एवं सिठियो बस्ती (अंजली होटल) से धुर्वा डैम छठ घाट की ओर जाने वाली सड़क पर भी सभी प्रकार के वाहनों के परिचालन पर रोक रहेगी।

छठ घाटों पर आने वाले श्रद्धालुओं को अपने वाहन खड़े करने में परेशानी नहीं हो, इसके लिए ट्रैफिक पुलिस ने शहर में 13 स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था निर्धारित की है। इनमें प्रमुख रूप से रणधीर वर्मा चौक से हटिया तालाब जाने वाले मार्ग पर नगर निगम पार्क के सामने रोड किनारे, एसएसपी आवास चौक से हटिया तालाब जाने वाले रास्ते में रोड किनारे और एसएसपी आवास चौक से हटनिया तालाब जाने वाला मार्ग, राम मंदिर से कांके डैम जाने वाला मार्ग, शहीद मैदान से छठ तालाब जाने वाले मार्ग, जेल चौक के पास , लालपुर यातायात थाना के पास , सर्जना चौक से बड़ा तालाब जाने वाला मार्ग,चुटिया से स्वर्णरेखा जाने वाला मार्ग, बनस तालाब चुटिया, किशोरगंज चौक से बड़ा तालाब जाने वाला मार्ग और देवेन्द्र मांझी चौक के पास में पार्किंग की व्यवस्था रहेगी।

इसके अलावा जेल चौक के पास भगवान बिरसा मुंडा के पास, लालपुर यातायात थाना के पास, सर्जना चौक से बड़ा तालाब जाने वाले मार्ग पर सर्जना चौक और फिरायालाल के बीच बने पार्किंग स्थल पर भी वाहन पार्क किए जा सकेंगे।

ट्रैफिक पुलिस ने स्पष्ट किया है कि आवश्यकता पड़ने पर शहर के अन्य मार्गों पर भी कुछ समय के लिए वाहनों को डायवर्ट किया जा सकता है या उनका परिचालन रोका जा सकता है। इसका उद्देश्य छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को घाटों तक पहुंचने में परेशानी से बचाना तथा शहर में जाम की स्थिति नहीं बनने देना है।

रांची ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने लोगों से अपील की है कि छठ घाटों पर जाने के दौरान निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही इस्तेमाल करें और प्रतिबंधित रास्तों पर वाहन लेकर जाने से बचें। यातायात पुलिस के निदेर्शों का पालन कर श्रद्धालु पर्व को सुरक्षित और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने में सहयोग करें।

उलिहातू से शुरू होगी भाजपा एसटी मोर्चा की तीन दिवसीय पदयात्रा

बिभा संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा द्वारा आयोजित तीन दिवसीय पदयात्रा का शुभारंभ शुक्रवार को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पावन जन्मस्थली उलिहातू से होगा। पदयात्रा के शुभारंभ से पूर्व उलिहातू में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया जाएगा। इस अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा के वंशजों को सम्मानित किया जाएगा। उनके वंशज सुखराम मुंडा पारंपरिक झंडा दिखाकर पदयात्रा को रवाना करेंगे।

इस तीन दिवसीय पदयात्रा का प्रमुख आकर्षण भगवान बिरसा मुंडा का भव्य रथ एवं उस पर स्थापित उनकी प्रतिमा होगी, जो धरती आबा के संघर्ष, बलिदान और गौरवशाली इतिहास का संदेश लेकर आगे बढ़ेगी।

इस अवसर पर वरिष्ठ नेता पद्मभूषण कड़िया मुंडा, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा, एसटी मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव, एसटी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सन्नी टोप्पो, प्रदेश प्रवक्ता अशोक बड़ाईक, पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर, पूर्व विधायक कोचे मुंडा, पूर्व विधायक शिवशंकर उरांव सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

उलिहातू से प्रारंभ होकर यह पदयात्रा एवं भगवान बिरसा मुंडा का रथ लगभग 28 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए खूंटी स्थित भाजपा जिला कार्यालय पहुंचेगा। यहां पहले दिन की यात्रा का विश्राम होगा। इसके पश्चात निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पदयात्रा आगे बढ़ेगी। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा की यह पदयात्रा धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के विचारों, संघर्षों और जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है।

सेल में उत्साह के साथ मनाया गया गुणवत्ता दिवस

बिभा संवाददाता

रांची। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) में गुरुवार को 'क्वालिटी मंथ' (गुणवत्ता माह) के तहत गुणवत्ता दिवस मनाया गया। इस वर्ष की थीम 'गुणवत्ताः प्रदर्शन को सशक्त बनाना' के अंतर्गत आयोजित समारोह में सीईटी के कार्यपालक निदेशक एस. सुब्बाराज और आरडीसीआईएस के कार्यपालक निदेशक एस.के. कर ने संयुक्त रूप से 'क्वालिटी फ्लैग' फहराया। इसके पश्चात सेल मुख्यालय सहित देश भर के सभी उप-केंद्रों में कर्मचारियों को एक साथ गुणवत्ता की शपथ दिलाई गई। समारोह को संबोधित करते हुए ईडी एस. सुब्बाराज ने कहा कि गुणवत्ता को केवल एक औपचारिकता न मानकर अपनी दिनचर्या और आदत में शामिल करना चाहिए।



उन्होंने पर्यावरण, सामाजिक और शासन सिद्धांतों पर ध्यान देते हुए ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप किफायती व तकनीकी रूप से बेहतर समाधान देने की बात कही। वहीं, ईडी एस.के. कर ने अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों को गति देने, नए उत्पादों के विकास में निवेश करने तथा संयंत्रों में नई तकनीकों के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने मानव संसाधन की कमी की भरपाई आपसी सहयोग बढ़ाकर करने का सुझाव भी दिया।

इस अवसर पर कर्मचारियों के लिए आयोजित 'क्वालिटी क्विज' और 'क्वालिटी स्पीच' प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल आयोजन सीजीएम तथागत घोष के मार्गदर्शन और आरडीसीआईएस के सीजीएम पी. पाठक के नेतृत्व में पीसी डिवीजन व सीईटी की 'टीम बिजनेस एक्सीलेंस' दिनेश पाठक, अभय कुमार एवं प्रमोद कुमार के सहयोग से संपन्न हुआ।

बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर मनाया गया अंतरराष्ट्रीय एटीएसईपी दिवस

बिभा संवाददाता

रांची। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची में गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय एयर ट्रैफिक सेफ्टी इलेक्ट्रॉनिक्स पर्सनल (एटीएसईपी) दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विमानन सुरक्षा और सुचारु हवाई यातायात संचालन में अहम भूमिका निभाने वाले कम्युनिकेशन, नेविगेशन एवं सर्विलांस अधिकारियों के योगदान को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में एयरपोर्ट निदेशक विनोद कुमार, सीएनएस प्रभारी अविनाश सोरेंग, विभिन्न विभागाध्यक्षों और सीएनएस कर्मियों ने संयुक्त रूप से केक काटकर तकनीकी टीम के समर्पण की सराहना की।



इस दौरान वक्ताओं ने बताया कि एटीएसईपी वे कुशल तकनीकी अधिकारी हैं, जो विमानन क्षेत्र की रीढ़ माने जाने वाले संचार, नेविगेशन और निगरानी प्रणालियों के रखरखाव व विश्वसनीयता की जिम्मेदारी संभालते हैं। इन्हीं प्रणालियों के जरिए पायलटों और एयर ट्रैफिक कंट्रोलरों के बीच निर्बाध संवाद तथा विमानों का सुरक्षित संचालन संभव हो पाता है। रांची एयरपोर्ट पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण का सीएनएस विभाग वीएचएफ संचार उपकरण, इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम, डीवीओआर, डीएमई और एडीएस-बी जैसे अति-महत्वपूर्ण तकनीकी उपकरणों का संचालन करता है। समारोह के माध्यम से पर्दे के पीछे रहकर प्रत्येक उड़ान की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले विमानन क्षेत्र के इन 'अनदेखे नायकों' की तकनीकी दक्षता और प्रतिबद्धता के प्रति आभार जताया गया।

सीएमपीडीआई में धूमधाम से मना कोल इंडिया का 52वां स्थापना दिवस, विविधीकरण और वैश्विक विस्तार पर रहा जोर

बिभा संवाददाता

रांची। सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट (सीएमपीडीआई) मुख्यालय स्थित रबीन्द्र भवन में गुरुवार को कोल इंडिया का 52वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि सीएमपीडीआई के सीएमडी चौधरी शिवराज सिंह, निदेशक (तकनीकी/पीएंडडी) अजय कुमार, निदेशक (तकनीकी/ईएस) राजीव कुमार सिन्हा, निदेशक (तकनीकी/आरडीएंडटी, बीडी) आनंद मोहन, मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीएमपीडीआई एवं सीसीएल) पंकज कुमार और सीआईएल के कार्यपालक निदेशक (गवेषण) आरके सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद राष्ट्रगीत और सीआईएल के कॉर्पोरेट गीत का गायन हुआ। मौके पर सभी क्षेत्रीय निदेशक, महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष तथा श्रमिक संगठनों व सीएमओएआई के प्रतिनिधि मौजूद थे।

समारोह को संबोधित करते हुए सीएमडी चौधरी शिवराज सिंह ने संस्थान के विकास में मानव संसाधनों के योगदान की सराहना की। उन्होंने व्यवसाय में विविधीकरण पर बल देते हुए कहा कि सीएमपीडीआई को कोयले से आगे बढ़कर क्रिटिकल मिनरल्स, रेयर अर्थ एलिमेंट्स



(आरईई), मेटल माइनिंग, कार्बन प्रबंधन और उन्नत खनन तकनीकों जैसे उभरते क्षेत्रों में अपनी क्षमताओं का विस्तार करना चाहिए। उन्होंने संस्थान को एक तकनीकी सलाहकार से 'रणनीतिक ज्ञान भागीदार' और राष्ट्रीय लीडर से 'वैश्विक खनन परामर्शदाता' के रूप में स्थापित करने का विजन रखा। वहीं, निदेशक अजय कुमार, राजीव कुमार सिन्हा, आनंद मोहन और सीवीओ पंकज कुमार ने भी तकनीकी नवाचार, हरित व सुरक्षित खनन, बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा और क्रिटिकल मिनरल्स के क्षेत्र में विस्तार पर जोर दिया।

कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले संस्थानों और कर्मियों को पुरस्कृत किया गया। भुवनेश्वर स्थित आरआई-7 को सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय संस्थान चुना गया। आरआई-5 के कुसमुंडा कैंप और आरआई-4 के मुरपार कैंप को सर्वश्रेष्ठ ड्रिलिंग कैंप तथा इनकी टीमों को सर्वश्रेष्ठ क्रू का पुरस्कार मिला। कॉर्पोरेट श्रेणियों में आरआई-7, आरआई-2, आरआई-4 और मुख्यालय की विभिन्न प्रयोगशालाओं व विभागों को सम्मानित किया गया। इसके अलावा, आरआई-5 के मो. अहमद को इनोवेशन अवार्ड, आरआई-2 के राम प्रसाद अधिकारी को व्यक्तिगत उत्कृष्टता पुरस्कार, तीन युवा कार्यपालकों (नीलय गिरी, विवेक कुमार, शुभम राज जिंदल) सहित आठ वरिष्ठ अधिकारियों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा गया।

पूर्व मध्य रेल

विविध वैद्युतिक कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक/विद्युत/पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:

ई–निविदा संख्या : TRD-OT-18-RMCI-CIC-26-27.

1. कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि : Re-setting of masts having critical implantation in CIC Section of Dhanbad Division (PH-II). कार्य समापन की अवधि – (18) अठारह माह। 2. कार्य के लिए प्राक्कलित राशि: ₹3,32,56,956.51/– निविदा प्रपत्र का मुल्य– शून्य/–, 3. बीड सिक्युरिटि : ₹6,65,100/–, 4. ई–निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समय : ई–निविदा बंद होने की तिथि 03.12.2026 को 11:00 बजे। ई–निविदा खुलने की तिथि 03.12.2026 को 11:30 बजे। 5. वेबसाईट का विवरण : वेबसाईट : www.ireps.gov.in ई निविदा के तहत मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

मंडल रेल प्रबंधक/क.वि./
पूमरे/धनबाद
पीआर/1334/डीएचएन/टीआरडी/टी/26–27/32

चार दिनों का आस्था का महापर्व छठ आज नहाय-खाय से होगा आरंभ

चार दिनों तक चलने वाले इस लोकआस्था के महापर्व में सूर्यदेव और छठी मैया की पूजा की जाती है

बिभा संवाददाता

बोकारो। छठ महापर्व की शुरूआत आज 13 नवंबर, शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ होगी। चार दिनों तक चलने वाले इस लोकआस्था के महापर्व में सूर्यदेव और छठी मैया की पूजा की जाती है. छठ व्रत में शुद्धता, पवित्रता और संयम का विशेष महत्व होता है. नहाय-खाय के दिन से ही व्रती कठिन नियमों का पालन शुरू कर देते हैं. इस दिन स्नान के बाद सात्विक भोजन ग्रहण किया जाता है. घर की साफ-सफाई से लेकर प्रसाद बनाने तक हर छोटी-बड़ी बात का ध्यान रखा जाता है.

नहाय-खाय का धार्मिक महत्व

छठ महापर्व की शुरूआत नहाय-खाय से होती है. इस दिन व्रती सुबह स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करते हैं और सूर्यदेव तथा छठी मैया का स्मरण करते हुए सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं. धार्मिक मान्यता है कि नहाय-खाय के साथ ही शरीर और मन को शुद्ध करके कठिन छठ व्रत के लिए तैयार किया जाता है.

इस दिन मुख्य रूप से कद्दू की सब्जी, चने की दाल और चावल बनाया जाता है. भोजन में लहसुन और प्याज का इस्तेमाल नहीं किया जाता. इसे व्रती प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं. इसके बाद खरना की तैयारी शुरू होती है.



नहाय-खाय के दिन इन बातों का रखें ध्यान

साफ-सफाईः पूजा स्थल, रसोई और प्रसाद बनाने की जगह की अच्छी तरह सफाई करें. छठ में स्वच्छता को विशेष महत्व दिया जाता है.

सात्विक भोजनः कद्दू की सब्जी, चने की दाल और चावल बनाएं. भोजन में लहसुन, प्याज और मांसाहारी चीजों का इस्तेमाल बिल्कुल न करें.

नमक का इस्तेमालः प्रसाद बनाते समय साधारण नमक की जगह सेंधा नमक का इस्तेमाल करने की परंपरा है.

बर्तनों की शुद्धताः प्रसाद बनाने के लिए साफ बर्तनों का इस्तेमाल करें. भोजन छूने से पहले हाथ अच्छी तरह धो लें.

शांत वातावरणः घर में भक्तिमय माहौल बनाए रखें और व्रती को अनावश्यक परेशानियों से दूर रखें.

नहाय-खाय के बाद शुरू होगी कठिन तपस्या

नहाय-खाय के अगले दिन यानी 14 नवंबर को खरना मनाया जाएगा. इस दिन व्रती सुबह से निर्जला उपवास रखते हैं और शाम को स्नान के बाद गुड़ की खीर, रोटी और चावल का पिठ्ठा प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं. खरना का प्रसाद शांत वातावरण में ग्रहण किया जाता है. इसके बाद व्रती लगभग 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू करते हैं, जिसका समापन 16 नवंबर को उषा अर्घ्य देने के बाद पारण से होता है.

छठ महापर्व 2026 का चार दिनों का कार्यक्रम

नहाय-खायः 13 नवंबर 2026, शुक्रवार झ स्नान के बाद व्रती कद्दू-भात, चने की दाल और लौकी की सात्विक सब्जी ग्रहण करेंगे.
खरनाः 14 नवंबर 2026, शनिवार झ व्रती पूरे दिन निर्जला उपवास रखेंगे और शाम को गुड़ की खीर का प्रसाद ग्रहण करेंगे.
संध्या अर्घ्यः 15 नवंबर 2026, रविवार झ व्रती अस्ताचलगामी सूर्यदेव को नदी, तालाब या जलाशय में खड़े होकर पहला अर्घ्य देंगे.
उषा अर्घ्यः 16 नवंबर 2026, सोमवार झ उगते सूर्यदेव को दूसरा अर्घ्य देने के बाद व्रती पारण करेंगे और छठ व्रत का समापन होगा.

नहाय-खाय के दिन कैसे कपड़े पहनें

छठ पूजा में व्रती के पहनावे को लेकर भी कई पारंपरिक मान्यताएं हैं. इस दिन साफ और धुले हुए कपड़े पहनने चाहिए. महिलाओं के लिए साड़ी और पुरुषों के लिए धोती पहनने की परंपरा प्रचलित है.
पीला रंगः शुभता और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है.
लाल रंगः ऊर्जा, सौभाग्य और शुभता से जोड़कर देखा जाता है.
नारंगी रंगः सूर्यदेव की उपासना से जुड़ा होने के कारण पसंद किया जाता है.
हरा रंगः प्रकृति और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है.
काला रंगः कई परिवारों में पूजा के दौरान काले कपड़े पहनने से परहेज किया जाता है. इन रंगों को लेकर अलग-अलग परिवारों में अलग परंपराएं हो सकती हैं.
धर्मशास्त्रों में सभी व्रतियों के लिए किसी विशेष रंग पर सार्वभौमिक प्रतिबंध का स्पष्ट उल्लेख नहीं है.

संक्षिप्त खबरें

करंट लगने से एक की मौत, परिवार का इकलौता सहारा छिना



बोकारो(बिभा)। चंदनकियारी प्रखंड के झालबड़दा पंचायत अंतर्गत कुमारडीह गांव में एक हादसे ने हंसते-खेलते परिवार को हमेशा के लिए उजाड़ दिया है। घर का बिजली बोर्ड ठीक कर रहे 33 वर्षीय संदीप कुमार मांझी की करंट लगने से असामयिक मौत हो गई है। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। मिली जानकारी के अनुसार, संदीप कुमार मांझी अपने घर पर ही बिजली का बोर्ड ठीक करने का काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक उन्हें तेज बिजली का झटका लगा, जिससे उनके शरीर का अधिकांश हिस्सा गंभीर रूप से झुलस गया। परिजनों ने बिना एक पल गंवाए उन्हें तुरंत तालगोड़िया मोड़ स्थित हिल कैंडी अस्पताल पहुंचाया। लेकिन स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बोकारो जनरल अस्पताल रेफर कर दिया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने तमाम कोशिशों के बावजूद संदीप को मृत घोषित कर दिया। संदीप कुमार मांझी अपने इस पूरे परिवार के भरण-पोषण करने वाले इकलौते कमाऊ सदस्य थे। उनकी अचानक हुई इस दर्दनाक मौत से परिवार के सिर से साया उठ गया है। घर में परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और इलाके में हर किसी की आंखें नम हैं। इस हृदयविदारक घटना के बाद स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता चंद्रशेखर माझी ने बोकारो के उपायुक्त को एक पत्र लिखा है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस शोकाकुल और बेसहारा परिवार को तुरंत आर्थिक सहायता और उचित सरकारी मुआवजा दिया जाए, ताकि इस मुश्किल वक्त में परिवार को कुछ संबल मिल सके। यह घटना एक बार फिर हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि जरा सी असावधानी कितनी भारी पड़ सकती है।

अवैध बालू परिवहन के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई, दो ट्रैक्टर जब्त



बोकारो(बिभा)। उपायुक्त बोकारो के निदेर्शानुसार जिले में अवैध खनिज परिवहन के विरुद्ध गुरुवार को छापेमारी अभियान चलाया गया। इस दौरान बालीडीह थाना क्षेत्र के बालीडीह विस्थापित कॉलेज के समीप मुख्य सड़क पर अवैध रूप से बालू का परिवहन करते हुए दो ट्रैक्टरों को पकड़ा गया। खनन विभाग की टीम ने दोनों ट्रैक्टरों को विधिवत जब्त कर आगे की कार्रवाई के लिए बालीडीह थाना को सुपुर्द कर दिया। छापेमारी अभियान में खान निरीक्षक अजय कुमार महतो, खान निरीक्षक सीताराम टुडू सहित पुलिस बल के जवान मौजूद थे। प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध बालू कारोबार में संलिप्त लोगों में हड़कंप मचा हुआ है।

ओएनजीसी के सहयोग से संवर रहे गोमिया के छठ घाट, व्रतियों को मिलेगी सहूलियत



गोमिया(बोकारो)(बिभा). छठ महापर्व को लेकर साडम पश्चिमी पंचायत में छठ घाटों की साफ-सफाई का काम तेज कर दिया गया है. पंचायत की मुखिया शोभा देवी के प्रयास और ओएनजीसी के सहयोग से साडम डैम किनारे सहित पंचायत के सभी छठ घाटों पर सफाई अभियान चलाया जा रहा है. घाटों को व्रतियों और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से युद्धस्तर पर काम किया जा रहा है. मुखिया शोभा देवी ने कहा कि छठ महापर्व आस्था और स्वच्छता का पर्व है. इसमें साफ-सफाई का विशेष महत्व है. व्रतियों को अर्घ्य देने के दौरान किसी तरह की परेशानी नहीं हो, इसके लिए सभी छठ घाटों को साफ-सुथरा कराया जा रहा है. उन्होंने बताया कि घाटों के अलावा वहां आने-जाने वाले रास्तों, सीढ़ियों और आसपास के क्षेत्रों की भी सफाई की जा रही है. प्रयास है कि छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं को स्वच्छ और व्यवस्थित वातावरण मिल सके. सफाई अभियान में पंचायत प्रतिनिधियों, छठ पूजा समिति के सदस्यों और स्थानीय लोगों की भी भागीदारी है. मौके पर पूर्व उपमुखिया विकास कुमार जैन, माले नेता सुरेंद्र प्रसाद यादव, छठ पूजा कमेटी के हरिदास प्रसाद, राम प्रसाद, रूपेश प्रसाद, मोहन प्रसाद, जलसहिया राधा देवी तथा वार्ड सदस्य सावित्री देवी, अंजली देवी, पुष्पांजलि देवी, रीता देवी और रूबी देवी सहित अन्य लोग उपस्थित थे.

सेल के मुख्य सतर्कता अधिकारी के साथ वरिष्ठ प्रबंधन की बैठक एवं निविदा-प्रबंध प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

बिभा संवाददाता

बोकारो। सेल में 17 अगस्त से 16 नवंबर 2026 तक संचालित तीन माह के विशेष निवारक सतर्कता अभियान के तहत दो महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।



निदेशक प्रभारी सम्मेलन कक्ष में सेल के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) श्री दिलीप कुमार के साथ संयंत्र के वरिष्ठ प्रबंधन (मुख्य महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष एवं उससे ऊपर स्तर के अधिकारियों) का एक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सीवीओ, सेल द्वारा उपस्थित सभी अधिकारियों को सामूहिक सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा दिलाकर किया गया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक तथा बीएसएल, कोलियरी प्रभाग, झारखंड ग्रुप ऑफ माइन्स (जेजीओएम) एवं एसआरयू के लगभग 60 मुख्य महाप्रबंधक व विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। संवाद सत्र के दौरान कार्यप्रणाली में निवारक सतर्कता को सुदृढ़ करने, पारदर्शिता एवं जवाबदेही को बढ़ावा देने इत्यादि पर विशेष बल दिया गया।

निविदा प्रक्रिया, खरीद एवं अनुबंध प्रबंधनर विषय पर एकअन्य कार्यक्रम मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र में आयोजित किया गया। सेल के मुख्य सतर्कता अधिकारी के परामर्श पर सीएमएमजी और कॉपोर्रेट सतर्कता द्वारा एमटीआई के सहयोग से तैयार इस कार्यक्रम में महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) ने मुख्य संकाय सदस्य के रूप में निविदा निष्पादन, प्रक्रियात्मक अनुपालन, पारदर्शिता और निष्पक्षता के प्रमुख सिद्धांतों पर विस्तृत प्रकाश डाला। इस संवादात्मक सत्र में खरीद और अनुबंध प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों ने भाग लिया तथा व्यावहारिक चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम में सेल के सीवीओ, कॉपोर्रेट और बीएसएल के सतर्कता अधिकारियों तथा मुख्य महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट्स) की उपस्थिति रही।

बरमसिया बाजार में चोरी की कोशिश कर रहा आरोपी गिरफ्तार, साथी फरार

बिभा संवाददाता



चंदनकियारी (बोकारो)। बरमसिया बाजार में चोरी की घटना को अंजाम देने के बाद हार्डवेयर दुकान में चोरी का प्रयास कर रहे एक आरोपी को पुलिस ने रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। वहीं, उसका दूसरा साथी पुलिस को चकमा देकर मौके से फरार हो गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के कामारपुकुर निवासी रोनित सिंह के रूप में हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार देर रात रोनित सिंह अपने एक साथी के साथ बरमसिया बाजार पहुंचा था। दोनों ने सबसे पहले एक गुमटी का ताला तोड़कर उसमें रखे करीब 1500 रुपये चोरी कर लिए। इसके बाद वे पास स्थित एक हार्डवेयर दुकान में चोरी की नीयत से घुसे। इसी दौरान रात्रि गश्ती कर रही बरमसिया पुलिस मौके पर पहुंच गई।

पुलिस को देखते ही दोनों आरोपी भागने लगे। हालांकि, पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए रोनित सिंह को पकड़ लिया, जबकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के पास से गुमटी से चोरी किए गए रुपये भी बरामद कर लिए। गुरुवार को पुलिस ने संबंधित मामले में प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। वहीं, फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

छठ महापर्व को लेकर महापौर, उपमहापौर एवं अपर नगर आयुक्त ने किया घाटों का निरीक्षण

बिभा संवाददाता



चास (बोकारो)। छठ महापर्व को शांतिपूर्ण, स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने को लेकर चास नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में गुरुवार को महापौर भोलू पासवान, उपमहापौर पूजा कुमारी एवं अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार ने संयुक्त रूप से निगम क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया।

नगर निगम की ओर से पिछले एक माह से सभी छठ घाटों पर युद्धस्तर पर साफ-सफाई एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान महापौर ने घाटों की स्वच्छता, ब्लीचिंग पाउडर के छिड़काव और अन्य बुनियादी सुविधाओं का जायजा लिया। जिन घाटों पर जलजमाव की समस्या पाई गई, वहां तत्काल पानी की निकासी कराकर स्टोन डस्ट बिछाने का निर्देश दिया गया, ताकि छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को आवागमन में परेशानी न हो।

अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार ने बताया कि संध्या एवं प्रातःकालीन अर्घ्य के दौरान घाटों पर नगर निगम के पदाधिकारियों और कर्मचारियों की विशेष ड्यूटी लगाई गई है। इसके अलावा सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए पुलिस पदाधिकारियों की भी प्रतिनियुक्ति की गई है। सभी कर्मी 24 घंटे मुस्तैद रहकर घाटों की व्यवस्था एवं निगरानी करेंगे, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

वहीं, उपमहापौर पूजा कुमारी ने बताया कि सभी छठ घाटों पर बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नगर निगम की ओर से सभी जरूरी इंतजाम किए जा रहे हैं।

नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया कि छठ व्रतियों की सेवा, सुरक्षा एवं सुविधा उसकी प्राथमिकता है। महापर्व को स्वच्छ, सुरक्षित एवं व्यवस्थित माहौल में संपन्न कराने के लिए निगम पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

अवैध कोयला खनन के खिलाफ सीआईएसफ और सीसीएल की बड़ी कार्रवाई, 8 रैट होल बंद

बिभा संवाददाता



बोकारो। बेरमो कोयलांचल क्षेत्र में अवैध कोयला खनन के खिलाफ सीआईएसएफ और सीसीएल प्रबंधन ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान ढोरी और बीएंडके क्षेत्र में अवैध खनन के लिए बनाए गए कुल आठ रैट होल को बंद कराया गया। इस कार्रवाई से अवैध कोयला कारोबार में संलिप्त लोगों के बीच हड़कंप मच गया है।

जानकारी के अनुसार, उक्त उच्च करगली के कमांडेंट राज प्रताप सिंह को गुप्त सूत्रों से सूचना मिली थी कि ढोरी क्षेत्र की अंगवाली बंद खदान तथा बीएंडके क्षेत्र के कारो फेस-क में पिलपिलो के सामने पहाड़ी पर असामाजिक तत्वों द्वारा अवैध रूप से कोयले का उत्खनन किया जा रहा है। इन गतिविधियों से न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा था, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों का अवैध दोहन होने के साथ स्थानीय लोगों की सुरक्षा और सीसीएल के राजस्व पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था।

सूचना मिलते ही सीआईएसएफ अधिकारियों ने मामले से सीसीएल ढोरी के महाप्रबंधक राजीव कुमार सिंह एवं बीएंडके के महाप्रबंधक संजय कुमार झा को अवगत कराया। इसके बाद दोनों क्षेत्रों के महाप्रबंधकों के निर्देश पर सीआईएसफ और सीसीएल प्रबंधन की संयुक्त टीम गठित कर अवैध खनन स्थलों पर अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान अंगवाली बंद खदान में बनाए गए तीन रैट होल तथा कारो फेस-क में पिलपिलो के सामने पहाड़ी पर संचालित पांच रैट होल को बंद कराया गया। इस तरह संयुक्त कार्रवाई में कुल आठ अवैध खनन स्थलों को बंद कर दिया गया। इस अभियान में सीआईएसएफ के सहायक कमांडेंट वर्पे सार्थक बाबाजी, केवीए श्रीधर, सुरेश सिंह, एएसओ पीएन सिंह, बीएंडके एरिया के एएसओ, क्यूआरटी टीम तथा सीसीएल गार्ड के इंचार्ज शिल चंद, जटलू महतो सहित अन्य सुरक्षाकर्मी मौजूद रहे।

सीआईएसफ अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कोयलांचल के खनन क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए सुरक्षा एजेंसियां और सीसीएल प्रबंधन लगातार सतर्क हैं। भविष्य में भी आपसी समन्वय के साथ इस तरह के अभियान जारी रहेंगे। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि अवैध कोयला कारोबार में संलिप्त लोगों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

46वीं एनटीपीसी जूनियर नेशनल तीरंदाजी चैंपियनशिप में वेदांता ईएसएल आर्चरी अकादमी के कुलदीप महतो ने जीता स्वर्ण और कांस्य पदक

बिभा संवाददाता



बोकारो : युवा खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, वेदांता ईएसएल आर्चरी अकादमी के प्रतिभाशाली तीरंदाज कुलदीप महतो ने 46वीं एनटीपीसी जूनियर नेशनल तीरंदाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया. राजस्थान के जयपुर में 21 से 28 अक्टूबर 2026 तक आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में कुलदीप ने व्यक्तिगत ओलंपिक राउंड स्पर्धा में स्वर्ण पदक और टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर बोकारो, झारखंड और अकादमी का गौरव बढ़ाया.

इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर रवीश शर्मा सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक, ईएसएल स्टील लिमिटेड ने कुलदीप को बधाई देते हुए कहा, ईएसएल में हमारा मानना है कि खेल न केवल युवाओं की प्रतिभा को निखारते हैं, बल्कि उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करते हैं. राष्ट्रीय स्तर पर कुलदीप महतो की यह शानदार उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है. वेदांता ईएसएल आर्चरी अकादमी के माध्यम से हमारा निरंतर प्रयास है कि स्थानीय प्रतिभाओं को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, बेहतर सुविधाएं और आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर मिलें, ताकि वे राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें. मैं कुलदीप और उनके कोच बुद्धेश्वर मुर्मू को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देता हूं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं.

कुलदीप की यह सफलता ईएसएल द्वारा जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने और ग्रामीण एवं स्थानीय क्षेत्रों की प्रतिभाओं को उचित अवसर उपलब्ध कराने के निरंतर प्रयासों का परिणाम है. वेदांता एरछ आर्चरी अकादमी के माध्यम से युवा तीरंदाजों को पेशेवर प्रशिक्षण, आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं, विशेष खेल उपकरण, पोषण संबंधी सहायता और राष्ट्रीय एवं अन्य प्रतिस्पर्धी मंचों पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर प्रदान किए जाते हैं.

कोच श्री बुद्धेश्वर मुर्मू के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे कुलदीप ने लगातार अपनी मेहनत, अनुशासन और खेल कौशल का परिचय दिया है. राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उनकी यह सफलता अकादमी की उस प्रतिबद्धता को दशार्ती है, जिसके तहत स्थानीय समुदायों से उभरती प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें बेहतर प्रशिक्षण और अवसरों के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया जा रहा है. ईएसएल स्टील लिमिटेड खेल, शिक्षा और सामुदायिक विकास के माध्यम से समग्र सामाजिक उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है. कंपनी का उद्देश्य जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित कर युवाओं के लिए राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता के नए अवसर तैयार करना है.

ईएसएल स्टील लिमिटेड कुलदीप महतो और उनके कोच बुद्धेश्वर मुर्मू को इस शानदार उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देता है तथा उनके उज्ज्वल भविष्य और निरंतर सफलता की कामना करता है.

फल दुकान मालिक और दुर्गा पूजा कमेटी ने सीसीटीवी के लिए राशि दी



बिभा संवाददाता

बोकारो। पुलिस अधीक्षक, बोकारो महोदय द्वारा आमजनों से की गई अपील के सकारात्मक परिणामस्वरूप सेक्टर-2/सी दुर्गा पूजा कमेटी एवं फल दुकान के मालिक पन्ने लाल चौरसिया द्वारा पुलिस उपाधीक्षक, नगर कार्यालय में पुलिस उपाधीक्षक, नगर एवं बी.एस. सिटी थाना प्रभारी की उपस्थिति में सेक्टर-2/सी, राम मंदिर चौक सहित नगर क्षेत्र के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर कुल 11 सीसीटीवी कैमरे अधिष्ठापित कराने हेतु सीसीटीवी इंस्टॉलेशन कंपनी को सहयोग राशि प्रदान की गई। बोकारो पुलिस इस सराहनीय पहल एवं सहयोग के लिए सेक्टर-2/सी दुर्गा पूजा कमेटी, कमेटी के अध्यक्ष संदीप कुमार सिंह एवं पन्ने लाल चौरसिया के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त की।

साथ ही, बोकारो पुलिस शहर के अन्य प्रबुद्ध नागरिकों, व्यवसायियों, सामाजिक संगठनों एवं विभिन्न संस्थानों से अपील करती है कि वे भी अपने-अपने क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे अधिष्ठापित कराने हेतु आगे आएं, ताकि शहर में सीसीटीवी कैमरा कवरेज का अधिकतम विस्तार सुनिश्चित किया जा सके। इससे अपराध की रोकथाम, अपराध नियंत्रण तथा आपराधिक घटनाओं के त्वरित उद्भेदन में पुलिस को महत्वपूर्ण सहायता प्राप्त हो सके।

शराब लदे ट्रक चालक की हत्या का खुलासा, चौपारण से दो आरोपी गिरफ्तार

देशी पिस्टल, कट्टा, 20 जिंदा कारतूस और 726 पेटी शराब बरामद, कुएं में फेंका था चालक का शव

बिभा संवाददाता



चौपारण: चौपारण थाना क्षेत्र में शराब लदे ट्रक चालक की हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त हथियार, गोली, शराब और वारदात में इस्तेमाल किए गए वाहनों को भी बरामद किया गया है।

पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 11 नवंबर 2026 को पुलिस अधीक्षक हजारीबाग को गुप्त सूचना मिली थी कि चौपारण-इटखोरी मुख्य सड़क पर शराब लदे ट्रक चालक की हत्या में शामिल अपराधी हथियार के साथ घूम रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए गठित छापेमारी दल ने तुपुदाना पुलिस के सहयोग से ग्राम महाराजगंज के पास वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान एक बेंगनार कार से दो आरोपियों को हथियार और गोलियों के साथ गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान चतरा जिले के इटखोरी थाना क्षेत्र के परसौनी गांव निवासी रणविजय सिंह (34 वर्ष), पिता शत्रुघ्न सिंह तथा चौपारण थाना क्षेत्र के देहर गांव निवासी विशाल कुमार सिंह (27 वर्ष), पिता स्वर्गीय गोपाल सिंह के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में अपने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर शराब लदे ट्रक चालक की हत्या करने की बात स्वीकार की है। आरोपियों ने बताया कि चालक की हत्या के बाद शव को कंबल, तार और पत्थर की सहायता से बांधकर चौपारण थाना क्षेत्र के देहर गांव स्थित कुएं में फेंक दिया गया था। मामले में आरोपियों की निशानदेही पर विभिन्न स्थानों से गायब शराब की बरामदगी भी की गई है। हत्या और शराब से संबंधित मामले में चौपारण थाना कांड संख्या 285/26 तथा तुपुदाना थाना कांड संख्या 286/26 दर्ज है।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक देशी पिस्टल, एक देशी कट्टा, 20 जिंदा कारतूस, दो मोबाइल फोन, एक वैगनआर कार, एक फॉर्च्यूनर और एक पिकअप वाहन बरामद किया है। इसके अलावा मैकडॉवेल्स और रॉयल चैलेंज ब्रांड की कुल 726 पेटी शराब जब्त की गई है।

इस कार्रवाई में बरही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राधा प्रेम किशोर, चौपारण थाना प्रभारी पंकज कुमार सहित चौपारण थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं जवान तथा सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस के अनुसार, मामले में संलिप्त अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व को लेकर निकली प्रथम प्रभात फेरी



बिभा संवाददाता

रामगढ़। सिख धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी महाराज के प्रकाश उत्सव के उपलक्ष्य में मंगलवार सुबह श्रद्धा और उल्लास के साथ प्रथम प्रभात फेरी निकाली गई। सुबह पांच बजे गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा से प्रारंभ हुई यह प्रभात फेरी किला मंदिर, लोहार टोला, पुराना बस स्टैंड, मेन रोड, बिजूलिया, मिलौनी क्लब और गोरियारी बागी होते हुए सरदार बलविंदर सिंह छाबड़ा के आवास पहुंची। वहां परिवार और स्थानीय लोगों द्वारा साध-संगत का भव्य स्वागत किया गया।

प्रभात फेरी की अगुवाई निशान साहिब के साथ जसकीरत सिंह सैनी कर रहे थे। इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रबंधन समिति की ओर से इंद्रजीत सिंह कालरा ने बलविंदर सिंह छाबड़ा को सिरोपा भेंट कर सम्मानित किया। पूरी यात्रा के दौरान साध-संगत ने रसुनी पुकार दातार प्रभ, गुरु नानक जग माहे पठाया... और मैं शोभा सुन के आया, ऊंचा दर बाबे नानक दा... जैसे मधुर शबद-कीर्तन का गायन किया, जिससे समूचा शहर भक्ति के रंग में सराबोर नजर आया।

गुरुद्वारा प्रबंधन समिति ने जानकारी दी कि अगली प्रभात फेरी बिजूलिया निवासी सरदार इंद्रजीत सिंह कालरा के आवास के लिए प्रस्थान करेगी।

प्रभात फेरी में रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब के प्रधान परमदीप सिंह कालरा, मीत प्रधान अमरजीत सिंह सैनी, हैप्पी छाबड़ा, सचिव हरदीप सिंह होरा, तेजेंद्र सिंह सोनी, जगजीत सिंह सोनी, मंजीत सिंह, विंकल कालरा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

एसबीएमसीएच में लेबर ओटी बंद रहने पर सांसद मीडिया प्रतिनिधि ने फिर उठाया सवाल, डीसी से हस्तक्षेप करने की मांग

हजारीबाग(बिभा) : शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। अस्पताल में प्रबंधकीय लापरवाही और चिकित्सकीय मनमानी के कारण जरूरतमंद मरीजों एवं उनके परिजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल के वर्तमान



अधीक्षक की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने उन्हें मूकदर्शक बने रहने का आरोप लगाया है। सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने बताया कि माननीय सांसद मनीष जायसवाल के निर्देश पर पूर्व में किए गए प्रयासों के बाद अस्पताल का लेबर रूम चालू कराया गया था लेकिन अब महिला चिकित्सकों द्वारा लेबर ओटी को बंद रखे जाने की जानकारी सामने आई है। इससे प्रसव के लिए पहुंचने वाली महिलाओं और उनके परिजनों की परेशानी बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि फिलहाल वह हजारीबाग से बाहर हैं। इसी बीच सदर विधानसभा क्षेत्र के कटकमदाग प्रखंड अंतर्गत ग्राम ओदरना के एक मरीज के परिजन ने उन्हें फोन कर लेबर ओटी बंद रहने की जानकारी दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने तत्काल हजारीबाग के उपायुक्त हेमंत सती से मोबाइल पर बात की और पूरे मामले में हस्तक्षेप करते हुए लेबर ओटी को अविलंब चालू कराने का आग्रह किया। इस पर उपायुक्त ने तत्काल आवश्यक पहल करते हुए लेबर ओटी चालू कराने का आश्वासन दिया।

बिरसा जयंती पर बीएयू में तीरंदाजी प्रतियोगिता में पंकज और प्रियंका प्रथम

रांची(बिभा)। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को लेकर बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) में



गुरुवार को विश्वविद्यालय मुख्यालय स्थित विभिन्न महाविद्यालयों के बीच तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्र और छात्रा वर्ग में कुल 51 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें 29 छात्र एवं 22 छात्राएं थीं। प्रतियोगिता के छात्र वर्ग में रांची एग्रीकल्चर कॉलेज के पंकज ने प्रथम, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग के बृजेन वर्मा ने द्वितीय एवं कृषि महाविद्यालय के अभय मेहता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, छात्रा वर्ग में आरएसी की प्रियंका पटेल ने प्रथम, कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय की साक्षी टोप्पो ने द्वितीय और कृषि महाविद्यालय की करिश्मा लकड़ा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर कृषि संकाय के डीन डॉ डीके शाही ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और मनोबल बढ़ाया। तीरंदाजी प्रतियोगिता आयोजन डॉ नीरज कुमार और डॉ मनोज बरनवाल के नेतृत्व में किया गया। आयोजन समिति में डॉ वंदना चौबे और खेल प्रशिक्षक खुशमिता धन की सक्रिय सहभागिता रही। आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना सुदृढ़ करती हैं।

खूंटी खेल महोत्सव-2026 का शुभारंभ, आठ खेलों में दमखम दिखाएंगे खिलाड़ी

खूंटी(बिभा)। झारखंड स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को बिरसा मुंडा हॉकी एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में जिला स्तरीय खूंटी खेल महोत्सव-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। उपायुक्त मो. जावेद हुसैन ने दीप प्रज्वलित कर महोत्सव का उद्घाटन किया। मौके पर उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश और अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय के बच्चों ने नागपुरी गीत प्रस्तुत किया। वहीं स्थानीय कलाकारों ने मुंडारी गीत और पारंपरिक नृत्य के माध्यम से झारखंड की लोककला एवं जनजातीय संस्कृति की छटा बिखेरी। जिला खेल पदाधिकारी राजेश चौधरी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए महोत्सव के उद्देश्यों और आयोजन की जानकारी दी। मौके पर उपायुक्त मो. जावेद हुसैन ने कहा कि खूंटी जिले में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। जरूरत है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाओं को उचित मंच, मार्गदर्शन और संसाधन उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि खेल महोत्सव का उद्देश्य केवल प्रतियोगिताएं आयोजित करना नहीं, बल्कि जिले में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और प्रतिभावान खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देना है। खेल से शारीरिक और मानसिक विकास के साथ अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता भी विकसित होती है। इसके बाद उपायुक्त सहित अन्य अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और गुब्बारे छोड़कर महोत्सव का विधिवत शुभारंभ किया। 12 से 14 नवंबर तक चलने वाले इस महोत्सव में एथलेटिक्स, हॉकी, फुटबॉल, तीरंदाजी, शूटिंग, खो-खो, कबड्डी और बैडमिंटन सहित आठ खेल विधाओं की प्रतियोगिताएं होंगी। इसमें विद्यालय एवं प्रखंड स्तर पर चयनित खिलाड़ी जिला स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिताएं बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम और हॉकी एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में आयोजित की जा रही हैं।

नगर आयुक्त की कार्यशैली के विरोध में हजारीबाग प्रेस क्लब ने मुख्यमंत्री के नाम डीडीसी को सौंपा ज्ञापन

बिभा संवाददाता



हजारीबाग। नगर आयुक्त की कार्यशैली और पत्रकारों के साथ कथित दुर्व्यवहार के विरोध में हजारीबाग प्रेस क्लब के तत्वावधान में गुरुवार को पुराने समाहरणालय के समक्ष धरना स्थल पर एकदिवसीय विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। धरना के माध्यम से पत्रकारों ने अपने सम्मान, स्वतंत्रता और प्रेस की गरिमा की आवाज बुलंद की। कार्यक्रम को स्थानीय जनप्रतिनिधियों, विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और प्रबुद्धजनों का व्यापक समर्थन मिला। वक्ताओं ने पूरे घटनाक्रम की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए नगर आयुक्त के विरुद्ध कार्रवाई की मांग उठाई।

धरना की अध्यक्षता हजारीबाग प्रेस क्लब के संरक्षक कृष्णा गुप्ता ने की, जबकि संचालन सचिव दीपक सिंह ने किया। धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ पत्रकार विकास सिंह ने किया। धरना को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि लोकतंत्र में सवाल पूछना पत्रकारों का अधिकार है। सरकारी अधिकारियों का प्रेस क्लब पहुंचकर कागजात मांगना और पत्रकारों के साथ कथित दुर्व्यवहार करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। पूर्व विधायक अकेला यादव ने कहा कि पत्रकार समाज और शासन के बीच मजबूत कड़ी हैं। उनकी आवाज दबाने या उन्हें डराने का प्रयास लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं है। महापौर अरविंद राणा ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ हैं और जनहित के मुद्दों को सामने लाना उनकी जिम्मेदारी है। पत्रकारों के साथ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार उचित नहीं है। पूरे मामले में सभी पक्षों की बात सुनकर निष्पक्षता के साथ उचित कार्रवाई होनी चाहिए। झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन (जेजेए) के संस्थापक शाहनवाज हसन ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। पत्रकारों का दायित्व जनता की आवाज उठाना और सरकारी व्यवस्था से सवाल करना है। यदि किसी खबर से किसी अधिकारी को आपत्ति है तो उसे तथ्यों के साथ जवाब देना चाहिए, न कि पत्रकारों के बीच पहुंचकर प्रेस क्लब के दस्तावेज मांगने चाहिए। जिला परिषद अध्यक्ष उमेश प्रसाद मेहता ने कहा कि पत्रकार समाज की समस्याओं को प्रशासन और सरकार तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उनके सम्मान और अधिकारों की रक्षा होनी चाहिए। प्रेस क्लब पहुंचकर दस्तावेज मांगने और पत्रकारों के साथ हुए कथित व्यवहार की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

धरना-प्रदर्शन के समापन के बाद हजारीबाग प्रेस क्लब के प्रतिनिधियों ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नाम हजारीबाग डीडीसी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से पूरे घटनाक्रम से मुख्यमंत्री को अवगत कराते हुए पत्रकारों के साथ कथित दुर्व्यवहार की निष्पक्ष जांच कराने, जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई करने तथा पत्रकारों के सम्मान और प्रेस की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने की मांग की गई।

धालभूमगढ़ एयरपोर्ट के लिए सरकार के वन भूमि हस्तांतरण की अनुशंसा पर चेंबर ने जताई खुशी

बिभा संवाददाता

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने धालभूमगढ़ एयरपोर्ट के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति का स्वागत किया है। एयरपोर्ट के लिए 99.256 हेक्टेयर वन भूमि हस्तांतरण के प्रस्ताव पर रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ओर से सशर्त अनुशंसा करने का झारखंड चेंबर ने स्वागत योग्य कदम बताया।

इस संबंध में चेंबर के अध्यक्ष तुलसी पटेल ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इस महत्वपूर्ण पहल के लिए केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव और मंत्रालय के प्रति आभार जताया।

चेंबर अध्यक्ष ने कहा कि कोल्हान क्षेत्र के व्यवसायियों और उद्यमियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को देखते हुए झारखंड चेंबर की ओर से द्वारा लगातार धालभूमगढ़ एयरपोर्ट के निर्माण का मुद्दा संबंधित प्राधिकार और सरकार के समक्ष उठाया जाता रहा है। जमशेदपुर सहित संपूर्ण कोल्हान क्षेत्र औद्योगिक और खनिज संपदा की दृष्टि से देश के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में शामिल है। ऐसे क्षेत्र में बेहतर हवाई कनेक्टिविटी निवेश आकर्षित करने, उद्योगों और एमएसएमई के विस्तार, व्यापारिक गतिविधियों को गति देने एवं रोजगार के नए अवसर सृजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। धालभूमगढ़ एयरपोर्ट का निर्माण झारखंड के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों के लिए भी आर्थिक और व्यावसायिक दृष्टि से लाभकारी साबित होगा। वहीं चेंबर के महासचिव रोहित अग्रवाल ने कहा कि यह परियोजना लंबे समय से क्षेत्र की व्यावसायिक एवं औद्योगिक जरूरत रही है। इसकी जल्द स्वीकृति से कोल्हान सहित पूरे झारखंड के आर्थिक विकास को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने आग्रह किया कि प्रस्ताव के मंत्रालय के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय पहुंचने के बाद वन स्वीकृति की अंतिम प्रक्रिया में तेजी लाई जाए, ताकि धालभूमगढ़ एयरपोर्ट के निर्माण का मार्ग शीघ्र प्रशस्त हो सके।

छठ घाटों की स्वच्छता के लिए पुलिसकर्मियों ने संभाली कमान, झील परिसर में किया श्रमदान



बिभा संवाददाता

हजारीबाग : लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर हजारीबाग में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। शहर के विभिन्न छठ घाटों पर साफ-सफाई और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का कार्य लगातार किया जा रहा है। इसी क्रम में हजारीबाग पुलिस की ओर से झील परिसर में विशेष श्रमदान एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में पुलिस विभाग के पदाधिकारियों और जवानों ने सामूहिक रूप से हिस्सा लेकर स्वच्छता का संदेश दिया।

अभियान के दौरान पुलिसकर्मियों ने झील परिसर एवं छठ घाट के आसपास फैली गंदगी की सफाई की। जवानों ने स्वयं श्रमदान करते हुए घाटों और आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ बनाने में योगदान दिया। पुलिसकर्मियों ने सफाई अभियान के माध्यम से यह संदेश दिया कि छठ महापर्व केवल आस्था और उपासना का पर्व ही नहीं, बल्कि स्वच्छता, अनुशासन और सामूहिक सहभागिता का भी प्रतीक है। छठ के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं छठव्रती झील परिसर पहुंचते हैं। ऐसे में घाटों की स्वच्छता और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुलिस विभाग ने इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाई। पुलिसकर्मियों के इस सामूहिक प्रयास से छठ घाटों को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने में सहयोग मिला। हजारीबाग पुलिस की इस पहल को पर्व की तैयारियों में जनसहभागिता और सामाजिक जिम्मेदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

महापर्व छठ पर 301 व्रतियों के बीच 11 रुपये में बांटी गई पूजन सामग्री

बिभा संवाददाता



हजारीबाग : लोक आस्था और सूर्योपासना के महापर्व छठ के अवसर पर सेवा और समर्पण की भावना के साथ हजारीबाग यूथ विंग की ओर से सराहनीय पहल की गई। संस्था की ओर से केबी सहाय मार्ग स्थित खजांची तालाब के समीप छठव्रतियों के बीच छठ पूजा सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान 301 छठव्रतियों के बीच मात्र 11 रुपये में सुप, नारियल सहित 21 प्रकार की आवश्यक पूजन सामग्री का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक अमन कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने स्वयं अपने हाथों से छठव्रतियों के बीच पूजन सामग्री का वितरण किया और महापर्व छठ की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने संस्था की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पर्व-त्योहार के अवसर पर जरूरतमंदों की सेवा करना और उनकी खुशियों में सहभागी बनना समाज के लिए प्रेरणादायक कार्य है।

इस अवसर पर हजारीबाग नगर निगम के उपमहापौर अविनाश कुमार यादव भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने भी संस्था के सेवा कार्य की प्रशंसा की और कहा कि इस तरह के आयोजन से सामाजिक एकजुटता और सहयोग की भावना मजबूत होती है। हजारीबाग यूथ विंग की इस पहल का उद्देश्य छठ महापर्व के अवसर पर व्रतियों को कम कीमत पर आवश्यक पूजन सामग्री उपलब्ध कराना है, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को भी पूजा की तैयारियों में सहूलियत मिल सके। मात्र 11 रुपये में 21 प्रकार की पूजन सामग्री उपलब्ध कराना संस्था की सेवा भावना और सामाजिक जिम्मेदारी को दर्शाता है। कार्यक्रम के दौरान छठव्रतियों में खासा उत्साह देखने को मिला। पूजन सामग्री प्राप्त करने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। संस्था के सदस्यों ने पूरे उत्साह और सेवाभाव के साथ वितरण कार्य को संपन्न कराया।

विदेशी परिसंपत्तियों के स्वैच्छिक प्रकटीकरण के लिए रांची में 'फास्ट-डीएस 2026' जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बिभा संवाददाता



रांची। केंद्र सरकार द्वारा लाई गई 'फॉरेन एसेट्स ऑफ स्मॉल टैक्सपेयर्स डिस्क्लोजर स्कीम 2026' (फास्ट-डीएस 2026) के प्रति करदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से गुरुवार को मेन रोड स्थित केंद्रीय राजस्व भवन के कॉन्फ्रेंस रूम में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। रीजनल कमेटी ऑन फास्ट-डीएस स्कीम 2026 (कार्यालय प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, बिहार एवं झारखंड) के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में करदाता, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, कर सलाहकार, व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान आयकर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि यह योजना विशेष रूप से उन छोटे करदाताओं के लिए लाई गई है, जिनकी अघोषित विदेशी परिसंपत्तियां, बैंक खाते या विदेशों से प्राप्त आय अनजाने में या जानकारी के अभाव में घोषित नहीं हो पाई हैं। निर्धारित अवधि 16 अगस्त से 31 दिसंबर 2026 तक स्वेच्छा से जानकारी देने पर करदाताओं को सरल, पारदर्शी और कम बोझ वाली प्रक्रिया का लाभ मिलेगा, जिससे वे भविष्य में किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई से बच सकेंगे।

प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अधिकारियों ने योजना की पात्रता, आवेदन की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज तथा कर और अन्य देयताओं की गणना के बारे में विस्तार से समझाया। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि निर्धारित समय-सीमा में घोषणा नहीं करने पर काला धन अधिनियम और आयकर अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई हो सकती है।

वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि विभाग का उद्देश्य करदाताओं को दंडित करना नहीं, बल्कि उन्हें नियमों के अनुपालन का सहज अवसर देना है। कार्यक्रम के अंत में आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र में करदाताओं और सलाहकारों की जिज्ञासाओं व भ्रांतियों का समाधान किया गया। विभाग ने सभी पात्र करदाताओं से 31 दिसंबर 2026 से पूर्व इस योजना का लाभ उठाकर राष्ट्र निर्माण में सहयोग करने की अपील की है।

पन्नू प्रकरण में समन से संप्रभुता तक उठे गंभीर सवाल

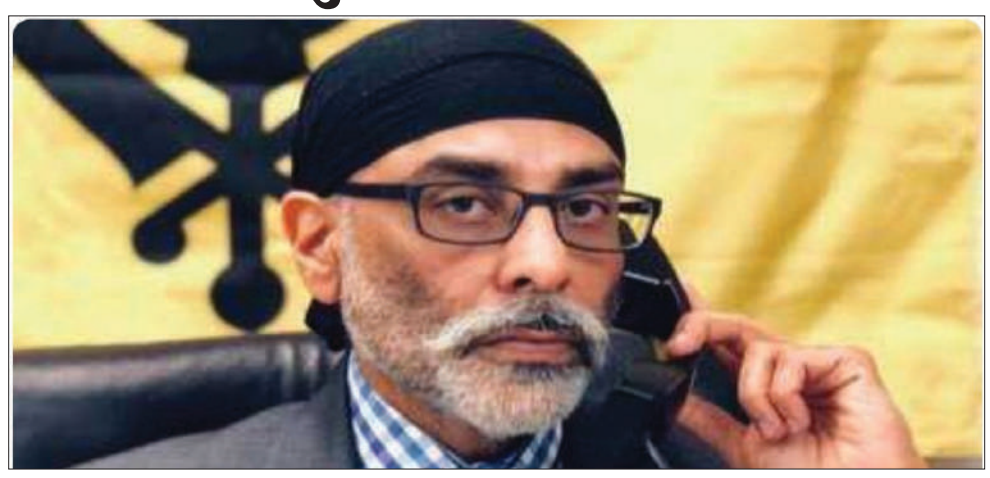


ललित गर्ग

'अमेरिका के लिए संदेश सीधा है-भारत मित्रता चाहता है, लेकिन अपनी संप्रभुता की कीमत पर नहीं; सहयोग चाहता है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करके नहीं; और कूटनीतिक सम्मान देता है, तो बदले में समान सम्मान की अपेक्षा भी रखता है।'' पन्नू जैसे तत्वों के आरोपों को भारत-अमेरिका संबंधों की दिशा निर्धारित करने का अवसर देना दोनों देशों के दीर्घकालीन हित में नहीं होगा।

अमेरिकी अदालत द्वारा खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के दीवानी मुकदमे के सिलसिले में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, रॉ के पूर्व प्रमुख सामंत गोयल तथा अन्य भारतीय अधिकारियों को समन जारी करने की प्रक्रिया ने भारत-अमेरिका संबंधों के सामने एक गंभीर कूटनीतिक और कानूनी प्रश्न खड़ा कर दिया है। यह मामला केवल किसी व्यक्ति के आरोपों या अदालत की सामान्य कार्यवाही तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके केंद्र में भारत की संप्रभुता, राष्ट्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय न्यायिक प्रक्रियाओं के सम्मान का प्रश्न भी है। पहले यह स्पष्ट करना जरूरी है कि ''किसी अदालत द्वारा समन जारी किया जाना आरोपों के सही होने या किसी व्यक्ति के दोषी होने का प्रमाण नहीं होता।'' अमेरिकी न्यायालय में पन्नू द्वारा दायर मुकदमे में लगाए गए आरोपों को भारत सरकार पहले ही खारिज कर चुकी है। इसलिए इस पूरे घटनाक्रम को अंतिम न्यायिक निष्कर्ष के रूप में देखना उचित नहीं होगा। असली प्रश्न यह है कि इस मामले को आगे बढ़ाने में अपनाई गई प्रक्रिया और उसके संभावित कूटनीतिक प्रभाव क्या हैं।

पन्नू लंबे समय से भारत विरोधी गतिविधियों के लिए चर्चा में रहा है। भारत ने उसे गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत आतंकवादी घोषित किया है और उसके संगठन सिख फॉर जस्टिस पर प्रतिबंध लगा रखा है। ऐसे व्यक्ति द्वारा भारत के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों के विरुद्ध अमेरिकी अदालत में दीवानी मुकदमा दायर करना स्वाभाविक रूप से भारत के लिए संवेदनशील विषय है। भारत की चिंता केवल आरोपों तक सीमित नहीं है; चिंता यह भी है कि विदेश में बैठा कोई भारत-विरोधी तत्व किसी विदेशी न्यायिक व्यवस्था को भारत के विरुद्ध राजनीतिक दबाव के माध्यम के रूप में इस्तेमाल न कर सके। यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना होगाकृ''अमेरिकी न्यायपालिका की स्वतंत्रता और अमेरिकी सरकार की विदेश नीति एक ही बात नहीं हैं।'' यदि किसी व्यक्ति को अमेरिकी कानून के तहत मुकदमा दायर करने का अधिकार है, तो अदालत उस पर विचार कर सकती है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं निकाला जा सकता कि अमेरिकी सरकार उन आरोपों से सहमत है। इसी प्रकार



अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा किसी न्यायिक दस्तावेज को राजनयिक माध्यम से भारतीय दूतावास तक पहुंचाना अपने आप में आरोपों की पुष्टि नहीं करता। वह कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है।

फिर भी भारत की आपत्ति का महत्व कम नहीं होता। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में ''कानूनी प्रक्रिया और राजनयिक मर्यादा दोनों साथ-साथ चलती हैं।'' किसी विदेशी सरकार या उसके वरिष्ठ अधिकारियों को न्यायिक दस्तावेज तामील कराने के लिए निर्धारित अंतरराष्ट्रीय प्रक्रियाओं का पालन आवश्यक है। भारत का यह कहना उचित है कि विदेशी न्यायिक दस्तावेजों की तामील के लिए निर्धारित भारतीय केंद्रीय प्राधिकरण और विधिक प्रक्रिया का सम्मान किया जाना चाहिए। यदि इस प्रक्रिया को दरकिनार करने की कोशिश होती है, तो वह केवल तकनीकी भूल नहीं रह जाती, बल्कि संप्रभुता और पारस्परिक सम्मान का प्रश्न बन जाती है। इस पूरे विवाद का दूसरा बड़ा पहलू राष्ट्रीय सुरक्षा है। अजीत डोभाल भारत की सुरक्षा नीति के अत्यंत महत्वपूर्ण अधिकारी हैं। किसी विदेशी अदालत में उनके विरुद्ध व्यक्तिगत रूप से लगाए गए आरोपों को केवल सामान्य दीवानी विवाद मानना भारत के लिए कठिन होगा। सुरक्षा से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के कामकाज और निर्णय अनेक बार गोपनीय सूचनाओं तथा राष्ट्रीय हितों से जुड़े होते हैं। इसलिए ऐसे मामलों में भारत को कानूनी जवाब देने के साथ-साथ सुरक्षा संबंधी संवेदनशीलताओं की भी रक्षा करनी होगी।

हालांकि भारत को इस मामले में भावनात्मक प्रतिक्रिया से बचना चाहिए। ''दृढ़ता और आक्रामकता में अंतर है।'' भारत की शक्ति उसकी संस्थागत स्थिरता, संवैधानिक व्यवस्था और कूटनीतिक संयम में भी दिखाई देती है। इसलिए उचित रास्ता यही होगा कि भारत अमेरिकी न्यायालय के समक्ष क्षेत्राधिकार, संप्रभु प्रतिरक्षा और अन्य लागू कानूनी आधारों पर अपना पक्ष मजबूती से रखे तथा साथ ही अमेरिकी प्रशासन के साथ स्पष्ट राजनयिक संवाद जारी रखे। यह घटनाक्रम कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से जुड़े विवाद की याद भी दिलाता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में सक्रिय भारत-विरोधी अलगाववादी समूहों ने वहां की लोकतांत्रिक स्वतंत्रताओं और अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकारों का उपयोग भारत विरोधी प्रचार के लिए किया है। लोकतांत्रिक देशों को अपने नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए, लेकिन 'लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का अर्थ किसी दूसरे देश की संप्रभुता और सुरक्षा चिंताओं की अनदेखी करना नहीं हो सकता।' भारत-अमेरिका संबंध आज रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार, हिंद-प्रशांत रणनीति और वैश्विक सुरक्षा जैसे अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में पन्नू प्रकरण को दोनों देशों के व्यापक संबंधों पर हावी होने देना किसी के हित में नहीं होगा। व्यापार और टैरिफ को लेकर पहले से मतभेद हैं; यदि उनके ऊपर इस प्रकार के संवेदनशील न्यायिक और आतंकवाद संबंधी विवाद भी लगातार जुड़ते रहे, तो संबंधों में अनावश्यक तनाव बढ़ सकता है। अमेरिका को यह समझना होगा कि ''भारत कोई ऐसा देश नहीं है जिसे दबाव की भाषा से अपनी नीतियां बदलने के लिए विवश किया जा सके।'' भारत आतंकवाद और अलगाववाद के प्रश्न पर अपने राष्ट्रीय हितों के साथ समझौता नहीं करेगा। साथ ही भारत को भी यह संदेश देना चाहिए कि वह अमेरिकी न्यायपालिका की स्वतंत्रता का सम्मान करता है, लेकिन अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और कानूनी प्रक्रियाओं के सम्मान पर कोई समझौता स्वीकार नहीं करेगा। अमेरिका के लिए भी यह आत्ममंथन का अवसर है। यदि वह भारत को अपना रणनीतिक साझेदार मानता है, तो उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि उसकी धरती का इस्तेमाल भारत विरोधी आतंकवादी या अलगाववादी गतिविधियों के लिए न हो। आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक सहयोग तभी प्रभावी हो सकता है, जब आतंकवाद की परिभाषा राजनीतिक सुविधा के अनुसार न बदली जाए। पन्नू प्रकरण का समाधान अदालतों और कूटनीतिकृदोनों स्तरों पर तलाशना होगा। भारत को न तो अनावश्यक रूप से उत्तेजित होने की जरूरत है और न ही किसी दबाव में आने की। उसे अपने कानूनी अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए स्पष्ट, दृढ़ और मर्यादित रुख अपनाना चाहिए।

'अमेरिका के लिए संदेश सीधा है-भारत मित्रता चाहता है, लेकिन अपनी संप्रभुता की कीमत पर नहीं; सहयोग चाहता है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करके नहीं; और कूटनीतिक सम्मान देता है, तो बदले में समान सम्मान की अपेक्षा भी रखता है।'' पन्नू जैसे तत्वों के आरोपों को भारत-अमेरिका संबंधों की दिशा निर्धारित करने का अवसर देना दोनों देशों के दीर्घकालीन हित में नहीं होगा। समय आ गया है कि वाशिंगटन कानून की प्रक्रिया और राजनीति के बीच की महीन रेखा को समझे तथा भारत की संवेदनशीलता और संप्रभु अधिकारों का पूरा सम्मान करे।

संपादकीय

गर्म होती दुनिया

आज पूरी दुनिया ग्लोबल वार्मिंग के गंभीर प्रभावों का त्रास झेल रही है। अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखा और चक्रवात के बढ़ते क्रम हमारे समय का यथार्थ हैं। यह साल लगातार गर्म साबित हो रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ताजा रिपोर्ट के अनुसार साल 2026 उपलब्ध मौसम इतिहास के सबसे चार गर्म वर्षों में शुमार है। इस साल सितंबर तक का वैश्विक औसत तापमान पूर्व औद्योगिक काल के मुकाबले 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज हुआ है। इस अप्रत्याशित तापमान वृद्धि की वजह 'अलनीनो' असर कहा जा रहा है, जिसके दिसंबर तक चरम पर पहुंचने की आशंका है। निस्संदेह दुनिया में अनियंत्रित विकास ने भी तापमान बढ़ाया है, जो मौसम में आने वाले अप्रत्याशित बदलावों का अहम कारक है। अमेरिका समेत तमाम विकसित देशों ने विकास के लक्ष्यों हेतु पर्यावरण के प्रश्न को नजरअंदाज किया है। इंसानी लालच व मुनाफाखोरी के औद्योगिक विकास ने अंधाधुंध कार्बन उत्सर्जन करके ग्लोबल वार्मिंग प्रभावों को बढ़ाया है। लेकिन ग्लोबल वार्मिंग प्रभावों से उपजी त्रासदी झेल रहे ग्लोबल साउथ के देशों के प्रति अपनी जिम्मेदारी से विकसित देश विमुख हो जाते हैं। इसका सारा बोझ आखिरकार विकासशील व गरीब मुल्कों पर पड़ जाता है। ऐसे विषम हालात में तुर्किये में चल रहे संयुक्त राष्ट्र के जलवायु शिखर सम्मेलन में उम्मीद की किसी भी किरण पर संदेह के बादल छाए हुए हैं। वैश्विक भू-राजनीतिक हालात संभावना को मुश्किल बना रहे हैं। दुनिया में कई युद्धों और अमेरिका की पर्यावरण संरक्षण नीतियों से विमुखता के चलते सम्मेलन से सार्थक नतीजों की उम्मीद कम ही है। हालांकि, अलनीनो मौसम प्रणाली का असर अभी चरम पर पहुंचना बाकी है, लेकिन नेपाल की भयावह त्रासदी ने आसन्न संकट का चित्र उकेर दिया है। निस्संदेह, 'कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज' यानी सीओपी-31 की अपनी कुछ सीमाएं हैं, जिसमें जलवायु संरक्षण संबंधी बहुपक्षीय सहयोग की कमी और परस्पर विरोधी लक्ष्य शामिल हैं। ऐसे में मानवता को ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभावों से बचाने की दिशा में एक ईमानदार पहल की जरूरत है।

यह हकीकत है कि वर्ष 1850 में वैश्विक तापमान का रिकॉर्ड रखे जाने की शुरुआत के बाद से पिछले 12 साल सबसे गर्म वर्षों में शामिल रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम ने चिंता जतायी है कि ग्यारह साल पहले हुए पेरिस समझौते का यह लक्ष्य कि वैश्विक तापमान में वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखा जाए, अब हासिल न होगा। तभी 'कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज' जैसे सम्मेलनों की सार्थकता को लेकर आलोचना होती है। विश्व समुदाय का निराश होना स्वाभाविक है क्योंकि पिछले दशकों में इस दिशा में बहुत कम प्रगति हुई है। तमाम सरकारें इस मुद्दे पर उदासीन नजर आती हैं। लेकिन इसके बावजूद बढ़ते तापमान और ग्रीनहाउस गैसों के भारी उत्सर्जन से निपटने के लिये ऐसे आयोजनों के जरिये गंभीर चर्चा करने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं है। ग्लोबल साउथ के देशों के लिये बेहद जरूरी है कि वे अपने अलग-अलग और जटिल हितों के बीच उन उपायों को लागू करें, जिनको लेकर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। साथ ही जीवाश्म ईंधन के स्थान पर नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ने में आने वाली लागत को भी रेखांकित करें। तुर्किये में सीओपी-31 ऐसे समय में हो रहा है जब दिल्ली व अन्य कई शहर प्रदूषण के भयावह दौर से गुजर रहे हैं। समाधान बेअसर हैं और लोगों की सांसें घुट रही हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस वायु प्रदूषण को कोविड महामारी की तरह 'जन-स्वास्थ्य आपातकाल' घोषित किया जाए। वैश्विक पर्यावरण संकट के मद्देनजर यही बात तुर्किये शिखर सम्मेलन के संदर्भ में भी बिल्कुल सटीक बैठती है। लेकिन विडंबना यह है कि संपन्न और विकसित देश जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभावों को लेकर फिक्र का जिक्र तो करते हैं, लेकिन इस संकट के समाधान का हिस्सा नहीं बनना चाहते।

चिंतन-मनन

मनोबल कम न हो

जीवन की जितनी अनिवार्य आवश्यकताएं हैं, वे वास्तविक समस्याएं हैं। कुछ समस्याएं हमारी काल्पनिक भी हैं। काल्पनिक समस्याएं भी कम भयंकर नहीं होती। वास्तविक समस्याएं बहुत थोड़ी हैं, गिनी-चुनी। किन्तु काल्पनिक समस्याओं का कहीं अंत नहीं है। इतनी जटिल समस्याएं जो प्रतिदिन हमारे सामने उभरती हैं। किस प्रकार काल्पनिक समस्याएं मनुष्य को सताती हैं, इसका एक उदाहरण है-

दो यात्री आमने-सामने ट्रेन में बैठे थे। ट्रेन में लड़ाई हो गई। लड़ाई का कारण, एक समस्या। समस्या काल्पनिक, केवल काल्पनिक। एक कहता है मुझे ठंड लग रही है और दूसरा कहता है मुझे गर्मी लग रही है। एक उठता है, खिड़की को बंद कर देता है। दूसरा उठता है खिड़की को खोल देता है। टी.टी. आया, यह अभिनय देखा और बोला, क्या तमाशा हो रहा है रेल में! चलती गाड़ी में क्या खेल खेला जा रहा है! एक ने कहा, हवा बहुत तेज चल रही है, मुझे ठंड लग रही है। दूसरा कहता है, खिड़की बन्द हो जाती है, मुझे बहुत गर्मी लग रही है, परेशान हो रहा हूं। टी.टी. गया खिड़की के पास और जाकर देखा तो खिड़की का प्रेम तो है, लेकिन शीशा है ही नहीं। अब कैसे हवा लग रही है और कैसे गर्मी लग रही है? मात्र काल्पनिक समस्या।

घटती प्रजनन दर और बदलती जनसंख्या नीति



डॉ. सत्यवान सौरभ

जनसंख्या नियंत्रण नहीं, मानव विकास और भविष्य की तैयारी है समय की मांग

भारत की जनसंख्या लंबे समय तक सार्वजनिक नीतियों, राजनीतिक विमर्श और आर्थिक नियोजन का प्रमुख विषय रही है। बढ़ती आबादी को संसाधनों पर दबाव, बेरोजगारी, गरीबी और पर्यावरणीय संकट का कारण मानते हुए जनसंख्या नियंत्रण की मांग समय-समय पर उठती रही है। किंतु आज भारत एक ऐसे जनसांख्यिकीय परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जहां बढ़ती जनसंख्या के बजाय घटती प्रजनन दर, वृद्ध होती आबादी और क्षेत्रीय असमानताएं नई चुनौतियों के रूप में सामने आ रही हैं। ऐसे में जनसंख्या नियंत्रण कानूनों की आवश्यकता पर पुनर्विचार करना समय की मांग है। भारत की कुल प्रजनन दर अर्थात टोटल फर्टिलिटी रेट (टीएफआर) लगभग 1.9 तक पहुंच चुकी है, जो जनसंख्या के स्थिर प्रतिस्थापन स्तर 2.1 से कम है। इसका अर्थ है कि औसतन एक महिला अपने जीवनकाल में इतनी संतानों को जन्म नहीं दे रही, जिससे अगली पीढ़ी में जनसंख्या का स्वाभाविक प्रतिस्थापन हो सके। हालांकि भारत की कुल आबादी अभी बढ़ रही है, लेकिन इसके पीछे बड़ी युवा आबादी और जनसंख्या की संरचनात्मक गति का योगदान है।

भविष्य में प्रजनन दर में लगातार गिरावट जनसंख्या वृद्धि की गति को धीमा कर सकती है और अंततः आबादी के स्थिर होने अथवा घटने की स्थिति पैदा कर सकती है। प्रजनन दर में गिरावट कोई अचानक घटित घटना नहीं है। शिक्षा का विस्तार, महिलाओं की सामाजिक स्थिति में सुधार, गर्भनिरोधक साधनों की उपलब्धता, शहरीकरण, विवाह की बढ़ती उम्र और परिवार के आकार के प्रति बदलती प्राथमिकताएं इसके प्रमुख कारण हैं। आज अधिकांश परिवार बच्चों की संख्या के बजाय उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता को अधिक महत्व देने लगे हैं। आर्थिक अनिश्चितता, आवास की बढ़ती लागत और बच्चों की परवरिश पर होने वाला खर्च भी छोटे परिवारों की प्रवृत्ति को मजबूत कर रहा है।

भारत की जनसंख्या में दूसरा महत्वपूर्ण परिवर्तन वृद्धावस्था की ओर बढ़ना है। आने वाले वर्षों में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों का अनुपात तेजी से बढ़ने की संभावना है। वर्ष 2036 तक वृद्धजन आबादी लगभग 15 प्रतिशत के आसपास पहुंचने का अनुमान विभिन्न जनसंख्या अध्ययनों में व्यक्त किया गया है। यह परिवर्तन स्वास्थ्य सेवाओं, पेंशन व्यवस्था, सामाजिक सुरक्षा और पारिवारिक देखभाल की नीतियों पर व्यापक प्रभाव डालेगा। जिस समाज में कभी बड़ी युवा आबादी को आर्थिक शक्ति माना जाता था, वहां भविष्य में वृद्धजनों की देखभाल और गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण सार्वजनिक दायित्व बन जाएगा।

जनसंख्या परिवर्तन का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू क्षेत्रीय असमानता है। दक्षिण भारत के अनेक राज्यों में प्रजनन दर प्रतिस्थापन स्तर से काफी नीचे पहुंच चुकी है, जबकि उत्तर भारत के कुछ राज्यों में अपेक्षाकृत अधिक प्रजनन दर देखने को मिलती है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, महिलाओं की रोजगार भागीदारी और सामाजिक-आर्थिक विकास में अंतर इन विविधताओं के प्रमुख कारण हैं। इसलिए पूरे देश के लिए एक समान जनसंख्या नीति लागू करना व्यावहारिक दृष्टि से उचित नहीं होगा। जिन राज्यों में युवा आबादी अधिक है, वहां रोजगार, शिक्षा और कौशल विकास की आवश्यकता अधिक होगी, जबकि कम प्रजनन दर वाले राज्यों में वृद्धजन कल्याण और भविष्य की श्रमशक्ति संबंधी चुनौतियां प्रमुख होंगी।

ऐसी परिस्थितियों में दो बच्चों की सीमा निर्धारित करने वाले कानूनों और दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्तियों को स्थानीय निकाय चुनावों अथवा सरकारी सुविधाओं से वंचित करने जैसे उपायों पर गंभीर पुनर्विचार आवश्यक है। जनसंख्या संबंधी नीतियां नागरिकों के अधिकारों, विशेषकर महिलाओं के प्रजनन अधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अनुरूप होनी चाहिए। जब परिवार स्वाभाविक रूप से छोटे हो रहे हैं, तब दंडात्मक कानूनों के माध्यम से परिवार के आकार को नियंत्रित करने का प्रयास सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत परिणाम पैदा कर सकता है। इससे गरीब परिवारों, महिलाओं और वंचित समुदायों पर असमान दबाव पड़ने की आशंका भी रहती है।

भारत के सामने वास्तविक चुनौती जनसंख्या को नियंत्रित करना नहीं, बल्कि जनसंख्या की बदलती संरचना के अनुरूप सार्वजनिक नीतियों का निर्माण करना है। वृद्धजनों के लिए व्यापक पेंशन व्यवस्था, सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं, वृद्धावस्था देखभाल केंद्र तथा सामाजिक सुरक्षा का विस्तार आवश्यक है। साथ ही, कार्यशील आयु वर्ग की आबादी को उत्पादक बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, कौशल विकास और रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान देना होगा। जनसांख्यिकीय लाभांश तभी वास्तविक आर्थिक लाभ में परिवर्तित हो सकता है, जब युवाओं को रोजगार और सम्मानजनक जीवन के अवसर उपलब्ध हों।

महिलाओं की आर्थिक भागीदारी भी इस परिवर्तन का केंद्रीय विषय है। महिलाओं को शिक्षा, रोजगार, समान वेतन, मातृत्व सुविधाएं और प्रजनन संबंधी निर्णयों में स्वतंत्रता प्रदान करना किसी भी प्रभावी जनसंख्या नीति की आधारशिला होनी चाहिए। परिवार नियोजन का उद्देश्य महिलाओं पर नियंत्रण स्थापित करना नहीं, बल्कि उन्हें सूचित और स्वतंत्र निर्णय लेने में सक्षम बनाना होना चाहिए। इसी प्रकार बच्चों की संख्या के आधार पर राजनीतिक अधिकारों अथवा सार्वजनिक अवसरों से वंचित करना लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के व्यापक उद्देश्य को कमजोर कर सकता है।

भारत को जनसंख्या नियंत्रण की पुरानी अवधारणा से आगे बढ़कर जनसंख्या प्रबंधन और मानव विकास की व्यापक नीति अपनानी चाहिए। इसमें क्षेत्रीय जनसांख्यिकीय जरूरतों के अनुसार नियोजन, प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, वृद्धजन कल्याण, श्रम बाजार की तैयारी और सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। जनसंख्या संबंधी नीतियों का मूल्यांकन केवल जन्म दर के आंकड़ों से नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक समानता के आधार पर किया जाना चाहिए।

अंततः, जनसंख्या किसी राष्ट्र के लिए केवल संख्या नहीं, बल्कि उसकी मानवीय क्षमता और सामाजिक संरचना का प्रतिबिंब होती है। भारत की घटती प्रजनन दर हमें यह अवसर प्रदान करती है कि हम दंडात्मक नियंत्रण के बजाय अधिकार-आधारित, वैज्ञानिक और संवेदनशील नीतियों की दिशा में आगे बढ़ें। भविष्य का भारत तभी सशक्त होगा, जब उसके युवा शिक्षित और रोजगारयुक्त होंगे, महिलाएं स्वतंत्र होंगी और वृद्धजन सम्मान तथा सुरक्षा के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। अब आवश्यकता जनसंख्या पर नियंत्रण की नहीं, बल्कि मानव क्षमता के विकास और बदलती जनसांख्यिकी के अनुरूप राष्ट्र निर्माण की है।

विश्व बंधुत्व का भाव जगाकर, भारत ही विभिन्न देशों में शांति स्थापित कर सकता है



प्रहलाद सबनानी

आज वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के बीच कई युद्ध चल रहे हैं एवं कई देशों के बीच आपस में तनाव चरम पर पहुंच गया है तथा हो सकता है कि कुछ समय पश्चात इन देशों के बीच भी युद्ध छिड़ जाए। रूस-यूक्रेन युद्ध तो पिछले लगभग 4 वर्ष से अधिक समय से चल ही रहा है। इजराईल-फिलिस्तीन युद्ध भी लम्बे समय से चल रहा है। अमेरिका-ईरान युद्ध को भी 6 माह से अधिक का समय व्यतीत हो चुका है एवं इस युद्ध ने तो खाड़ी के कई देशों को भी अपनी चपेट में ले लिया है एवं सऊदी अरब एवं ईरान समर्थित हूथी विद्रोहियों के बीच भी युद्ध छिड़ चुका है। अजरबैजान-आर्मेनिया के बीच, चीन-ताइवान के बीच, उत्तर कोरिया-दक्षिण कोरिया के बीच एवं भारत-चीन के बीच भी लगातार तनाव बना ही रहता है। विभिन्न देशों की सरकारों के बीच दरअसल अहं का भाव चरम पर पहुंच गया है, इसके चलते वे आपस में समझौता करने को बिलकुल तैयार नहीं हैं। अब प्रशन यह किया जा रहा है कि ऐसे कठिन समय में विभिन्न देशों के बीच शांति स्थापित करने के उद्देश्य से भारत के माध्यम से विश्व बंधुत्व के भाव को जगाने हेतु क्या हिंदू सनातन संस्कृति को अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी नहीं चाहिए?

विश्व बंधुत्व के भाव में विश्व के समस्त देशों के बीच आपस में भाईचारा और प्रेम की भावना स्थापित करना शामिल है। बंधुत्व का भाव जगाने के बाद विभिन्न देशों के समस्त नागरिक भी आपस में बिना किसी भेदभाव के मिलजुलकर मित्रवत भाव के साथ रहने की ओर आगे बढ़ेंगे। सच्चा मित्र उसे कहते हैं जो किसी भी संकट, उत्सव अथवा देश पर आपदा आने पर एक दूसरे की सहायता करता है। साथ ही, मित्र आपस में द्वेष, बैर और हिंसा की भावना का त्याग करते हैं। हिंदू सनातन संस्कारों के अनुसार, भारत में तो यह विश्वास किया जाता है कि समस्त प्राणियों में ईश्वर का वास है, अतः पूरे विश्व के नागरिक आपस में सहोदर हैं। इसी दृष्टि से, भारतीय 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना में विश्वास रखते हैं, अर्थात विश्व के समस्त नागरिक आपस में भाई बंधु हैं एवं एक ही परिवार के सदस्य हैं।

11 सितम्बर 1893 को दिए गए स्वामी विवेकानंद जी के विश्व विख्यात शिकागो व्याख्यान को 133 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। स्वामी जी ने उक्त धर्म सभा में भारत के सर्वसमावेशी एकात्म और सर्वांगीण जीवन दृष्टि के आधार पर विश्वबंधुत्व का विचार सबके सम्मुख रखा था। उन्होंने अपने हृदय के भाव प्रकट किये थे। स्वामी जी ने अपने इस ऐतिहासिक संबोधन की शुरुआत ही 'मेरे अमेरिकन बहनों और भाईयो' कहकर की थी, जिसे सुन कर पूर्ण सभागार अर्चंभित और उत्तेजित हो उठा था और कई मिनटों तक खड़े होकर लगातार तालियां बजाकर स्वामी जी का अभिवादन किया था। अपने उदबोधन में स्वामी जी ने कहा था कि - 'मैं एक ऐसे धर्म का अनुयायी होने में गर्व का अनुभव करता हूं, जिसने संसार को सहिष्णुता तथा सार्वभौम स्वीकृति, दोनों की ही शिक्षा दी है। हम लोग सब धर्मों के प्रति केवल सहिष्णुता में ही विश्वास नहीं करते, वरन् समस्त धर्मों को सच्चा मान कर स्वीकार करते हैं। मुझे ऐसे देश का व्यक्ति होने का अभिमान है, जिसने इस पृथ्वी के समस्त धर्मों और देशों के उत्पीड़ितों और शरणार्थियों को आश्रय दिया है। मुझे आपको यह बतलाते हुए गर्व होता है कि हमने अपने वक्ष में यहूदियों को स्थान दिया था, जिन्होंने दक्षिण भारत आकर उसी वर्ष शरण ली थी, जिस वर्ष उनका पवित्र मन्दिर रोमन जाति के अत्याचार से धूल में मिला दिया गया था।' स्वामी जी अपने उदबोधन में आगे कहते हैं कि 'साम्प्रदायिकता, हठधर्मिता और उनकी वीभत्स वंशधर धर्मान्धता इस सुन्दर पृथ्वी पर बहुत समय तक राज्य कर चुकी है। वह पृथ्वी को हिंसा से भरती रही है, उसको बारम्बार मानवों के रक्त से नहलाती रही है, सभ्यताओं का विध्वंस करती और पूरे पूरे देशों को निराशा के गर्त में डालती रही है। यदि यह वीभत्स दानवता न होती, तो मानव समाज आज की अवस्था से कहीं अधिक उन्नत हो गया होता।'

स्वामी विवेकानंद की एकता की परिकल्पना केवल धार्मिक एकता तक सीमित नहीं थी। उनके लिए एकता का अर्थ था - मनुष्य और मनुष्य के बीच एकता, समाज और समाज के बीच एकता, धर्मों के बीच समन्वय तथा समस्त मानवता में एक ही चेतना का दर्शन। भारतीय संस्कृति में हजारों वर्षों से यह विचार रहा है कि सम्पूर्ण विश्व एक परिवार है।

'अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम। उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम।'

अर्थात, संकीर्ण दृष्टि वाले लोग अपना और पराया देखते हैं, जबकि उदार चरित्र वाले सम्पूर्ण पृथ्वी को अपना परिवार मानते हैं। स्वामी विवेकानंद जी की दृष्टि में विश्व की समस्याओं का समाधान विभाजन और संघर्ष में नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर निहित एकत्व की अनुभूति में था। स्वामी विवेकानंद जी के उक्त विचारों को भारत ने जिया है। लगभग इन्हीं विचारों को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परम पूज्य सर संघचालक माननीय डा मोहन भागवत जी विजया दशमी 2026 के अपने उदबोधन में कहते हैं कि ÷भारत जैसे, मत, पंथ, सम्प्रदाय, प्रांत, जाति, भाषा, खानपान, रीतिरिवाज, आदि विविधताओं से भरपूर, देश में जो विचार इन सभी को स्वीकार करता है, सम्मान देता हैं, अपनेपन से देखता है, वही हमारी एकता का आधार बन सकता है। सौभाग्य से भारत में सनातन काल से चलती आई परम्परा, जो अनेक आध्यात्मिक महापुरुषों की प्रत्यक्ष अनुभूतियों से निरंतर स्पष्ट व पुष्ट होती आयी है, वह हमें बताती है कि सृष्टि की विविधता जितनी स्वाभाविक परंतु परिवर्तनशील है उतनी ही सम्पूर्ण अस्तित्व की एकता शाश्वत, अटल व अचल सत्य है। मनुष्य विचारशील प्राणी होने के नाते उस एकता को स्वयं में तथा जगत में अनुभव कर सकता है। यह करने से ही शाश्वत व नित्य सुख के खोज की जीवमात्र की यात्रा सफल व पूर्ण होती है। सभी विविधताओं को सम्मान देते हुए एवं स्वीकार करते हुए उनको संरक्षण देने का भारत का स्वभाव तथा जो परिवर्तनीय एवं/अथवा कालविसंगत है उसे बदलते रहने का लचीलापन इसी सनातन दृष्टि का परिणाम है। जब जब भारत के जनों में यह भाव सर्वोच्च रहा तब तब भारत विश्व का सभी दृष्टि से आदर्श राष्ट्र रहा। जब आत्मविस्मृति, विघटन व परस्पर सम्पर्क टूटने के कारण हम बलहीन, संकुचित, अहंकारी अथवा भयग्रस्त हो गए, हमने इस आचरण को त्याग दिया, तब हमारी दुर्गति हुई।' डा भागवत जी आगे कहते हैं कि 'विश्व में भारत के प्रति एक कुतूहल जाग रहा है। जड़वाद, व्यक्तिवाद तथा संयम रहित उपभोग पर आधारित अधूरी दृष्टि के कारण भौतिक दृष्टि से सम्पन्न होते हुए भी वे देश चिंता में हैं। विविधताओं को कैसे सम्भालना, विकास व पर्यावरण को कैसे साथ चलाना, जो अपने जैसे नहीं हैं उनसे अपनेपन से कैसे बरतना, कुटुंबजीवन के तथा नई पीढ़ियों में संस्कारों के क्षरण को कैसे रोकना आदि समस्याओं का उत्तर उनके पास नहीं है। इसीलिए विश्व आज भूराजनैतिक तनावों के, आर्थिक अनिश्चितता के, पर्यावरणीय संकट के और वर्चस्व की लड़ाई में विनाश को देख रहा है। भारत के पास इन सब समस्याओं के सारे उत्तर हैं, यह वे जानते हैं।' अब यह कहा जा सकता है कि 'हिंदू भाव व हिंदू स्वभाव ही हमारी एकता का आधार है। कोई विशिष्ट पूजा पद्धति, कोई विशिष्ट खान पान, रहन सहन, कोई सामाजिक या राजनीतिक मतवाद किसी विशिष्ट जाति, भाषा, प्रांत इस की अनिवार्यता इसमें नहीं है। इन सब से ऊपर आध्यात्मिकता, मानवता तथा विश्वबंधुत्व ही इसके लक्षण हैं। भारतीयों में इस भाव के विद्यमान होने से ही 'भा' याने ज्ञान के प्रकाश में रत भारत यह भारतीयतता की एक परिभाषा बनी है। पूरे विश्व को जोड़ सकने वाले व जोड़ना चाहने वाले इस हिंदू भाव का स्मरण व पोषण भारत की प्रगति व एकता की अनिवार्य आवश्यकता है। भारत में इस भाव का रूप उत्कट भारत भक्ति, हम सभी भारतीयों में अपनी समान पूर्वज परम्परा का गौरव एवं आदर्श तथा भारत की सनातन संस्कृति के मूल्यबोध के अनुरूप स्वयं के जीवन को गढ़ते जाना है।

एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड : सभी लोगों तक खाद्य सुरक्षा

उठाने योग्य से लेकर समावेशन तक: खाद्यान्न तक पहुंच में परिवर्तन

बिहान भारत

वन नेशन वन राशन कार्ड (ओएनओआरसी) योजना खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग द्वारा वर्ष 2019 में शुरू की गई थी। यह सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में एक प्रमुख सुधार है, जिसके तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून (एनएफएसए) के अंतर्गत आने वाले राशन कार्डों और लाभार्थियों के लिए पूरे देश में पोर्टेबिलिटी की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। एनएफएसए सब्सिडी वाले खाद्यान्न के लिए कानूनी पात्रता सुनिश्चित करता है, जबकि टीपीडीएस पात्र लाभार्थियों को इन खाद्यान्नों का वितरण करता है।

लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (टीपीडीएस) में किए गए सुधारों के तहत ओएनओआरसी तकनीक का उपयोग करके लाभार्थियों को देश में कहीं भी अपने हक के खाद्यान्न प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। इस पहल ने प्रवासी आबादी के लिए सामाजिक सुरक्षा को मजबूत किया है तथा अधिक एकीकृत, समावेशी और लाभार्थी-केंद्रित कल्याणकारी सेवाओं के वितरण की दिशा में प्रगति की है।

देशभर में किसी भी उचित दर की दुकान से नया राशन कार्ड बनवाए बिना खाद्यान्न की पात्रता प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करता है। खाद्यान्न की पात्रता को राज्यों के बीच उठाने योग्य बनाता है।

प्रवासी श्रमिकों और परिवारों को निवास स्थान बदलने के बाद भी सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लाभ प्राप्त करने में सहायता करता है। लाभार्थी जहां भी निवास करते हैं, वहां उन्हें सब्सिडी वाले खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित करता है। देशभर में एनएफएसए लाभार्थियों के लिए पीडीएस तक पहुंच को मजबूत करता है।

पोर्टेबिलिटी की प्रमुख उपलब्धियां

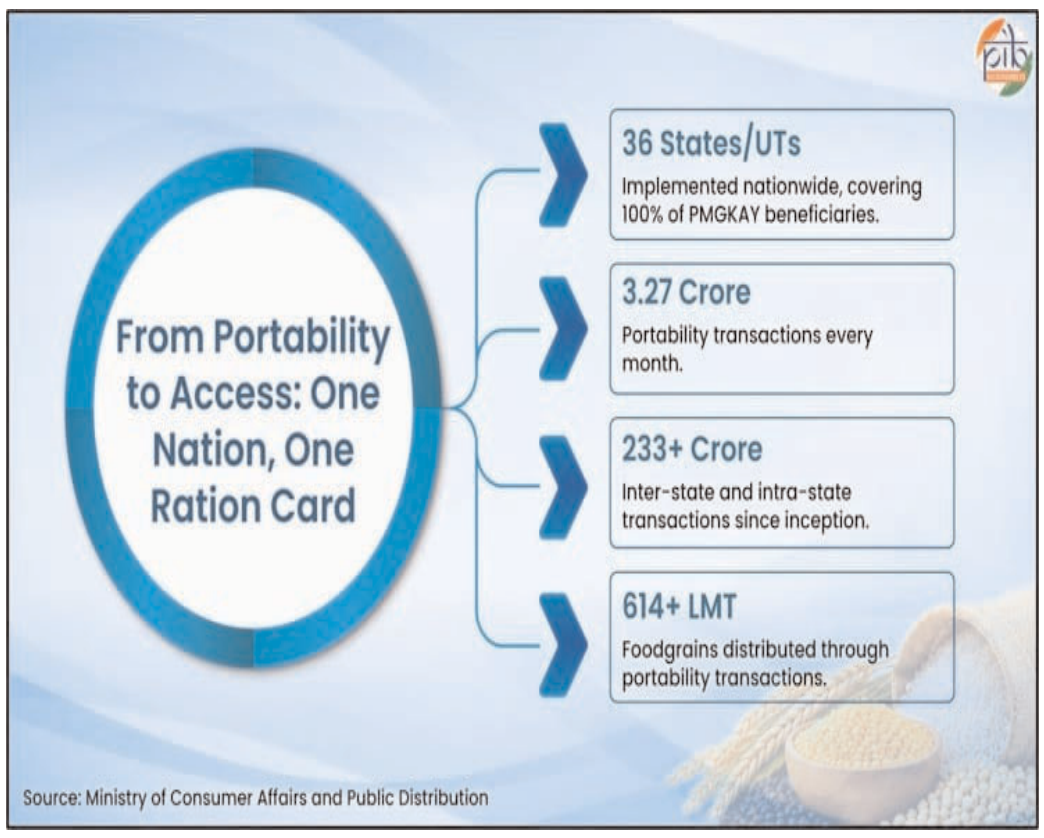
ओएनओआरसी ने खाद्यान्न तक पहुंच को सुगम, पोर्टेबल और देशव्यापी बनाकर सार्वजनिक वितरण प्रणाली में परिवर्तनकारी सुधार किया है।

ओएनओआरसी को सभी 36 राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों में लागू किया गया है, जिससे पीएमजीकेएवाई के 100 प्रतिशत लाभार्थी इसके दायरे में आ गए हैं। ओएनओआरसी के माध्यम से हर महीने लगभग 3.27 करोड़ पोर्टेबिलिटी लेनदेन किए जाते हैं। अपनी शुरूआत से अब तक, इसके तहत 233 करोड़ से अधिक अंतर-राज्यीय और राज्य के भीतर पोर्टेबिलिटी लेनदेन दर्ज किए गए हैं, जिसके माध्यम से 614 एलएमटी से अधिक खाद्यान्न वितरित किया गया है।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत पारदर्शिता और वितरण व्यवस्था को मजबूत बनाना

सरकार ने राशन की पोर्टेबिलिटी के साथ डिजिटल प्रमाणीकरण, डेटा-आधारित लक्षित लाभ वितरण और प्रौद्योगिकी-सक्षम वितरण व्यवस्था को भी बढ़ावा दिया है, ताकि पारदर्शिता और अंतिम छोर तक वितरण में सुधार किया जा सके।

100 प्रतिशत डिजिटलीकरण: अक्टूबर 2026 तक सभी राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों में राशन कार्ड और लाभार्थी डेटाबेस का 100 प्रतिशत डिजिटलीकरण किया जा चुका है। इसके तहत लगभग 78.65 करोड़ लाभार्थी शामिल हैं और यह



डेटा राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के सार्वजनिक पारदर्शिता पोर्टलों पर उपलब्ध है। केन्द्रीय प्रणाली में दर्ज 20.51 करोड़ राशन कार्डों में से 98.8 प्रतिशत (20.27 करोड़) राशन कार्ड आधार से जोड़े जा चुके हैं। आधार से जुड़े लाभार्थियों की कुल संख्या 76.97 करोड़ है। 30 सितंबर 2026 तक 71.52 करोड़ का ई-केवाईसी किया जा चुका है, जो कुल लाभार्थियों का 91 प्रतिशत है।

पारदर्शी शिकायत निवारण: सभी राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों में पारदर्शिता पोर्टल, ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली और टोल-फ्री हेल्पलाइन संचालित हैं।

कम्प्यूटरीकृत आपूर्ति श्रृंखला: देशभर में खाद्यान्न का ऑनलाइन आवंटन लागू किया गया है, जबकि 31 राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों में आपूर्ति श्रृंखलाओं को कम्प्यूटरीकृत किया गया है।

ई-पीओएस सक्षम उचित दर की दुकानें : कुल 5.51 लाख उचित दर की दुकानों में से 99.8 प्रतिशत (5.50 लाख) दुकानें ई-पीओएस उपकरणों के साथ संचालित हैं।

उचित लक्ष्यीकरण एवं डुप्लीकेट रिकॉर्ड हटाना: उन्नत आधार और पीडीएस डेटा विश्लेषण के माध्यम से 5.95 करोड़ संदिग्ध रिकॉर्ड चिन्हित किए गए, जिसके परिणामस्वरूप 2.58 करोड़ डुप्लीकेट या अपात्र प्रविष्टियां हटाई गईं। राइटफुल टार्गेटिंग संस्करण 3.63 के तहत 68 लाख रिकॉर्ड चिन्हित किए गए और हटाए गए।

निर्मल एवं सक्षम: सार्वजनिक वितरण प्रणाली में स्वचालन के साथ राशन परिवहन एवं हैंडलिंग-आय सहायता योजना (सार्थक-पीडीएस) की व्यापक योजना के अंतर्गत ये पहलें डेटा आर्किटेक्चर/विश्लेषण (निर्मल) तथा खरीद से लेकर वितरण तक रियल-टाइम डेटा एकीकरण, जिसमें वाहन लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम (सक्षम) भी शामिल है, को मजबूत करती हैं। सार्थक-पीडीएस अंतर-राज्यीय नहीं, बल्कि राज्य के भीतर खाद्यान्न की आवाजाही, हैंडलिंग और उचित मूल्य दुकान डीलरों के मार्जिन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। साथ ही, यह एकीकृत, नागरिक-केन्द्रित और इंटरऑपरेबल पीडीएस आर्किटेक्चर तैयार करता है। इस योजना का उद्देश्य 31 मार्च 2031 तक एनएफएसए के तहत अंतिम छोर तक खाद्यान्न की डिलीवरी सुनिश्चित करना, लीकेज को न्यूनतम करना और खाद्य सुरक्षा को मजबूत करना है।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली में प्रौद्योगिकी के माध्यम से आधुनिकीकरण और सुधार योजना (स्मार्ट-पीडीएस): सार्थक-पीडीएस के अंतर्गत स्मार्ट-पीडीएस राशन कार्ड, वितरण, आपूर्ति श्रृंखला और शिकायत निवारण को डिजिटल रूप से एकीकृत करता है। साथ ही, एकीकृत केन्द्रीय प्रणाली के माध्यम से राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के स्तर पर प्रौद्योगिकी संबंधी कमियों को दूर करता है।

मेरा राशन ऐप: खाद्यान्न की आपकी उंगलियों तक पहुंच

ओएनओआरसी के तहत प्रौद्योगिकी-आधारित टीपीडीएस सुधारों के एक भाग के रूप में, विभाग ने मेरा राशन मोबाइल एप्लिकेशन शुरू किया। 13 भाषाओं में उपलब्ध यह ऐप लाभार्थियों को राशन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी और सेवाओं तक पहुंच प्रदान करता है।

प्रमुख विशेषताओं में शामिल हैं:

मासिक खाद्यान्न पात्रता का विवरण देखना
पिछले लेनदेन का विवरण देखना
आधार-सीडिंग की स्थिति की पुष्टि करना
राष्ट्रीय पोर्टेबिलिटी के लिए पात्रता की जांच करना
ओएनओआरसी के लिए स्वेच्छा से पंजीकरण
जीपीएस का उपयोग करके आसपास की उचित दर की दुकानों का पता लगाना
मानचित्र के माध्यम से निकटतम एफपीएस तक पहुंचने का मार्ग देखना
मेरा राशन ऐप लाभार्थियों, विशेष रूप से प्रवासियों, को आसपास की एफपीएस का पता लगाने और नए क्षेत्र में अपनी खाद्यान्न पात्रता प्राप्त करने में सहायता करता है।

समावेशी और गरिमापूर्ण खाद्य सुरक्षा की ओर

ओएनओआरसी ने खाद्यान्न तक पहुंच को पोर्टेबल, देशव्यापी और प्रौद्योगिकी-सक्षम बनाकर सार्वजनिक वितरण प्रणाली में बदलाव किया है। सभी 36 राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों में इसके कार्यान्वयन के साथ-साथ बड़ी संख्या में पोर्टेबिलिटी लेनदेन इसके माध्यम से खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने में इसकी बढ़ती भूमिका को दर्शाते हैं। डिजिटलीकृत लाभार्थी डेटाबेस, ई-पीओएस से सक्षम उचित मूल्य की दुकानों, सार्थक-पीडीएस ढांचे और मेरा राशन ऐप के माध्यम से यह प्रणाली अधिक पारदर्शी, एकीकृत और लाभार्थी-केन्द्रित बन रही है। सामूहिक रूप से, ये सुधार अंतिम छोर तक वितरण व्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि लाभार्थियों को वे जहां भी रहते और काम करते हैं, वहां खाद्य सुरक्षा उपलब्ध हो।

सेहत

जानकारी

सिरदर्द के होते हैं कई कारण

राहत के लिए अपनाएं ये घरेलू उपाय

सिरदर्द एक आम बीमारी है, जिसे हममें से कई लोग गंभीरता से लेने के बारे में नहीं सोचते। लेकिन क्या यह सही है? काम का बोझ और तनाव, परीक्षा का दबाव आदि सिरदर्द के अनेक कारण हैं। इससे छुट्टी पाने के लिए एस्पिरिन की एक गोली खा लेना सबसे आसान तरीका लग सकता है, लेकिन इसमें अन्य गंभीर समस्याएं भी हो सकती हैं, जो अनदेखी रह सकती हैं। अधिकतर सिरदर्द मामूली होते हैं। इनके सामान्य कारण तनाव, माइग्रेन, आंखों पर जोर, निर्जलीकरण, लो ब्लड शुगर और साइनसाइटिस हो सकते हैं।

सिरदर्द के कारण-



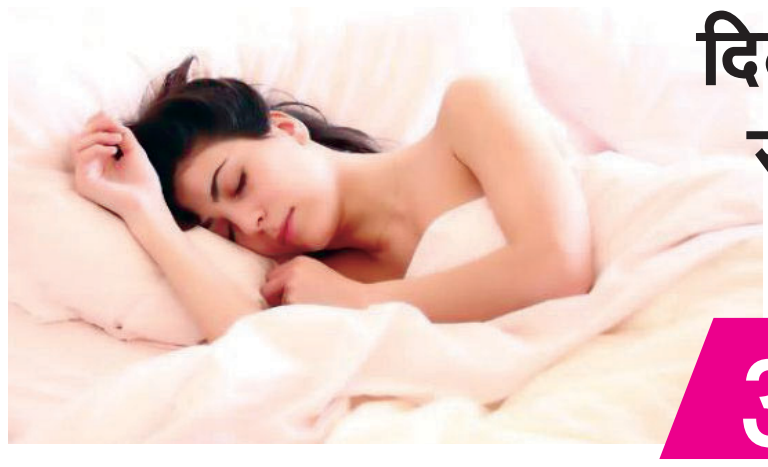
सिरदर्द नसों में समस्या के कारण हो सकता है। इस तरह के सिरदर्द का सबसे सामान्य रूप माइग्रेन या अधकपारी है। कुछेक खास खाद्य पदार्थों से भी सिरदर्द हो सकता है। ऐसे खाद्य पदार्थों में गोभी, टमाटर, प्याज, बैंगन, अनन्नास, आलू, डिब्बाबंद मछली, चॉकलेट, स्मोक्ड मांस, दही, कैफीन, पनीर और खमीर आधारित खाद्य पदार्थ शामिल हैं।

सिरदर्द का उपाय

सिरदर्द और माइग्रेन को उभारने के लिए जिम्मेदार किसी खाद्य पदार्थ से बचना मुश्किल हो सकता है। उचित निदान के लिए हेल्थ प्रोफेशनल्स से परामर्श लेना सही होगा। एक बार जब आपको अपने सिरदर्द और माइग्रेन के लिए जिम्मेदार कारकों का पता चल जाता है तब आप भविष्य में होने वाले इनके हमले से खुद को बचा सकते हैं।

मछली के तेल जैसे ओमेगा-3 वसा से सिरदर्द की शुरुआत को रोकने में मदद मिल सकती है। इसी तरह लहसुन (ताजा या कैप्सूल के रूप में) भी इस स्थिति के लिए एक प्रभावी उपाय है। रोजाना अलसी के बीजों का सेवन करें। इनमें ओमेगा-3 वसा होते हैं, जो प्रोस्टैग्लैंडीन के निर्माण को नियंत्रित करते हैं। प्रोस्टैग्लैंडीन हार्मोन जैसे पदार्थ होते हैं जो जो दर्द को काबू करते हैं। थोड़ा-सा अदरक खाएं। यह भी प्रोस्टैग्लैंडीन को नियंत्रित करने में मदद करता है। एक चम्मच अदरक का अचार या सिर्फ ताजा अदरक का एक इंच लंबा टुकड़ा लें। उस पर नीबू का रस और काले नमक का पाउडर छिड़के और धीरे-धीरे चबाएं। ध्यान और गहरी सांस लेने से संबंधित व्यायाम भी तनाव और दबाव से मुक्त होने के अच्छे तरीके हैं।

इसके अलावा मांसपेशियों की समस्याओं से संबंधित सिरदर्द को फिजियोथेरेपी के माध्यम से हल किया जा सकता है।



दिल को सेहतमंद रखने के लिए रोजाना लें अच्छी नींद

नींद न आने वालो के लिए ये हैं कुछ खास टिप्स

क्या आप पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं? तो फिर आपको अपनी सेहत के प्रति थोड़ा सावधान होने की खास जरूरत है। यह सुनने में हैरतअंगेज लग सकता है, लेकिन नींद का दिल की बीमारियों से रिश्ता हो सकता है।

जो लोग पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं, उन्हें दिल की बीमारियों का अधिक खतरा होता है। ये बीमारियां रक्तवाहिनियों अर्थात कार्डियोवेस्कुलर और धमनियों अर्थात कोरोनरी से संबंधित हो सकती हैं। अगर आप इन जोखिमों को कम करना चाहते हैं, तो आपको पर्याप्त समय तक गहरी नींद जरूर लेनी चाहिए।

शोधकर्ताओं के अनुसार, बहुत कम सोने से हमारे स्वास्थ्य और जैविक प्रक्रियाओं पर असर पड़ता है। इससे ग्लूकोज के पाचन में गड़बड़ी आ सकती है, रक्तचाप असामान्य हो सकता है और सूजन की समस्या हो सकती है।

नींद की कमी से उच्च रक्तचाप हो सकता है, तंत्रिका तंत्र की गतिविधि असामान्य हो सकती है और हृदय गति बढ़ सकती है। हालांकि ज्यादा सोने से भी ये समस्याएं हो सकती हैं। जब हम सोते हैं, तब हमारा रक्तचाप कम हो जाता है। लेकिन पर्याप्त नींद नहीं लेने पर रक्तचाप बढ़ने की संभावना रहती है।

ज्यादा कामकाज के बोझ से दिल पर दबाव पड़ता है, जो सेहत के लिए नुकसानदेह है। ऐसी स्थितियां अकसर दिल की बीमारी की ओर ले जाती हैं। अगर नींद सामान्य हो तो रक्तचाप का स्तर भी सामान्य रहेगा।

नींद से वंचित व्यक्तियों में तनाव से जुड़े कोर्टिसोल हार्मोन का स्तर ऊंचा हो जाता है जो शरीर को खतरे में डालता है, क्योंकि यह वजन और इंसुलिन के स्तर को बढ़ाता है।

एक व्यक्ति को एक दिन में कितना सोना चाहिए? इस सवाल का



जवाब हर व्यक्ति के लिए अलग हो सकता है। लेकिन आमतौर पर हममें से ज्यादातर लोगों को प्रतिदिन सात से आठ घंटे सोने की जरूरत होती है। जो लोग एक दिन में पांच घंटे से भी कम समय तक सोते हैं, उन्हें धमनी से जुड़ी दिल की बीमारियों का जोखिम सामान्य लोगों के मुकाबले 40 फीसदी अधिक होता है।

दरअसल नींद की कमी कोरोनरी धमनियों को प्रभावित करती है, जिससे दिल का दौरा पढ़ने का खतरा बढ़ जाता है। अपर्याप्त नींद चिडचिडापन, अधीरता, एकाग्रता में बाधा और आक्रामकता की ओर ले जाती है तथा पूरे दिन थकान का एहसास कराती है। वैकल्पिक चिकित्सा में अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए नींद को महत्वपूर्ण बताया गया है। वैज्ञानिक सबूत बताते हैं कि नींद की कमी किस प्रकार बीमारियों का खतरा बढ़ा देती है।

नींद को बेहतर बनाने के उपाय

- अपने वजन को संतुलित बनाए रखें।
- नियमित व्यायाम करें।
- रात को एक गिलास गर्म दूध पिएं (मलाई रहित)
- रात में मसालेदार और तैलीय भोजन करने से पूरी तरह बचें।
- रात में कॉफी और चाय लेने से बचें।
- कैल्शियम सप्लीमेंट लें।
- अनुकूल वातावरण में सोएं और मन को शांत करने वाली दिनचर्या अपनाएं। जैसे- पढ़ना, कैमोमाइल चाय पीना, स्नान करना या मधुर संगीत सुनना।



सर्दियों में त्वचा के अनुसार करें क्रीम का चुनाव

अक्सर लोगों को यह शिकायत रहती है कि महंगी से मंहगी क्रीम लगाने के बाद भी यह तो त्वचा रूखी और बेजान लगती है या फिर जरूरत से ज्यादा ऑयली दिखाई देने लगती है। पर क्या आप जानते हैं इसमें गलती आपकी क्रीम की नहीं बल्कि आपके क्रीम को लेकर किए गए गलत चुनाव की है। जी हां खास बात यह है कि लोगों को यह समस्या सर्दियों के मौसम में ज्यादा परेशान करती है। अगर आप भी सर्दियों में अक्सर यह परेशानी झेलते हैं तो परेशान होने की जगह इस मौसम में सही क्रीम चुनने के लिए ट्राई करें ये शानदार टिप्स।

ड्राई स्किन - ड्राई स्किन में ऑयल की कमी होने की वजह से क्रीम लगाने के बावजूद वो जल्दी ही रूखी नजर आने लगती है। इस तरह की स्किन सर्द मौसम में फटती भी बहुत जल्दी है। इस तरह की त्वचा के लिए क्रीम चुनते समय उसमें हाइड्रेटिंग गुण देखना बिल्कुल न भूलें।

ऑयली स्किन - इस तरह की त्वचा चेहरे पर ऑयल छोड़ती है जिसकी वजह से चेहरा हमेशा चिपचिपा सा लगता है। इस तरह की स्किन पर धूल-मिट्टी लगने से व्यक्ति को पिंपल्स की समस्या अधिक होती है। ऐसे में आपको ऐसी क्रीम का चुनाव करना चाहिए जिसमें जेल, सीरम और कम हाइड्रेटिंग गुण वाली क्रीम का चुनाव करना चाहिए।

सेंसेटिव स्किन - इस तरह की स्किन वाले लोगों को सर्दी के मौसम में इचिंग की समस्या हो सकती है। ऐसे लोगों को खुद के लिए क्रीम का चुवान करते समय बेहद सतर्कता से काम लेना चाहिए वरना इन्हें एलर्जी हो सकती है। सेंसेटिव स्किन वाले लोगों को क्रीम का चुनाव करते समय एंटीऑक्सिडेंट वाली जिसमें खुशबू न हो ऐसी क्रीम का चुनाव करना चाहिए।

सेहत

फैशन में छाया आर्टिफिशियल फर का जादू

मौसम और माहौल का तकाजा है कि अब फॉ यानी नकली फर से लोगों पर असली रौब जमाया जाए, क्या आपको लोकप्रिय टीवी शो 'सेक्स एंड द सिटी' की मुख्य पात्र कैरी ब्रैडशॉ (जिसे सारा जेसिका पार्कर ने निभाया था) का ब्लीच रकून फर कोट याद है? उस दृश्य में कोट को उन्होंने एक चमकीली नाइट ड्रेस के ऊपर पहना था। उनके इस अंदाज ने उस कोट को 90 और 2000 के शुरुआती दौर में फैशन का सरताज बना दिया था। रॉयल टेनेनबॉम्स (2001) में मार्गोट (हॉलीवुड अभिनेत्री ग्वेनेथ पाल्ट्रो द्वारा अभिनीत) के कैरेमल रंग वाले फर कोट ने फैशन जगत को एक अलग ही अंदाज पेश किया था। हालांकि अब फैशन की दुनिया में फर का चलन कम हो रहा है और नकली फर का चलन जोर पकड़ रहा है। इसीलिए नकली फर या फॉ फर अब सर्दियों का सामना करने का एक लोकप्रिय अंदाज बन गया है।



एक वक्त था, जब नकली फर को बहुत कमतर माना जाता था और उसे फैशन के नाम पर एक बड़ी भूल की तरह लिया जाता था। लेकिन आज इसे असली फर की तरह शानदार और आरामदेह माना जाने लगा है और यह फैशन के सभी बड़ और लग्जरी ब्रांड्स के कलेक्शन का हिस्सा है। असली फर के चलन को छोड़ने के कारण फायदा यह हुआ है कि अब अपने अंदाज में कोई समझौता किए बिना हमें फैशन की ज्यादा नैतिक और लंबे समय तक साथ चलने वाली राह मिली है। बस आपको चाहिए, एक अच्छी गुणवत्ता वाला नकली फर। ऐसा फर, जो छूने में मुलायम और चिकना तो हो, लेकिन उसे छूकर प्लास्टिक का एहसास न हो। टीशर्ट या किसी ड्रेस पर फॉ फर से बनी एक जैकेट आपकी सादगी में चार-चांद लगा देगी।

स्टाइलिस्ट ईशा भंसाली कहती हैं कि 'फॉ फर से बनी जैकेट को कोई देखे बिना रह ही नहीं सकता। आप क्रॉप्ड वाली लीजिए, जिसे आप किसी भी ड्रेस के साथ पहनकर स्टाइलिश दिख सकते हैं। इस अंदाज की जैकेट फैशन के मामले में सबसे सुरक्षित होगी। बस यह ध्यान रखें कि इसके साथ बहुत ज्यादा एक्सेसरीज का उपयोग न करें, क्योंकि यह खुद ही में काफी स्टाइलिश होती है।' इसके साथ ही सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट शालीना नथानी सुझाव देती हैं कि नकली फर की चीजों को भारतीय परिधानों के साथ पहनना चाहिए। वह कहती हैं, इससे आप स्टाइलिश लगते हैं। शादी में अगर आप साड़ी पहन रही हैं, तो इस पर फर का कोई पीस पहनें। इससे आपका स्टाइल बढ़ जाएगा और आपके भारतीय परिधान से यह अलग भी नहीं लगेगा। मुझे लगता है कि इससे एक जुदा-जुदा सा अंदाज आ जाता है। आप इसे पूरा न पहनकर सिर्फ कंधों पर डाले रहें।' अगर आप फर का कोट नहीं लेना चाहतीं, तो एक्सेसरीज इस्तेमाल कर सकती हैं। भंसाली कहती हैं, 'आर्टिफिशियल फर का क्लच इस मामले में सबसे अच्छा होगा। अगर आप शालीन दिखते हुए कोई स्टाइल अपनाना चाहते हैं, तो यह एक बेहतर विकल्प है। लेकिन फर बैग को नजरअंदाज करना सही रहेगा। बीते चार सीजन में नकली फर के लोफर स्लिप-ऑन फुटवियर भी चलन में देखे गए हैं। इन्हें स्किनी जींस के साथ पहनें और अपना पूरा लुक सादा रखें। अगर शाम को बाहर घूमने का इरादा है तो सीक्वेंस ड्रेस के साथ कॉलर या हेमलाइन पर फर वाली लंबी या क्रॉप्ड जैकेट पहने, यह आपको अलग लुक प्रदान करेगी।

मणिपुर में सुरक्षाबलों ने हथियारों और विस्फोटकों का जखीरा किया बरामद

● इसमें रॉकेट, चीन में बने चार मोर्टार और छह इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में सुरक्षाबलों ने एक बड़े ऑपरेशन के दौरान हथियारों और विस्फोटकों का जखीरा बरामद किया है। इसमें करीब 10 फीट लंबा रॉकेट, चीन में बने चार मोर्टार और छह इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक यह कार्रवाई बुधवार को कांगवई सब-डिवीजन के पी जेलजांग गांव के आसपास जंगल में की गई। खुफिया जानकारी मिलने के बाद जिला पुलिस और सेना की संयुक्त टीम ने इलाके में तलाशी अभियान चलाया था। इसी दौरान जंगल में छिपाकर रखे गए हथियार और विस्फोटक मिले। पुलिस के मुताबिक तलाशी में चार 82 एमएम के मोर्टार मिले, जो चीन में बने हैं। इसके अलावा पांच चीनी ग्रेनेड, एक सीएमजी, एक पिस्टल और दो सिंगल बैरल राइफल भी बरामद की गईं। सुरक्षाबलों को अलग-अलग क्षमता के कुल 30 मोर्टार बम भी मिले। इनमें 82एमएम और 51 एमएम के बम शामिल हैं। इसके साथ ही 5.6एमएम के पांच कारतूस भी बरामद किए गए। इतनी बड़ी मात्रा में हथियार और विस्फोटक मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों के लिए इनके स्रोत और इस्तेमाल की जांच में जुटी हैं।

धान कटाई सीजन में अब तक पंजाब में पराली जलाने की 5,517 घटनाएं दर्ज

● प्रशासन ने नियमों का उल्लंघन करने वालों पर 85.90 लाख का पर्यावरण जुर्माना लगाया

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब में धान की कटाई के साथ ही पराली जलाने की घटनाएं एक बार फिर तेजी से बढ़ने लगी हैं। 11 नवंबर को राज्य में पराली जलाने के 515 नए मामले सामने आए। इससे पहले 10 नवंबर को 345 घटनाएं दर्ज की गई थीं यानी एक ही दिन में पराली जलाने के मामलों में 170 की बढ़ोतरी हुई। 15 सितंबर से शुरू हुए मौजूदा धान कटाई सीजन में अब तक पंजाब में पराली जलाने की कुल 5,517 घटनाएं दर्ज की जा चुकी हैं। पिछले साल के मुकाबले इस बार पंजाब में पराली जलाने की घटनाएं लगातार बढ़ी हैं। 11 नवंबर 2025 तक राज्य में 4,507 मामले दर्ज किए गए थे, जबकि इस साल इसी अवधि में यह आंकड़ा बढ़कर 5,517 हो गया है यानी पिछले साल की तुलना में इस बार 1,010 ज्यादा घटनाएं सामने आई हैं. जोकि बेहद चिंताजनक है। पराली जलाने के मामलों में पंजाब के पांच जिले सबसे आगे हैं। फिरोजपुर 728 घटनाओं के साथ पहले स्थान पर है। तरनतारन में 687, संगरूर में 628, बठिंडा में 499 और पटियाला में 374 मामले दर्ज किए गए हैं। इन पांच जिलों में ही राज्य में पराली जलाने की कुल घटनाओं का आधे से ज्यादा हिस्सा सामने आया है. ये जिले इस सीजन में पराली जलाने के प्रमुख हॉटस्पॉट बने हुए हैं।

सोलापुर हवाई अड्डे पर ट्रेनिंग विमान की हार्ड लैंडिंग, रनवे पर फंसा विमान, महिला पायलट सुरक्षित

सोलापुर, एजेंसी। महाराष्ट्र के सोलापुर हवाई अड्डे पर गुरुवार को एक बड़ा विमान हादसा होते-होते टल गया। पायलट प्रशिक्षण के लिए इस्तेमाल किए जा रहे एक छोटे विमान की रनवे पर अचानक हार्ड लैंडिंग हो गई। लैंडिंग इतनी जोरदार थी कि विमान असंतुलित होकर रनवे पर ही एक तरफ झुक गया और वहीं फंस गया। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। विमान उड़ा रही महिला प्रशिक्षु पायलट पूरी तरह सुरक्षित बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रेडबर्ड एविएशन ट्रेनिंग अकादमी में पायलट का प्रशिक्षण ले रही एक महिला प्रशिक्षु गुरुवार को अपनी सोलो क्रॉस कंट्री उड़ान पर थी। यह एक लंबी दूरी की उड़ान थी, जिसमें प्रशिक्षु पायलट अकेले विमान उड़ाती है। इसी दौरान जब वह सोलापुर हवाई अड्डे पर विमान उतार रही थी, तभी अचानक विमान का संतुलन बिगड़ गया और उसकी जोरदार हार्ड लैंडिंग हुई। इसके बाद विमान रनवे पर ही एक खतरनाक स्थिति में फंस गया।

बीजेपी विधानसभा चुनाव में कई एमएलसी को मैदान में उतारने पर कर रही विचार

-पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व यूपी में उम्मीदवारों के चयन का बदलने जा रहा पूरा खाका

नई दिल्ली , एजेंसी। 2027 में होने वाले यूपी विधानसभा चुनावों के लिए बीजेपी ने अपनी चुनावी रणनीति पर काम तेज कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व यूपी में अपने उम्मीदवारों के चयन का पूरा खाका बदलने जा रहा है। पार्टी इस बार अपने ज्यादातर विधान परिषद सदस्यों को सीधे 2027 के विधानसभा चुनाव के मैदान में उतारने पर विचार कर रही है। पार्टी के शीर्ष सूत्रों ने बताया कि बीजेपी आलाकमान ने अपने सभी एमएलसी को चुनाव की तैयारियों में जुटने और अपने-अपने प्रभाव वाले इलाकों में मजबूत जीत की संभावना वाली विधानसभा सीटों की पहचान शुरू करने का संदेश दे दिया है।



रिपोर्ट के मुताबिक इस संभावित फैसले से यूपी के कई बड़े मंत्रियों और सांगठनिक दिग्गजों की सीधी विधानसभा चुनाव में एंट्री होने जा रही है। जिन प्रमुख एमएलसी को चुनावी मैदान में उतारे जाने की चर्चा है, उनमें डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, कैबिनेट मंत्री एके शर्मा, जलशक्ति मंत्री एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चौहान और पूर्व बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी शामिल हैं।

पार्टी नेतृत्व का मानना है कि इन अनुभवी नेताओं को सीधे जनता के बीच चुनावी मैदान में उतारने से राज्य में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों का उत्साह दोगुना होगा और उन क्षेत्रों में बीजेपी की स्थिति मजबूत होगी। बीजेपी का यह नया दांव केवल एमएलसी को मैदान में उतारने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके जरिए पार्टी अपने मौजूदा विधायकों पर बड़े पैमाने पर गाज गिराने की तैयारी में है। जनता और कार्यकर्ताओं की नाराजगी से निपटने के लिए बीजेपी 2027 में अपने कई मौजूदा विधायकों के टिकट काट सकती है। पार्टी आंतरिक सर्वे, क्षेत्रीय जातीय समीकरणों, जनप्रतिनिधि के रूप में प्रदर्शन और सांगठनिक फीडबैक के आधार पर ही अंतिम टिकट तय करेगी। एमएलसी को टिकट देने से जहां अनुभवी सांगठनिक नेताओं को सीधे विधानसभा में लाया जा सकेगा, वहीं कमजोर सीटों पर नए और मजबूत चेहरों को मौका देने की गुंजाइश भी बनेगी। यूपी बीजेपी की राजनीति और राष्ट्रीय राजनीति का सबसे अहम गढ़ है। 2027 के चुनाव से काफी पहले आलाकमान की तरफ से एमएलसी को तैयारी में जुटने के निर्देश देना यह साफ दर्शाता है कि बीजेपी इस बार किसी भी स्तर पर ढिलाई बरतने के मूड में नहीं है।

दिल्ली से गुजरात तक छठ पूजा की तैयारियां तेज, घाट पर किए खास इंतजाम

● अहमदाबाद में साबरमती नदी के किनारे पूजा में शामिल होंगे 25 हजार श्रद्धालु

नई दिल्ली , एजेंसी। छठ महापर्व को लेकर दिल्ली से गुजरात तक तैयारियां तेज हो गई हैं। दिल्ली में मुनक नहर के किनारे करीब 11 किलोमीटर लंबा छठ घाट बनाया गया है। वहीं, गुजरात के अहमदाबाद में साबरमती नदी के किनारे तैयारी की गई हैं। दिल्ली में छठ पूजा के लिए मुनक नहर के किनारे बने घाट पर खास इंतजाम किए गए हैं। यहां साफ-सफाई, रोशनी और सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। घाट का उद्घाटन गुरुवार को किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुजरात के अहमदाबाद में भी छठ पूजा की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। छठ महापर्व आयोजन समिति के अध्यक्ष के मुताबिक इस बार शाम की पूजा में 25 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। पिछले 25 साल से अहमदाबाद में छठ पूजा का आयोजन किया जा रहा हैं। उन्होंने बताया कि साबरमती नदी के किनारे छठ पूजा के लिए खास जगह तय कराने में तत्कालीन सीएम नरेंद्र मोदी की पहल रही थी। इसके बाद आनंदीबेन पटेल ने इस घाट को मंजूरी दी और विजय रुपाणी सरकार के दौरान इसका उद्घाटन हुआ। अहमदाबाद में बिहार, झारखंड और पूर्वांचल के करीब 10 लाख लोग रहते हैं। इनमें से कई लोग छठ पूजा के लिए अपने घर नहीं जा पाते। ऐसे लोगों की सुविधा के लिए शहर में 10 से ज्यादा जगहों पर छठ पूजा के इंतजाम किए गए हैं। इस बार भी साबरमती रिवरफ्रंट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु सूर्य की उपासना करेंगे। दिल्ली की मुनक नहर से लेकर गुजरात के साबरमती तट तक छठ महापर्व की तैयारियां दिखाई दे रही हैं।

पीएम मोदी के बेंगलुरु और मैसूरु दौरे को लेकर सुरक्षा कड़ी, हजारों पुलिसकर्मी तैनात

● कई इलाके अस्थायी नो-फ्लाई जोन घोषित, ड्रोन और उड़ने वाली वस्तुएं रहेंगी बैन

बेंगलुरु , एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी के शुक्रवार को प्रस्तावित कर्नाटक दौरे को देखते हुए बेंगलुरु और मैसूरु में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। एसपीजी की टीम भी पूरे सुरक्षा इंतजाम पर नजर रख रही है। पीएम के आने-जाने वाले रास्तों, कार्यक्रम स्थलों और आसपास के संवेदनशील इलाकों की गहन जांच की जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था में तीन संयुक्त पुलिस आयुक्त, 15 पुलिस उपायुक्त, 20 सहायक पुलिस आयुक्त, 30 पुलिस निरीक्षक, 100 से ज्यादा उपनिरीक्षक और एक हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। एसपीजी की टीम करीब 10 दिन पहले ही शहर पहुंच गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी के काफिले के गुजरने वाले मार्गों पर स्थित ऊंची इमारतों और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। आसपास के अपार्टमेंट की भी जांच की गई। पुलिस ने अपार्टमेंट प्रबंधन को निर्देश दिया है कि किसी भी नए या संदिग्ध व्यक्ति की गतिविधि की जानकारी तत्काल अधिकारियों को दें। इसके अलावा मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर उनकी कार्यक्षमता तय करें। सुरक्षा के मद्देनजर बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त ने शुक्रवार सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक तीन तय स्थानों के एक किलोमीटर के दायरे में अस्थायी नो-फ्लाई जोन घोषित किया है। इस दौरान ड्रोन और अन्य उड़ने वाली वस्तुओं पर प्रतिबंध रहेगा। पीएम मोदी अपने दौरे की शुरुआत आरए मंदुरकर अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा प्रशिक्षण केंद्र परिसर के हेलीपैड से करेंगे। इसके बाद वे तावरेकेरे मेट्रो स्टेशन का उद्घाटन करेंगे और भारतीय प्रबंधन संस्थान, बेंगलुरु के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इसके बाद पीएम मैसूरु पहुंचकर चामुंडी पहाड़ी की तलहटी में विकसित भारत वन का उद्घाटन करेंगे। यह वन नम्मा मैसूरु, नम्मा कोडुगे पहल के तहत तैयार किया गया है। इसके अलावा वे भारत के पहले झुके हुए गुंबद वाले एलईडी तारामंडल का उद्घाटन करेंगे। भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान और मैसूरु विश्वविद्यालय ने इसे 118 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया है। इसमें करीब 150 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। कार्यक्रमों के बाद पीएम मोदी हवाई अड्डे से भारतीय वायुसेना के विमान से दिल्ली रवाना हो जाएंगे।

ओवैसी-आजाद ने बनाया सामाजिक परिवर्तन मोर्चा

यूपी चुनाव में सीएम का चेहरा होंगे चंद्रशेखर

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने हाथ मिला लिया है। दोनों दलों ने मिलकर सामाजिक परिवर्तन मोर्चा के नाम से चुनाव लड़ने का ऐलान किया है, जिसमें चंद्रशेखर आजाद को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया गया है। यह गठबंधन राज्य की करीब 150 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगा।

जानकारी के अनुसार, ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद के बीच लखनऊ में करीब ढाई घंटे तक गहन बैठक चली, जिसके बाद इस गठबंधन पर सहमति बनी। इस सीट बंटवारे के तहत, आजाद समाज पार्टी 100 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि एआईएमआईएम 50 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। गठबंधन की औपचारिक घोषणा बृहस्पतिवार को लखनऊ में एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में की जाएगी, जहां दोनों नेता इसकी विस्तृत जानकारी साझा करेंगे। इसके अलावा, 26 नवंबर को लखनऊ के रमाबाई अंबेडकर मैदान में होने वाली एक विशाल रैली में असदुद्दीन ओवैसी भी शामिल होंगे, जो गठबंधन की शक्ति प्रदर्शन का मंच होगा।

गठबंधन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए, चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि उनका मुख्य प्रयास युवाओं, किसानों तथा समाज के कमजोर और वंचित वर्गों को मजबूत करना है। उन्होंने जोर दिया कि गरीबों के अधिकारों का हनन रोकने के लिए जो भी आवश्यक होगा, वह किया जाएगा। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा, जो भी है, आपके सामने आ जाएगा। दोनों नेताओं का मानना है कि यह गठबंधन प्रदेश में सामाजिक न्याय की नई राजनीति की शुरुआत करेगा। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब समाजवादी पार्टी और कांग्रेस जैसे बड़े दलों ने उत्तर प्रदेश में विपक्षी गठबंधन में एआईएमआईएम को शामिल करने के ओवैसी के प्रस्ताव में कोई खास दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। ओवैसी ने इन पार्टियों को 2 अक्टूबर तक इस संबंध में फैसला लेने का समय दिया था, लेकिन उन्हें कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला था। अब ओवैसी और



चंद्रशेखर आजाद का साथ आना प्रदेश की राजनीति में एक संभावित तीसरे मोर्चे की पहल के रूप में देखा जा रहा है। इस नए गठबंधन की नजर विशेष रूप से राज्य के बड़े दलित और अल्पसंख्यक मतदाता वर्ग पर है, जो इसे चुनावी समीकरणों में महत्वपूर्ण बना सकता है। फिलहाल, गठबंधन में अन्य छोटे दलों के शामिल होने की संभावना को लेकर स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है।

अजित पवार प्लेन क्रैश: एनसीपी के शक ने महाराष्ट्र में मचाई खलबली

मुंबई ,एजेंसी। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रदेश प्रवक्ता उमेश पाटिल ने महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी चीफ मिनिस्टर अजित पवार के प्लेन क्रैश को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। पाटिल ने इस हादसे को कोई साधारण घटना नहीं, बल्कि एक सोची समझी साजिश करार दिया है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनके पास इस दावे को साबित करने वाला कोई पुख्ता सबूत फिलहाल मौजूद नहीं है। महाराष्ट्र के विभिन्न हलकों में इस क्रैश को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं, और सरकारी जांच एजेंसियां मामले की गहनता से पड़ताल कर रही हैं। पाटिल ने अपनी गट फीलिंग के आधार पर कहा, मेरे हिसाब से अजित दादा के साथ जो हुआ, वह हादसा नहीं बल्कि साजिश थी। उन्होंने आगे बताया कि वे और पार्टी के कई सहयोगी पिछले 20 से 25 सालों से अजित पवार से जुड़े रहे हैं। अलग-अलग घटनाओं और परिस्थितियों को एक साथ जोड़ने पर उन्हें लगता है कि इसमें साजिश की पूरी संभावना है। पाटिल ने जोर देकर कहा कि प्लेन क्रैश के तकनीकी पहलुओं की पूरी जांच किए बिना किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। उन्होंने माना कि क्रैश की परिस्थितियों पर उनके भी कुछ सवाल हैं, लेकिन जांच काफी आगे बढ़ने के बाद ही कुछ और कहना सही होगा। यह घटना 28 जनवरी 2026 की है, जब अजित पवार मुंबई से बारामती के लिए रवाना हुए थे। वे जिले की जिला परिषद चुनाव की रैलियों को संबोधित करने वाले थे। वे दिल्ली की एक निजी चार्टर कंपनी वीएसआर वेंचर्स के बमबार्डियर लियरजेट 45 में सवार थे। विमान में अजित पवार समेत कुल पांच लोग यात्रा कर रहे थे। विमान ने सुबह करीब 8:10 बजे मुंबई के छत्रपति शिवाजी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। बारामती एयरपोर्ट पर कम विजिबिलिटी के कारण पहली लैंडिंग की कोशिश असफल रही। दूसरी कोशिश के दौरान विमान रनवे थ्रेशोल्ड के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें भीषण आग लग गई। इस दुखद हादसे में विमान में सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी।

गुस्से में बोले अन्ना हजारे- मेरा भाजपा-आरएसएस से कोई लेना-देना नहीं

मुंबई , एजेंसी। कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी की किताब बीलॉन्गिंग-ए जर्नी ऑफ लव में किए गए दावों को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने उन दावों का खंडन किया है जिनमें कहा गया है कि उनके इंडिया अगेंस्ट करप्शन आंदोलन को भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गुप्त समर्थन हासिल था। हजारे ने साफ किया है कि उनका इन दोनों संगठनों से कोई लेना-देना नहीं है और जिम्मेदार व्यक्ति को जिम्मेदारी के साथ बात करनी चाहिए।

सोनिया गांधी ने अपनी किताब में लिखा है, 2012 में महाराष्ट्र के एक जाने-माने कार्यकर्ता बाबूराव अन्ना हजारे इंडिया अगेंस्ट करप्शन नामक आंदोलन का मुख्य चेहरा बनकर उभरे थे। इस आंदोलन में हिस्सा लेने वाले कुछ प्रमुख लोगों ने बाद में कहा कि भाजपा और आरएसएस ने इस आंदोलन को पर्दे के पीछे से आयोजित किया था और समर्थन दिया था।

इन दावों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए अन्ना हजारे ने कहा, यह गलत है। मेरा भाजपा या आरएसएस से कोई लेना-देना नहीं है। मैं उनके कार्यक्रमों में हिस्सा नहीं लेता। मेरा देश मेरी प्राथमिकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह जो कुछ भी करते हैं, समाज और देश की भलाई के लिए करते हैं और उनका किसी भी राजनीतिक दल से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने सोनिया गांधी के इस दावे पर भी सवाल उठाए कि उनके आंदोलन की वजह से मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार 2014 के लोकसभा चुनाव हार गई थी। अन्ना ने कहा, न तो वह अन्ना हजारे से कभी मिली हैं और न ही मैंने अब तक उनसे मुलाकात की है। एक-दूसरे से मिले बिना ही कोई टिप्पणी कर देना, यह कहां तक उचित है? उन्होंने सलाह दी कि एक जिम्मेदार व्यक्ति को जिम्मेदारी से बोलना चाहिए और अस्पष्ट तरीके से बात करना ठीक नहीं है, क्योंकि इससे संबंधित व्यक्ति की छवि खराब होती है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, इंसान जैसे चश्मे पहनता है, दुनिया उसे उसी रंग की दिखाई देती है।

इस बीच, भाजपा ने भी सोनिया गांधी पर पलटवार करते हुए आरोप लगाए हैं कि उन्होंने प्रधानमंत्री पद छोड़कर सुपर प्रधानमंत्री बनने के लिए त्याग किया था। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, क्या गजब का महात्याग था कि प्रधानमंत्री का पद छोड़कर वह सुपर पीएम बन गईं। उन्होंने सवाल उठाया कि दुनिया में त्याग का ऐसा उदाहरण कहीं नहीं मिलेगा, जहां प्रधानमंत्री पद छोड़कर कैबिनेट मंत्री का दर्जा स्वीकार किया गया हो। त्रिवेदी ने राष्ट्रीय सलाहकार परिषद (एनएसी) की अध्यक्ष पद का जिक्र करते हुए कहा कि यह कैबिनेट मंत्री का दर्जा और वह भी लाभ के पद के साथ था। उन्होंने आरोप लगाया कि विवाद उठने पर सोनिया गांधी को



इस्तीफा देना पड़ा और बाद में उनके नेतृत्व में मनमोहन सिंह सरकार ने नियम बदलकर एनएसी अध्यक्ष पद को लाभ के पद के दायरे से बाहर कर दिया। उधर, तेलंगाना कांग्रेस सोनिया गांधी की इसी किताब पर आधारित एक तेलुगु फिल्म बनाने की तैयारी में है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सेल्फ-गोल टैलेंट अपनी मां से विरासत में पाया

सोनिया गांधी की बायोग्राफी को लेकर बीजेपी नेता कंगना ने उठाए कई सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी । अभिनेत्री और बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने सोनिया गांधी की बायोग्राफी को लेकर कई सवाल उठाए हैं। सोनिया गांधी की बायोग्राफी को सेल्फ-गोल बताते हुए कंगना ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और कहा कि उन्होंने अपना सेल्फ-गोल टैलेंट अपनी मां से विरासत में पाया है। कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर ये बातें लिखीं, जिनमें उन्होंने राजीव गांधी की मौत, मेनका गांधी के परिवार से अलग होने और सोनिया गांधी की नागरिकता को लेकर टिप्पणी की।

कंगना ने स्विस बैंक खातों को लेकर बिना सबूत के आरोप भी लगाए। पहली स्टोरी में कंगना ने लिखा, सोनिया गांधी की बायोग्राफी एक ऐसा सेल्फ-गोल है। वह बताती हैं कि राजीव गांधी की मौत वाले दिन थकान और सुस्ती जैसे कारणों का हवाला देते हुए वे उनके साथ जाने से कैसे बचीं। तो अब हमें पता चल गया कि राहुल गांधी को अपना सेल्फ-गोल टैलेंट कहां से मिला है। उन्हें यह अपनी मम्मी से मिला है। उन्होंने अगली स्टोरी में लिखा- राजीव सिर्फ एक शर्त पर सोनिया गांधी के पास



वापस आने के लिए सहमत हुए। मेनका को जाना होगा। यह मेनका के लिए भी चौंकाने वाला था, खासकर इसलिए क्योंकि इसी समय, संजय की मौत के बाद, सोनिया गांधी ने भारत में 15 साल रहने के बाद भारतीय नागरिकता हासिल करने का फैसला किया।

कंगना ने जिक्र किया कि मेनका गांधी कहती हैं कि वह और इंदिरा गांधी दोनों एक तीसरे व्यक्ति की शिकार थीं। उन्होंने लिखा- वह तीसरा व्यक्ति कौन था? 22 साल की विधवा मेनका को बताया गया कि उन्हें जाना होगा और वह दूसरों के साथ एक ही टेबल पर बैठ भी नहीं सकतीं। सोनिया गांधी अपनी बायोग्राफी में बताती हैं कि ऐसा इसलिए था क्योंकि मेनका के विपक्ष में दोस्त थे। लेकिन हर कोई जानता है कि राजीव गांधी को राजनीति में दिलचस्पी भी नहीं थी और वह प्रधानमंत्री की भूमिका में जबरन लाए जाने के बारे में काफी खुले थे। तो मेनका को बाहर कौन चाहता था?

कंगना ने लिखा- अपने पूरे जीवन में एक भी पैसा कमाए बिना वह 1991 में दुनिया की सबसे अमीर महिला कैसे बन गईं? कथित तौर पर उनके नाम पर स्विस खातों में दो अरब डॉलर से ज्यादा रखे गए थे। वाह! परिवार के सभी लोगों की मौत के बाद कथित तौर पर गरीब, सहानुभूति मांगने वाली इतालवी विधवा अचानक अरबपति कैसे बन गईं? उनकी बायोग्राफी इसे स्पष्ट क्यों नहीं करती?

धनखड़ की तबीयत बिगड़ने पर महुआ बोलीं- मोदी सरकार रहते सुबह की सैर से बचें

नई दिल्ली, एजेंसी । पूर्व उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के पूर्व सभापति जगदीप धनखड़ की तबीयत बिगड़ने पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की, लेकिन इस दौरान दिल्ली के प्रदूषण को लेकर केंद्र और दिल्ली सरकार पर सियासी तंज भी कस दिया। उन्होंने सलाह दी कि जब तक मोदी सरकार सत्ता में है, धनखड़ को सुबह की सैर से बचना चाहिए। दरअसल, 75 वर्षीय जगदीप धनखड़ बुधवार को सुबह की सैर के दौरान अचानक बेहोश हो गए थे। इसके बाद उन्हें दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया। सूत्रों के मुताबिक, उनका कार्डियो-न्यूरो सेंटर में इलाज चल रहा है। गुरुवार सुबह महुआ मोइत्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर धनखड़ की तबीयत से जुड़ी खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

एससी-एसटी आरक्षण बढ़ाने कर्नाटक सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

हाईकोर्ट के आरक्षण बढ़ाने वाले कानून को रद्द करने के फैसले को दी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी । कर्नाटक में एससी-एसटी आरक्षण बढ़ाने के मामले में राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सरकार ने कर्नाटक हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें आरक्षण बढ़ाने वाले कानून को रद्द कर दिया गया था। सरकार चाहती है कि एससी और एसटी के लिए आरक्षण बढ़े और इसे संवैधानिक सुरक्षा मिले। साल 2022 में कर्नाटक की तत्कालीन बीजेपी सरकार ने कानून बनाकर अनुसूचित जाति (एससी) का आरक्षण 15फीसदी से बढ़ाकर 17फीसदी और एसटी आरक्षण 3फीसदी से बढाकर 7फीसदी कर दिया था। इस तरह राज्य में कुल आरक्षण 50 फीसदी से बढ़कर 56 फीसदी हो गया था। हालांकि, 12 अक्टूबर को कर्नाटक हाईकोर्ट ने इस कानून को असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने कहा कि आरक्षण की सीमा 50फीसदी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। इसके लिए 1992 में इंदिरा साहनी मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया गया। साथ ही कानून बनाने से पहले राष्ट्रीय एससी और एसटी आयोगों से सलाह नहीं लेने को भी प्रक्रिया में कमी माना गया। कर्नाटक के मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि सरकार बढ़े हुए आरक्षण को बचाने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ेगी। इसके साथ ही केंद्र सरकार के सामने भी यह मामला उठाया जाएगा। राज्य सरकार ने फरवरी 2026 में 56,432 खाली पदों को भरने की मंजूरी दी थी। इसमें बढ़े हुए आरक्षण के तहत एससी-एसटी के लिए तय अतिरिक्त 6फीसदी पदों को कोर्ट का अंतिम फैसला आने तक बैकलॉग श्रेणी में सुरक्षित रखा गया है। इससे पहले 18 दिसंबर 2025 को कर्नाटक विधानसभा ने प्रस्ताव पारित कर केंद्र से 56फीसदी आरक्षण को संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल करने की मांग की थी। सरकार ने इसके लिए तमिलनाडु में लागू 69फीसदी आरक्षण का उदाहरण दिया था। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने आरोप लगाया कि तत्कालीन बीजेपी सरकार ने 2022-23 में चुनाव से पहले आरक्षण बढ़ाने का कानून तो बना दिया लेकिन इसे संवैधानिक सुरक्षा दिलाने के लिए कोई जरूरी कदम नहीं उठाया। वहीं, केंद्र सरकार ने जुलाई 2026 में संसद को बताया था कि मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन होने के कारण 56फीसदी आरक्षण को नौवीं अनुसूची में शामिल करने का प्रस्ताव फिलहाल रोका गया है।

जलजमाव की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने एनएच-33 किया जाम, तीन घंटे बाद हटा जाम

सांसद विजय कुमार हांसदा ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को दिया समस्या के समाधान का आश्वासन

बिभा संवाददाता





उधवा। राधानगर थाना क्षेत्र के पतौड़ा अंतर्गत पहाड़गांव ईदगाह मोड़ के समीप सरकारी सड़क पर लंबे समय से जलजमाव की समस्या से परेशान दर्जनों ग्रामीणों ने गुरुवार को उधवा-राजमहल एनएच-33 को बांस-बल्ला लगाकर जाम कर दिया। ग्रामीणों के सड़क जाम करने से एनएच के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। इससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। जिससे राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने बताया कि फोरलेन सड़क निर्माण के बाद जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं की गई है। इसके कारण सरकारी सड़क पर लंबे समय से पानी जमा रहता है। जलजमाव के कारण स्थानीय लोगों को आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग को लेकर ग्रामीणों ने बीते 6 नवंबर को राधानगर थाना में लिखित आवेदन भी दिया था। हालांकि अबतक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। सड़क जाम की सूचना मिलते ही राधानगर थाना के एसआई गजाधर कुमार पासवान एवं एएसआई प्रभाशंकर दुबे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को समझाकर जाम हटाने का प्रयास किया। लेकिन ग्रामीण समस्या के समाधान की मांग पर अड़े रहें। करीब तीन घंटे बाद राजमहल सांसद विजय कुमार हांसदा मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और जल्द समाधान कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने सड़क जाम हटा लिया और आवागमन सामान्य हुआ। मौके पर शाकीर शेख,दुरुद शेख,सफीक शेख,रमजान शेख,जाहिद आलम सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

छठ महापर्व को लेकर राजमहल के गंगा घाटों पर तैयारियां तेज, सांसद ने किया निरीक्षण



बिभा संवाददाता

राजमहल । लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर राजमहल अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न गंगा घाटों पर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में राजमहल के सांसद विजय कुमार हांसदा ने विभिन्न छठ घाटों का दौरा कर तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वही निरीक्षण के दौरान सांसद ने घाटों की वर्तमान स्थिति, साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, पहुंच पथ, रोशनी, पेयजल एवं सुरक्षा व्यवस्था सहित छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने छठ महापर्व के दौरान गंगा घाटों पर उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए आवश्यक तैयारियों की जानकारी भी ली। वही सांसद ने कहा कि छठ महापर्व क्षेत्र के लोगों की आस्था और विश्वास से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। इस दौरान बड़ी संख्या में व्रती एवं श्रद्धालु गंगा घाटों पर पहुंचकर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। ऐसे में घाटों पर बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करना आवश्यक है, ताकि किसी भी व्रती या श्रद्धालु को परेशानी का सामना न करना पड़े। वही उन्होंने घाटों पर नियमित साफ-सफाई, पहुंच पथ को व्यवस्थित रखने तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पर्याप्त रोशनी, पेयजल और सुरक्षा के इंतजाम दुरुस्त रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि छठ के दौरान सुबह और शाम दोनों समय श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। इसलिए उनकी सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी तैयारियां समय रहते पूरी की जानी चाहिए। वही इस दौरान सांसद ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित पदाधिकारियों से घाटों की व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने छठ महापर्व को शांतिपूर्ण, स्वच्छ एवं व्यवस्थित माहौल में संपन्न कराने के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करने की अपील की। साथ ही कहा कि छठ व्रतियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी संबंधित लोग अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करें। वही निरीक्षण के दौरान सांसद प्रतिनिधि सामू हेंब्रम, कार्यपालक पदाधिकारी दानिश हुसैन, नगर अध्यक्ष मो. केताबुद्दीन, झामुमो नगर अध्यक्ष मो. अजरूद्दीन उर्फ आजाद, नगर प्रबंधक वीरेश कुमार, जितेश कुमार चौधरी, किशन बर्मन एवं झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अनिसुर रहमान सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

बाइक की चपेट में आने से दो वर्षीय मासूम की मौत,गांव में पसरा मातम

उधवा(बिभा) । राधानगर थाना क्षेत्र के दक्षिण पियारपुर पंचायत अंतर्गत बड़ा आकुनबन्ना गांव में बुधवार की शाम बाइक की चपेट में आने से दो वर्षीय मासूम बालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। हादसे से आक्रोशित परिजनों एवं ग्रामीणों ने बाइक चालक को पकड़कर बंधक बना लिया। मिली जानकारी के अनुसार प्राणपुर की ओर से एक व्यक्ति बाइक लेकर इंग्लिश नासघाट की तरफ जा रहा था। इसी दौरान बड़ा आकुनबन्ना गांव के समीप मासूम बालक अचानक बाइक की चपेट में आ गया। हादसा इतना गंभीर था कि बालक बाइक के साथ करीब चार मीटर तक घसीटता चला गया। इससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक मासूम शेख का दो वर्षीय पुत्र बताया जा रहा है। घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। आक्रोशित परिजनों एवं ग्रामीणों ने बाइक चालक को पकड़कर अपने कब्जे में रखा। घटना की सूचना मिलते ही राधानगर थाना की एएसआई गुलनाज बेगम दलबल के साथ मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझा-बुझाकर बाइक चालक को उनके कब्जे से मुक्त कराया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। इधर,घटना को लेकर पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। समाचार लिखें जाने तक पीड़ित परिवार की ओर से प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए आवेदन नहीं दिया गया था।

एंबुलेंस चालकों ने बकाया मानदेय को लेकर दी 18 नवंबर से हड़ताल की चेतावनी



रांची(बिभा)। झारखंड की 108 एम्बुलेंस सेवा में वेतन भुगतान और संचालन को वेतन भुगतान समय पर नहीं होने सहित अन्य मांगों को लेकर हडताल करने की चेतावनी दी है। इस संबंध में झारखंड प्रदेश एम्बुलेंस कर्मचारी संघ ने सम्मान फाउंडेशन पर कर्मचारियों का तीन माह का वेतन रोकने, मनमानी कटौती और संदिग्ध भुगतान दस्तावेज प्रस्तुत करने का आरोप लगाते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक से उच्चस्तरीय जांच की मांग की। संघ के प्रदेश अध्यक्ष नीरज तिवारी ने गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि अगस्त से अक्टूबर 2026 तक तीन माह से कर्मचारियों का वेतन भुगतान बकाया है। फरवरी 2025 से लगातार वेतन कटौती की शिकायतें भी मिल रही हैं। आरोप है कि खराब एम्बुलेंस को कागजों पर चालू दिखाकर सरकारी भुगतान लिया जा रहा है। नीरज तिवारी ने बताया कि अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने छठ तक समाधान का आश्वासन दिया था। संघ ने चेतावनी दी है कि 17 नवंबर 2026 तक मांगें पूरी नहीं हुईं तो 18 नवंबर 2026 से राज्यभर के 108 एम्बुलेंस कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। इससे आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा प्रभावित होने की आशंका है। वहीं, 16 अक्टूबर 2026 को स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में कंपनी ने कर्मचारियों के नाम पर लाखों रुपये के भुगतान दस्तावेज प्रस्तुत किए, जबकि संबंधित कर्मचारियों के खातों में राशि नहीं पहुंची। संघ ने फर्जी केस आईडी बनाने के दबाव और निजी पैसे से एम्बुलेंस मरम्मत कराने की शिकायत भी की है। मांगों में बकाया वेतन भुगतान, कटौती की जांच और दोषियों पर कार्रवाई करना सहित अन्य शामिल है।

छठ महापर्व की धूम : गंगा तटों पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, 'नहाय-खाय' के साथ अनुष्ठान शुरू

राजमहल अनुमंडल के कई प्रखंडों में चार दिवसीय छठ महापर्व का विधिवत शुभारंभ





बिभा संवाददाता

राजमहल । आस्था, श्रद्धा और प्रकृति के प्रति समर्पण का महापर्व छठ राजमहल अनुमंडल क्षेत्र के कई प्रखंडों में गुरुवार की सुबह पवित्र 'नहाय-खाय' विधि के साथ शुरू हो गया। इसी के साथ चार दिवसीय छठ अनुष्ठान का विधिवत शुभारंभ हो गया। वही सूर्य देव घाट स्थित उत्तरवाहिनी मां गंगा नदी तट पर व्रतियों ने स्नान कर अनुष्ठान का प्रारंभ किया और सूर्यदेव की आराधना में लीन हो गए। सुबह से ही सूर्य देव घाट, उत्तरवाहिनी मां गंगा नदी तट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। काली घाट, बजरंग घाट सहित क्षेत्र के सभी गंगा घाटों पर श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाने के लिए पहुंचे।साथ ही पारंपरिक वेशभूषा में महिलाएं गंगाजल लेकर स्नान करती और सूर्यदेव की आराधना करती दिखीं। घाटों पर भक्तिमय माहौल देखते ही बन रहा था। 'नहाय-खाय' की परंपरा के अनुसार, व्रतियों ने स्नान के बाद शुद्धता का पालन करते हुए अरवा चावल, लौकी की सब्जी और गुड़ से बना प्रसाद ग्रहण किया। वही इस विधि के संपन्न होते ही घरों में छठ गीतों की गूंज सुनाई देने लगी, जिससे पूरे क्षेत्र में पर्व का उल्लास और भक्तिमय वातावरण छा गया। इस बीच पूजा स्थलों की साफ-सफाई और घाटों को सजाने का कार्य भी तेजी से चल रहा है। वही स्थानीय लोगों के अनुसार, सूर्य देव घाट स्थित उत्तरवाहिनी मां गंगा नदी तट और गोदारा घाट पर भी हर साल बड़ी संख्या में श्रद्धालु छठ पूजा के लिए आते हैं। प्रशासन द्वारा भी श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सुरक्षा और साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था की जा रही है, ताकि किसी को किसी प्रकार की असुविधा न हो।उल्लेखनीय है कि छठ महापर्व चार दिनों तक चलता है, जिसमें नहाय-खाय के बाद खरना, फिर संध्या अर्घ्य और अंत में उषा अर्घ्य के साथ व्रतियों द्वारा सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित किया जाता है। यह पर्व प्रकृति, सूर्य और जल के प्रति श्रद्धा का प्रतीक है, जिसे लोक आस्था का महापर्व भी कहा जाता है।

जेटेट अभ्यर्थियों ने विधायक को ज्ञापन देकर समस्याओं की दी जानकारी

रांची। जेटेट-2026 परीक्षा में तकनीकी और प्रशासनिक त्रुटियों पर झारखंड प्रशिक्षित शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष चंदन कुमार के नेतृत्व में अभ्यर्थियों ने गुरुवार को झारखंड अधिविद्य परिषद (जैक), रांची परिसर में कोलेबिरा विधायक विक्सल कोंगाड़ी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के जरिए अभ्यर्थियों ने ओएमआर शीट में प्रश्न-पुस्तिका की बुकलेट सीरीज (एस,टी,यू,वी) से संबंधित गड़बड़ी का मामला उठाया। इसके अलावा ऑनलाइन आवेदन फॉर्म और प्रवेश पत्र में दर्ज विभिन्न त्रुटियों की ओर भी विधायक का ध्यान आकृष्ट कराया। अभ्यर्थियों का कहना था कि इन तकनीकी और प्रशासनिक गलतियों के लिए परीक्षार्थियों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए। इनका असर किसी भी अभ्यर्थी के परिणाम और भविष्य पर नहीं पड़ना चाहिए। इस अवसर पर विधायक विक्सल कोंगाड़ी ने प्रतिनिधिमंडल की बातों पर तत्काल जैक के सचिव से दूरभाष पर वार्ता कर समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक पहल की। उन्होंने अभ्यर्थियों की मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया। वहीं मौके पर झारखंड प्रशिक्षित शिक्षक संघ ने विधायक के हस्तक्षेप के लिए आभार जताया।

आज नहाय-खाय के साथ शुरू होगा सूर्य षष्ठी का महापर्व



बिभा संवाददाता

साहेबगंज। प्रकृति उपासना, आस्था, विश्वास के पर्व छठ पर्व का रंग बाजारों पर चढ़ने लगा है। छठी मइया के गीतों के साथ ही लोग इसकी तैयारी में पूरे मनोयोग से जुट गए हैं। सूर्य षष्ठी के चार दिनी इस महापर्व को लेकर विभिन्न क्षेत्रों में लोग काफी उत्साहित हैं। कोई छठ घाट की सफाई करते तो कोई जलाशयों की सफाई करता नजर आ रहा है। शुक्रवार से नहाय खाय के साथ चार दिवसीय इस छठ की शुरूआत होगी। पहले दिन व्रती महिलाएं लौकी-भात खाती हैं। 14 नवंबर को खरना, 15 को अस्ताचलगामी व क16 को उदीयमान सूर्य को अ?र्घ्य दिया जाएगा। महापर्व शुरू होने के से पहले ही लोग अपने जान - पहचान वालों के यहां लौकी का इंतजाम करने लगे हैं। महिलाएं जहां अपने घरों में स्वच्छता अपनाने पर जोर देती नजर आईं वहीं पुरुष वर्ग पूजन के लिए गंगा, नदियों, तालाबों के पास पहुंचकर वेदी बनाने के स्थल को देखा। वहीं शुक्रवार से कद्दू भात के साथ ही चार दिवसीय छठ अनुष्ठान शुरू हो जाएगा। इसे लेकर शुक्रवार को कद्दू की खरीदारी के लिए बाजार में भीड़ लगी रही।

दउरा को अंतिम रूप देने में जुटे लोग

सूर्योपासना के महापर्व डाला छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू होगा। इस दिन विभिन्न क्षेत्रों में व्रती महिलाएं सरोवर में स्नान करके पूरी शुद्धि के साथ घर में पकवान बनाएंगी। लौकी-भात खाकर अनुष्ठान को शुरू करेंगी। छठ पूजा से संबंधित अन्य सामानों की खरीदारी करने के लिए बाजारों में लोगों की भीड़ हो रही है। इसके साथ ही दउरा, सूप व कपड़ा समेत अन्य सामानों की खरीदारी में लोग मशगूल रहे। कौन-कौन सा सामान खरीदना है, इसके लिए लोग सूची लेकर दुकान पर पहुंचे थे। फल की दुकानों पर भी काफी भीड़ दिखी।

मनरेगा योजनाओं की सामाजिक अंकेक्षण जनसुनवाई में 16 पंचायतों की हुई समीक्षा

बिभा संवाददाता



उधवा । मनरेगा योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में क्रियान्वित योजनाओं के प्रखंड स्तरीय सामाजिक अंकेक्षण को लेकर गुरुवार को उधवा प्रखंड सभागार कक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। इस दौरान प्रखंड की कुल 16 पंचायतों में संचालित मनरेगा योजनाओं से संबंधित मामलों की समीक्षा की गई। जनसुनवाई के दौरान मोहनपुर पंचायत, दक्षिण पलाशगाछी, सुतियारपाड़ा, मसना, उत्तर पलाशगाछी, जोंका, पतौड़ा, दक्षिण पियारपुर, श्रीधर दियारा, कटहलबाड़ी, दक्षिण सरफराजगंज, पश्चिमी प्राणपुर, पश्चिमी उधवा, पश्चिमी उधवा दियारा, उत्तर पियारपुर एवं उत्तर सरफराजगंज पंचायतों में वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान मनरेगा के तहत कराए गए कार्यों का सामाजिक अंकेक्षण किया गया। इस दौरान योजनाओं के क्रियान्वयन एवं अंकेक्षण से संबंधित बिंदुओं पर चर्चा की गई। मौके पर बीडीओ जयंत कुमार तिवारी, सामाजिक अंकेक्षण के राज्य स्तरीय प्रतिनिधि अनंत कुमार, डीआरपी साहेबगंज शंकर दास, अंकेक्षण दल के सदस्य मनोज मुर्मू, ग्राम प्रधान साहेब राम मुर्मू,स्वयं सहायता समूह सदस्य, सुशीला मोहली,मनरेगा बीपीओ प्रियरंजन कुमार, सत्यप्रकाश,लेखा सहायक प्रीतम साहा,सहायक अभियंता विकास चौधरी, कनीय अभियंता दिलीप साह,रंजन कुमार, मनोज कुमार मंडल,कुलदीप रजक तथा ग्राम रोजगार सेवक गोपाल साहा,उत्तम रजक, सर्वोदय रंजन,अशोक कुमार सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

महाराजपुर गंगा घाट पर छठ की तैयारियां तेज, कटाव रोकने के लिए बोरियों में भरी जा रही मिट्टी

शहर में छठ घाटों की तैयारी तेज, ग्रामीण घाटों की सुध लेने वाला कोई नहीं

ग्रामीण छठ घाटों पर प्रशासनिक पहल नदारद, ग्रामीणों में आक्रोश





बिभा संवाददाता

तालझारी। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर महाराजपुर गंगा घाट पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए घाट को दुरुस्त करने का काम युद्धस्तर पर कराया जा रहा है। जेसीबी मशीन के साथ मजदूरों को लगाकर घाट की साफ-सफाई, समतलीकरण और निर्माण कार्य किया जा रहा है। वहीं, गंगा नदी के लगातार हो रहे कटाव को रोकने के लिए भी विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं कटाव प्रभावित स्थानों पर मजदूरों द्वारा बोरियों में मिट्टी भरकर लगाया जा रहा है, ताकि गंगा की तेज धारा से घाट को होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। घाट की सुरक्षा और छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो, इसके लिए मजदूर लगातार काम में जुटे हुए हैं। हालांकि, छठ घाटों की तैयारियों को लेकर एक दूसरा पहलू भी सामने आ रहा है। मुख्य साहेबगंज, राजमहल, बरहरवा घाट पर निर्माण कार्य भले ही तेजी से कराया जा रहा हो, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों के अन्य गंगा घाटों की स्थिति को लेकर अब भी सवाल बने हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस बार भी ग्रामीण छठ घाटों को प्रशासन ने ग्रामीणों के भरोसे ही छोड़ दिया है। इन घाटों पर न तो पर्याप्त सरकारी व्यवस्था नजर आ रही है और न ही प्रशासनिक स्तर पर उसी तरह की सक्रियता दिखाई दे रही है, जैसी मुख्य घाट पर देखने को मिल रही है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में छठ पूजा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा घाटों पर पहुंचते हैं। ऐसे में घाटों की साफ-सफाई, पहुंच पथ की मरम्मत, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा और नदी किनारे बैरिकेडिंग जैसी बुनियादी सुविधाएं बेहद जरूरी हैं। गंगा के जलस्तर और कटाव को देखते हुए ग्रामीण घाटों पर भी विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। सवाल यह है कि क्या छठ महापर्व की तैयारियां केवल नगर क्षेत्र घाटों तक ही सीमित रहेंगी? ग्रामीण क्षेत्रों के श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा की जिम्मेदारी भी प्रशासन की ही है। ऐसे में स्थानीय लोगों की मांग है कि नगर के घाट के साथ-साथ सभी ग्रामीण छठ घाटों का भी निरीक्षण कराकर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि किसी भी व्रती या श्रद्धालु को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। आस्था के इस महापर्व में हर घाट महत्वपूर्ण है। ऐसे में जरूरी है कि प्रशासन मुख्य घाट के साथ ग्रामीण छठ घाटों की सुध भी ले।

दीपावली के बाद छठ पूजा की तैयारी में जुटा व्रती व प्रशासन

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । दीपों का त्योहार दीपावली खत्म होते ही प्रशासनिक महकमा अब लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा की तैयारी में जुट गया है। शहर के प्रमुख छठ घाटों की साफ-सफाई और बैरिकेटिंग का काम शुरू कर दिया गया है। वहीं छठ महापर्व का चार दिवसीय अनुष्ठान शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो जायेगा। शनिवार को उपवास रख व्रती खरना पूजन करेंगे। भगवान भास्कर को पहला अर्घ्य रविवार शाम में दिया जायेगा। और सोमवार को प्रातःकाल उदयीमान सूर्य को अर्घ्य दिया जायेगा। इसके साथ ही चार दिवसीय अनुष्ठान पूरा होगा। इसको लेकर हर घर में लोग तैयारियों में जुट गये हैं। कोई मन्नत पूरी होने पर तो कोई मन्नत पूरी होने की आस लेकर इस अनुष्ठान को पूरी आस्था के साथ सम्पन्न करेंगे।

ग्रामीण छठ घाट को फिर छोड़ा

प्रशासन की ओर से शहरी क्षेत्र के छठ घाटों पर तैयारी तो शुरू कर दी गयी है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों के छठ घाटों को इस बार फिर ग्रामीणों के भरोसे ही छोड़ दिया है। शहरी क्षेत्र के छठ घाटों की बैरिकेटिंग और साफ-सफाई तो शुरू कर दी गयी है, मगर ग्रामीण छठ घाटों पर प्रशासन की ओर से अबतक कुछ तैयारी नहीं दिख रही है। ग्रामीण अपने भरोसे छठ घाटों की साफ- सफाई कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र के एक भी छठ घाटों पर प्रशासनिक स्तर से अबतक किसी तरह की चहलकदमी नहीं दिख रही है। न तो खतरनाक छठ घाटों को चिन्हित किये जाने की सूचना है और ना ही बैरिकेटिंग और साफ-सफाई की। इसको लेकर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों में प्रशासन के प्रति मायूसी दिख रही है। ग्रामीण क्षेत्र के छठ घाटों की उपेक्षा से लोगों में आक्रोश पनप रहा है। लोगों ने प्रशासनिक अधिकारियों से ग्रामीण क्षेत्र के छठ घाटों पर सुविधा मुहैया कराने की मांग की है।

संक्षिप्त डायरी

अटल घाट और अटल वाटिका का लोकार्पण करेंगे मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, कार्यक्रम की तैयारी पूरी

एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी गुरुवार को सारण जिले के मांझी स्थित रामघाट पर करीब साढ़े नौ करोड़ रुपये की लागत से बने अटल घाट और अटल वाटिका का लोकार्पण करेंगे। इस दौरान पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण भी किया जाएगा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी गुरुवार को सारण जिले के मांझी स्थित रामघाट पर नवनिर्मित अटल घाट और अटल वाटिका का लोकार्पण करेंगे। इस दौरान वे पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की आदमकद प्रतिमा का भी अनावरण करेंगे। नमामि गंगे परियोजना के तहत करीब साढ़े नौ करोड़ रुपये की लागत से रामघाट पर अटल घाट और अटल वाटिका का निर्माण कराया गया है। इसके अलावा हनुमानगढ़ी मंदिर परिसर का जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण भी किया गया है। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर पिछले एक पखवाड़े से निर्माण और सजावट के काम तेजी से कराए जा रहे थे। रामघाट तक पहुंचने वाली प्रमुख सड़कों का निर्माण और सौंदर्यीकरण भी कराया गया है। कार्यक्रम को लेकर पूरे इलाके में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बुधवार शाम डीएम वैभव श्रीवास्तव और एसएसपी रौशन कुमार समेत जिले के कई वरिष्ठ अधिकारी कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लेते रहे। घाट पर करीब 250 मजदूर अलग-अलग कामों को अंतिम रूप देने में जुटे थे। कार्यक्रम के संयोजक और सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल भी अपने समर्थकों के साथ तैयारियों की निगरानी करते रहे। संत रामप्रिय दास और रामसेवक दास भी विकास कार्यों में सक्रिय रहे। कार्यक्रम के लिए दलन सिंह उच्च विद्यालय सह इंटर कॉलेज परिसर में सभास्थल बनाया गया है। इसके साथ ही रामघाट को भी आकर्षक ढंग से सजाया गया है। कॉलेज परिसर में दो हेलीपैड तैयार किए गए हैं। यहां से रामघाट तक जाने वाली सड़क को सुरक्षा के लिहाज से जाली और बांस-बल्लियों से घेरा गया है। रास्ते में जगह-जगह होर्डिंग और तोरण द्वार लगाए गए हैं। सड़कों की मरम्मत और साफ-सफाई के साथ पूरे इलाके को भाजपा के झंडों से सजाया गया है। दोपहर 12:30 बजे मांझी पहुंचेंगे मुख्यमंत्री निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी गुरुवार दोपहर करीब 12:30 बजे मांझी पहुंचेंगे। वह लगभग एक घंटे तक कार्यक्रम स्थल पर रहेंगे। उनकी सुरक्षा को लेकर पटना से पहुंची विशेष टीम ने कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा व्यवस्था अपने हाथ में ले ली है। यातायात व्यवस्था को लेकर भी विशेष इंतजाम किए गए हैं। गुरुवार सुबह से मांझी के बलिया मोड़ और मियांपट्टी मोड़ पर भारी वाहनों का परिचालन रोक दिया जाएगा। रेलपुल और जयप्रभा सेतु पर भी पुलिस बल तैनात रहेगा। मुख्यमंत्री मांझी चट्टी के रास्ते रामघाट पहुंचेंगे, जबकि विशिष्ट अतिथियों के लिए बहोरन सिंह के टोला से अलग रास्ता निर्धारित किया गया है।सरयू नदी में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें रहेंगी तैनात कार्यक्रम के दौरान रामघाट और सरयू नदी में सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। नदी में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें तैनात रहेंगी। इसके अलावा क्रूज के माध्यम से भी नदी और आसपास के इलाके की निगरानी की जाएगी। कार्यक्रम के मंच पर अन्य अतिथियों के साथ नगर पंचायत की मुख्य पार्षद और उपमुख्य पार्षद भी मौजूद रहेंगी। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर मांझी चट्टी के बाजार में भी रौनक बढ़ गई है। एनडीए के नेता सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील कर रहे हैं। अटल घाट और अटल वाटिका के लोकार्पण को लेकर स्थानीय लोगों में भी उत्साह देखा जा रहा है।

छठ की खुशियों पर टूटा दुखों का पहाड़! नेपाल में 700 मीटर गहरी खाई में गिरी वैन, 10 लोगों की मौत

एजेंसी

पटना। नेपाल में छठ पर्व पर घर लौट रहे लोगों के साथ दर्दनाक हादसा हो गया. काठमांडू से सलार्ही जा रही यात्रियों से भरी वैन 700 मीटर गहरी खाई में गिर गई. हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन घायल हैं. रक्सौल. लोक आस्था के महापर्व छठ पर अपने घर लौट रहे लोगों की यात्रा दर्दनाक हादसे में बदल गयी. नेपाल के मकवानपुर जिले में गुरुवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में 10 लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये. हादसा भीमफेदी गांवपालिका-6 स्थित चिसापानीगढ़ी के पास हुआ. यहां काठमांडू से सलार्ही की ओर जा रही एक इलेक्ट्रिक वैन अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 700 मीटर नीचे गहरी खाई में जा गिरी. मृतकों में तीन महिलाएं, दो बच्चियां और पांच पुरुष शामिल हैं. बताया जा रहा है कि मृतकों में अधिकांश सलार्ही जिले के निवासी थे. हालांकि, देर तक मृतकों की पहचान सार्वजनिक नहीं की जा सकी थी. सुबह 6:10 बजे हुआ हादसा, खाई में गिरी ईवी मिली जानकारी के अनुसार, मधेस प्रदेश 03-001 ज 0880 नंबर की इलेक्ट्रिक वैन गुरुवार सुबह करीब 6:10 बजे काठमांडू से सलार्ही की ओर जा रही थी. इसी दौरान चिसापानीगढ़ी के पास चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और वैन सड़क से नीचे गहरी खाई में गिर गयी. दुर्घटना इतनी भीषण थी कि वाहन में सवार 10 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी. हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गयी. दुर्घटना की सूचना मिलते ही जिला पुलिस कार्यालय मकवानपुर के पुलिस अधीक्षक श्याम खत्री सहित नेपाल पुलिस और अन्य सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे. बचाव दल ने खाई से निकाले घायल, तीनों की हालत गंभीर सूचना मिलने के बाद बचाव दल खाई में उतरा और घायलों को बाहर निकाला. तीनों घायलों को उपचार के लिए हेटौंडा अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बतायी जा रही है. वहीं, मृतकों के शवों को भी खाई से निकालकर हेटौंडा लाया जा रहा है. भीमफेदी पुलिस चौकी से आठ किलोमीटर दूर है घटनास्थल हादसे का स्थान इलाका प्रहरी कार्यालय भीमफेदी से करीब आठ किलोमीटर उत्तर में स्थित है. पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है. छठ पर्व को देखते हुए बड़ी संख्या में लोग काठमांडू सहित नेपाल के अन्य शहरों से अपने घरों की ओर लौट रहे हैं. ऐसे में इस हादसे ने पर्व से पहले कई परिवारों की खुशियों को मातम में बदल दिया है.

पटना के दो सड़क हादसों में पिता-पुत्र सहित 5 की मौत, ट्रक ने तीन को कुचला

एजेंसी

पटना। पटना में सड़क हादसों का कहर जारी है. पंडारक और पचरुखिया थाना क्षेत्रों में हुए भीषण हादसों में पांच लोगों की जान चली गई, जिनमें पिता-पुत्र भी शामिल हैं. पटना जिले में मंगलवार देर रात और बुधवार सुबह हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में पांच लोगों की मौत हो गयी. पंडारक में ट्रक की टक्कर से ई-रिक्शा पर सवार वार्ड सदस्य और किसान समेत तीन लोगों की जान चली गयी. वहीं, पचरुखिया थाना क्षेत्र में बाइक बिजली के पोल से टकरा गयी, जिससे पिता और सात वर्षीय बेटे की मौत हो गयी. इसके अलावा मोकामा में कार और ई-रिक्शा की आमने-सामने टक्कर में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गये. पंडारक में ट्रक की टक्कर से वार्ड सदस्य समेत तीन की मौत पंडारक थाना क्षेत्र के पैठानीचक प्राथमिक विद्यालय के पास बुधवार सुबह उच्च पथ पर तेज रफ्तार ट्रक ने सब्जी से लदे ई-रिक्शा में टक्कर मार दी. हादसे में पूर्वी पंडारक पंचायत के वार्ड संख्या तीन के वार्ड सदस्य सुरेश प्रसाद (48), किसान लल्लू महतो (40) और 12वीं के छात्र संजीत कुमार (19) की मौत हो गयी. तीनों पैठानीचक गांव के रहने वाले थे. लल्लू महतो की मौत पंडारक अस्पताल में हो गयी, जबकि सुरेश प्रसाद ने बाढ़ अस्पताल ले जाने के दौरान दम तोड़ दिया. गंभीर रूप से घायल संजीत कुमार को पीएमसीएच ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी. हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर फरार हो गया. मुआवजे और गिरफ्तारी की मांग पर चार घंटे तक जाम तीन लोगों की मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे और फरार ट्रक चालक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर उच्च पथ जाम कर दिया. सूचना मिलने पर सीओ अंकित कुमार मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाया. उन्होंने सरकारी सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया. इसके बाद करीब चार घंटे बाद ग्रामीणों ने जाम हटाया.

स्वच्छता में पटना नगर निगम की हैट्रिक, राष्ट्रपति ने दिया स्टेट फर्स्ट स्वच्छ सिटी पुरस्कार

एजेंसी

पटना। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में पटना नगर निगम को स्टेट फर्स्ट स्वच्छ सिटी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यह पुरस्कार प्रदान किया। नगर निगम की टीम ने सफाईकर्मी अमरजीत मांझी और रॉकी पासवान के साथ सम्मान ग्रहण किया।स्वच्छता के क्षेत्र में पटना नगर निगम ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। नई दिल्ली में बुधवार को आयोजित 10वें स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के पुरस्कार समारोह में पटना नगर निगम को ह्यस्टेट फर्स्ट स्वच्छ सिटीह्ल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने हाथों से यह पुरस्कार प्रदान किया। इस दौरान नगर विकास एवं आवास मंत्री नीतीश मिश्रा, महापौर सीता साहू, उप महापौर रेशमी कुमारी, नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव संदीप पुडकलकट्टी और नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने पुरस्कार ग्रहण



किया। इस उपलब्धि को खास बनाते हुए पटना नगर निगम की टीम अपने दो सफाईकर्मियों अमरजीत मांझी (नूतन राजधानी अंचल) और रॉकी पासवान (अजीमाबाद अंचल) को भी समारोह में साथ लेकर पहुंची। दोनों सफाईकर्मियों ने भी टीम के साथ यह सम्मान प्राप्त किया। यह पहल शहर को स्वच्छ बनाने में दिन-रात मेहनत करने वाले सफाईकर्मियों के समर्पण और योगदान को सम्मान देने का प्रतीक बनी। बेहतर कचरा प्रबंधन और नागरिकों की भागीदारी से मिली सफलता पटना नगर निगम को यह उपलब्धि बेहतर डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था, पुराने कचरे (लीगेसी वेस्ट) का नियमानुसार निस्तारण, जन शिकायतों का त्वरित समाधान और ठोस कचरा प्रबंधन में लगातार सुधार के चलते मिली है। इसके साथ ही स्वच्छता अभियान में पटनावासियों की बढ़ती भागीदारी ने भी इस सफलता में अहम भूमिका निभाई है। इस मौके पर महापौर सीता साहू ने कहा कि यह सम्मान पूरे पटना शहर और यहां के नागरिकों को समर्पित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए पटना नगर निगम की पूरी टीम प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार के शहरों में विकास और स्वच्छता को नई गति मिल रही है। पटना नगर निगम भी इसी दिशा में लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए सभी सफाईकर्मियों, निगमकर्मियों और पटनावासियों को बधाई दी। उप महापौर रेशमी कुमारी ने कहा कि पटना नगर निगम को मिला यह सम्मान सफाईकर्मियों की कड़ी मेहनत और पटनावासियों के सहयोग का परिणाम है। स्वच्छ शहर का निर्माण केवल नगर निगम के प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसमें हर नागरिक की भागीदारी जरूरी है। यह पुरस्कार स्वच्छता के संकल्प को और मजबूती से आगे बढ़ाने की प्रेरणा देगा। वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट और नए एसटीपी से बदलेगी व्यवस्था नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने कहा कि आने वाले समय में पटना क्लस्टर में वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट की स्थापना, पुराने कचरे का पूरी तरह निस्तारण और इंटीग्रेटेड सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम का विकास किया जाएगा। इसके अलावा नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) की स्थापना और मोबाइल कोर्ट जैसी पहलें भी की जाएंगी। इन योजनाओं से शहर की स्वच्छता और कचरा प्रबंधन व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन प्रयासों से आगामी स्वच्छ सर्वेक्षणों में पटना का प्रदर्शन और बेहतर होगा। लगातार तीन स्वच्छ सर्वेक्षणों में पटना ने दर्ज की उपलब्धि पटना नगर निगम ने पिछले तीन स्वच्छ सर्वेक्षणों में लगातार अपना प्रदर्शन बेहतर किया है। वर्ष 2023 के स्वच्छ सर्वेक्षण में पटना ने बिहार में स्वच्छता के क्षेत्र में पहला स्थान हासिल किया था। इसके साथ ही नगर निगम को वाटर प्लस सर्टिफिकेट और 1-स्टार गार्बेज फ्री सिटी रेटिंग भी मिली थी। वर्ष 2024 में नगर निगम ने अपने प्रदर्शन को और बेहतर करते हुए 3-स्टार गार्बेज फ्री सिटी रेटिंग हासिल की। इसके अलावा उसे ह्यप्रॉमिसिंग स्वच्छ शहरह्ल पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। वहीं, स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में पटना को ह्यस्टेट फर्स्ट स्वच्छ सिटीह्ल का पुरस्कार मिला है। लगातार तीन सर्वेक्षणों में मिली ये उपलब्धियां नगर निगम के निरंतर प्रयासों, स्वच्छता व्यवस्था में किए जा रहे सुधारों और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी का प्रमाण हैं। इस सम्मान से स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ पटना बनाने के संकल्प को और मजबूती मिलेगी। उल्लेखनीय है कि आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की अन्य श्रेणियों के परिणाम भी जल्द जारी किए जाएंगे।

दरभंगा के रैयाम चीनी मिल का होगा विस्तार, विभागों को मिली जानकारी

एजेंसी

पटना। दरभंगा की रैयाम चीनी मिल परिसर का होगा व्यवस्थित विकास. जिला प्रशासन ने डीएम के नेतृत्व में निरीक्षण कर विस्तार और सुविधाओं के विकास की दिशा में कदम बढ़ाया है. रैयाम चीनी मिल परिसर के विकास को लेकर जिला प्रशासन ने कवायद तेज कर दी है. बुधवार को डीएम कौशल कुमार ने मिल परिसर का निरीक्षण कर उपलब्ध आधारभूत संरचनाओं और विकास की संभावनाओं का जायजा लिया. उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को परिसर में जरूरी सुविधाएं विकसित करने और लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का निर्देश दिया. परिसर के विस्तार के लिए 35 एकड़ अतिरिक्त जमीन के अधिग्रहण का प्रस्ताव तैयार करने को भी कहा गया है. निरीक्षण के दौरान डीएम ने अलग-अलग विभागों को आपसी समन्वय बनाकर काम करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि परिसर के व्यवस्थित विकास के लिए जरूरी प्रक्रियाएं पूरी करते हुए सभी कार्य समयबद्ध तरीके से किये जाएं. जीएम आवास का होगा जीर्णोद्धार चीनी मिल परिसर में स्थित जीएम आवास की मौजूदा स्थिति का भी डीएम ने जायजा लिया. भवन निर्माण विभाग और इंडियन पोटाश लिमिटेड को आवास के जीर्णोद्धार के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया. डीएम ने भवन की स्थिति का आकलन कर मरम्मत और जीर्णोद्धार का काम जल्द शुरू कराने की दिशा में पहल करने को कहा. परिसर का समतलीकरण जल्द पूरा करने का निर्देश रैयाम चीनी मिल परिसर को व्यवस्थित और उपयोग के अनुकूल बनाने के लिए पथ निर्माण विभाग को समतलीकरण का काम अविलंब पूरा करने को कहा गया है. परिसर में उपलब्ध जमीन और आधारभूत संरचनाओं को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों को आगे बढ़ाने की तैयारी है. डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि समतलीकरण सहित अन्य जरूरी काम में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए.

वाराणसी ट्रॉमा सेंटर में घायल पवन तिवारी की मौत, विवाद में तीन लोगों को लगी थी गोली

एजेंसी

पटना। बिहार के बक्सर जिले के इटाढ़ी थाना क्षेत्र के बैरी गांव में गुरुवार सुबह हुए गोलीकांड में घायल पवन तिवारी की वाराणसी ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान मौत हो गई। उनके पेट में गोली लगी थी। चिकित्सकों ने ऑपरेशन कर गोली निकाल दी थी, लेकिन गंभीर अंदरूनी चोटों और अधिक रक्तस्राव के कारण उन्हें बचाया नहीं जा सका। बिहार के बक्सर जिले के इटाढ़ी थाना क्षेत्र के बैरी गांव में गुरुवार सुबह हुए गोलीकांड में घायल पवन तिवारी की मौत हो गई। उन्होंने वाराणसी के ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पवन के पेट में गोली लगी थी, जिससे उनके अंदरूनी अंगों को गंभीर नुकसान पहुंचा था और काफी रक्तस्राव हुआ था। चिकित्सकों ने ऑपरेशन कर गोली



निकाल दी थी, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। डॉक्टरों ने उनकी मौत की पुष्टि कर दी है। इसके बाद पोस्टमार्टम समेत अन्य कानूनी प्रक्रियाएं शुरू कर दी गई हैं। गोली निकालने के बाद भी नहीं बच सकी जान परिजनों के अनुसार, गोली लगने से पवन तिवारी के पेट के अंदरूनी अंग बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए थे। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए वाराणसी के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया था। वहां चिकित्सकों ने ऑपरेशन कर गोली निकाल दी, लेकिन काफी रक्तस्राव और गंभीर अंदरूनी चोटों के कारण उनकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ। आखिरकार इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पवन की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। पानी बहाने और गाय बांधने को लेकर हुआ था विवाद गौरतलब है कि बैरी गांव में पानी बहाने और गाय बांधने को लेकर दो पाटीदार पक्षों के बीच विवाद हुआ था। दोनों पक्षों के बीच जमीन को लेकर पहले से भी रंजिश चली आ रही थी। इसी विवाद ने देखते ही देखते मारपीट और गोलीबारी का रूप ले लिया। घटना में पवन तिवारी समेत तीन लोग गोली लगने से घायल हुए थे। मुख्य आरोपी सेना के जवान ने थाने में किया था आत्मसमर्पण इस मामले के मुख्य आरोपी सेना के जवान पुतुल उर्फ जयप्रकाश तिवारी ने बुधवार को इटाढ़ी थाने में आत्मसमर्पण कर दिया था। वह अपनी लाइसेंसी पिस्टल और दोनाली बंदूक भी पुलिस को सौंपने पहुंचा था। पूछताछ में उसने पिस्टल से गोली चलाने की बात स्वीकार की थी। हालांकि, उसका दावा था

नकली नोटों के बड़े गिरोह का खुलासा, 500 के 28 जाली नोटों के साथ तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

पटना। मुजफ्फरपुर के साहेबगंज थाना क्षेत्र के हुस्सेपुर गांव में पुलिस ने नकली नोटों के कारोबार का खुलासा करते हुए 500 रुपये के 28 जाली नोटों के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी करीब 20 हजार रुपये के नकली नोट लेकर आया था, जिनमें से छह हजार रुपये बाजार में खपा चुका था। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के साहेबगंज थाना क्षेत्र के हुस्सेपुर गांव में पुलिस ने नकली नोटों के कारोबार का खुलासा किया है। पुलिस ने 500 रुपये के 28 जाली नोटों के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी करीब 20 हजार रुपये के नकली नोट लेकर आया था। इनमें से छह हजार रुपये के नोट वह स्थानीय बाजार में खपा चुका था, जबकि 14 हजार रुपये के नकली नोट पुलिस ने बरामद कर लिए हैं। शुरूआती जांच में इस कारोबार के



पीछे संगठित गिरोह के सक्रिय होने की बात सामने आई है। पुलिस को आशंका है कि गिरोह का नेटवर्क दूसरे राज्यों और सीमावर्ती जिलों तक फैला हुआ है। बाजार में नकली नोट चलाने की मिली थी सूचना ग्रामीण एसपी राजेश सिंह प्रभाकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि हुस्सेपुर जोड़ाकांही गांव में एक व्यक्ति नकली नोटों का इस्तेमाल कर रहा है। वह स्थानीय बाजार और लोगों के बीच जाली नोट देकर उन्हें खपाने की कोशिश कर रहा था। सूचना मिलने के बाद एसडीपीओ सरैया अभिजित कौर के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को नकली नोटों के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी करीब 20 हजार रुपये के जाली नोट लेकर आया था। इसमें से छह हजार रुपये के नकली नोट वह बाजार में चला चुकआ था। बाकी 14 हजार रुपये पुलिस ने बरामद कर लिए। बरामद नोट 500 रुपये के हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है

दो मासूम बेटियों की मां का कत्ल, पति ने धारदार हथियार से रेता गला; वारदात के बाद थाने में किया सरेंडर

एजेंसी

पटना। मुंगेर के जमालपुर में बुधवार देर रात पति दशरथ मंडल ने धारदार हथियार से पत्नी पूजा देवी की गला रेतकर हत्या कर दी। वारदात सदर बाजार फाड़ी के समीप हुई। हत्या के बाद आरोपी ने थाने में आत्मसमर्पण कर दिया। बिहार के मुंगेर जिले के जमालपुर में पति ने धारदार हथियार से पत्नी का गला रेतकर हत्या कर दी। वारदात बुधवार देर रात सदर बाजार फाड़ी के समीप हुई। हत्या के बाद आरोपी पति दशरथ मंडल ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। वहीं, मृतका के मायके में चीख-पुकार मच गई। इस वारदात में दो मासूम बच्चियों के सिर से मां का साया उठ गया। मृतका की पहचान पूजा देवी के रूप में हुई है। पुलिस ने घटनास्थल से हत्या में इस्तेमाल धारदार हथियार बरामद कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। 2015 में हुई थी शादी, कुछ साल बाद शुरू हुआ विवाद जानकारी के अनुसार, पूजा देवी की शादी वर्ष 2015 में धरहरा थाना क्षेत्र के दशरथपुर निवासी दशरथ मंडल से हुई थी। दशरथ रेलवे में लोको पायलट के पद पर कार्यरत था। बाद में उसने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) लेकर नौकरी छोड़ दी थी। दंपती की दो बेटियां हैं। बताया जाता है कि शादी के कुछ वर्षों बाद ही पति-पत्नी के बीच विवाद शुरू हो गया था। दोनों के बीच अक्सर कहासुनी और झगड़े होते थे। परिवार के लोगों ने कई बार आपसी सहमति से विवाद सुलझाने की कोशिश की, लेकिन इसके बावजूद उनके बीच तनाव बना रहा। मामला एक बार पुलिस थाने तक भी पहुंचा था। भाई का आरोप- बहन को लंबे समय से किया जा रहा था प्रताड़ित पोस्टमार्टम हाउस के पास मौजूद मृतका के भाई शुभम कुमार ने आरोप लगाया कि उसकी बहन को लंबे समय से मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। करीब एक साल पहले भी उसके साथ मारपीट की गई थी। इस मामले में थाने में आवेदन भी दिया गया था। हालांकि, बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौता करा दिया गया था। आधी रात को भाई को फोन कर दी हत्या की सूचना बुधवार देर रात करीब 12:30 बजे जमालपुर पुलिस ने पूजा के भाई को फोन कर उसकी हत्या की जानकारी दी। सूचना मिलते ही मायके के लोग घटनास्थल पर पहुंचे। वहां पूजा खून से लथपथ हालत में मृत पड़ी थी। धारदार हथियार से उसका गला रेता गया था। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। एफएसएल टीम ने जुटाए साक्ष्य, हत्या में इस्तेमाल हथियार बरामद वारदात की सूचना मिलने के बाद पुलिस और एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने मौके की बारीकी से जांच की और जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल धारदार हथियार भी बरामद कर लिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया। जमालपुर थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी पति दशरथ मंडल ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। घटनास्थल से हत्या में इस्तेमाल हथियार भी बरामद किया गया है।

ज्वेलर्स कारोबारी के घर छह हथियारबंद अपराधियों का धावा, परिवार को बंधक बनाकर लूटपाट

एजेंसी

पटना। बेगूसराय के खोदावंदपुर पंचायत में बुधवार शाम दो बाइक पर सवार छह हथियारबंद अपराधियों ने सजनी ज्वेलर्स के संचालक दशरथ पोद्दार के घर में घुसकर लूटपाट की। अपराधियों ने गृहस्वामी, उनकी पत्नी और पुत्रवधू को शौचालय में बंद कर दिया। बिहार के बेगूसराय में अपराधियों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। ज्वेलर्स कारोबारियों और उनके परिवारों को निशाना बनाने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला खोदावंदपुर पंचायत के वार्ड संख्या-2 स्थित यूको बैंक के पास का है। यहां बुधवार शाम करीब 6:30 बजे दो बाइक पर सवार छह हथियारबंद अपराधियों ने सजनी ज्वेलर्स के संचालक दशरथ पोद्दार के घर में



घुसकर लूटपाट की। वारदात के दौरान अपराधियों ने गृहस्वामी, उनकी पत्नी और पुत्रवधू को हथियार के बल पर शौचालय में बंद कर दिया। इसके बाद जब आसपास के लोग जुटने लगे तो अपराधियों ने दहशत फैलाने के लिए गोलीबारी की और मौके से फरार हो गए। गनीमत रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। दो बाइक से पहुंचे छह अपराधी, परिवार को बनाया बंधक परिजनों के अनुसार, दो बाइक पर सवार होकर छह अपराधी घर पहुंचे थे। सभी ने घर के नीचे बाइक खड़ी की और सीढ़ियों के रास्ते अंदर दाखिल हो गए। इसके बाद हथियार दिखाकर दशरथ पोद्दार, उनकी पत्नी और पुत्रवधू को शौचालय में बंद कर दिया। परिवार के सदस्यों को बंधक बनाने के बाद अपराधियों ने घर में लूटपाट शुरू कर दी। गृहस्वामी ने शोर मचाया तो अपराधियों ने की फायरिंग बताया जाता है कि शौचालय में बंद दशरथ पोद्दार ने हिम्मत दिखाते हुए डकैत-डकैत चिल्लाना शुरू कर दिया। उनकी आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जुटने लगे। भीड़ को अपनी ओर आता देख अपराधियों ने दहशत फैलाने के इरादे से गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद सभी अपराधी बाइक पर सवार होकर मुसहरी की ओर फरार हो गए। गोलीबारी में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। मौके से दो खोखा और दो गमछा बरामद घटना की सूचना मिलते ही खोदावंदपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल की जांच के दौरान दो खोखा और दो गमछा बरामद किया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ अमरकांत, पुलिस निरीक्षक महानंद चौधरी के अलावा चेरियाबरियारपुर, मंझौल और छौड़ाही थाने की पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस की टीमें मामले की जांच में जुटी हैं। दुकान बंद कर घर आए थे दशरथ पोद्दार परिजनों ने बताया कि बुधवार शाम करीब 6:30 बजे दशरथ पोद्दार की सजनी ज्वेलर्स दुकान बंद करने के बाद अमरजीत पोद्दार घर आए थे।

घर में बही-खाते आदि रखने के बाद वह किसी काम से दोबारा बाजार चले गए थे। इसी दौरान अपराधियों ने घर पर धावा बोल दिया और लूटपाट की घटना को अंजाम दिया। फिलहाल घर से कितने की संपत्ति लूटी गई है और अपराधियों ने किन-किन सामानों को निशाना बनाया, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस और पीड़ित परिवार की ओर से भी लूटे गए सामानों का विस्तृत ब्योरा साझा नहीं किया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। इस वारदात के बाद इलाके के कारोबारियों और स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। लगातार ज्वेलर्स कारोबारियों और उनके परिवारों को निशाना बनाए जाने से सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों के बीच चर्चा है कि आखिर बेगूसराय में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद क्यों हैं और ज्वेलर्स कारोबारियों की सुरक्षा कब सुनिश्चित होगी।

जापान ने आंध्र प्रदेश से दुर्लभ खनिजों की नियमित आपूर्ति का आग्रह किया

विशाखापत्तनम में सीएम नायडू से मिले जापानी राजदूत

विशाखापत्तनम ।

जापान ने आंध्र प्रदेश से अपने लिए दुर्लभ खनिजों की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। हाल ही में विशाखापत्तनम में मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के साथ हुई बैठक में जापानी राजदूत केईची ओनो ने इस मुद्दे को उठाया। यह पहल महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति के क्षेत्र में भारत-जापान साझेदारी को और मजबूत करने के उद्देश्य से की गई है। आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार जापानी प्रतिनिधियों ने इस सहयोग को महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति में भारत-जापान साझेदारी के लिए अहम बताया। यह कूटनीतिक पहल आंध्र प्रदेश सरकार की राज्य के तटीय क्षेत्र को दुर्लभ खनिज तत्व गलियारे के रूप में विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना के अनुरूप है। राज्य में 16,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में 16 प्रकार के खनिज भंडार चिन्हित किए गए हैं, जिसमें देश के समुद्र तटीय रेत खनिज भंडार का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा शामिल है, जो आंध्र प्रदेश को इन महत्वपूर्ण संसाधनों का दूसरा सबसे बड़ा भंडार बनाता है।

एचएफसीएल को 834 करोड़ के निर्यात ठेके मिले

नई दिल्ली ।

दूरसंचार उपकरण बनाने वाली कंपनी एचएफसीएल को विदेश स्थित पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी के जरिये एक अंतरराष्ट्रीय ग्राहक को ऑप्टिकल फाइबर केबल की आपूर्ति के लिए करीब 834.36 करोड़ रुपये (लगभग 88.94 करोड़ डॉलर) के निर्यात ठेके मिले हैं। ठेके जून 2027 तक पूरे किए जाएंगे। हालांकि, कंपनी ने ग्राहक की पहचान उजागर नहीं की। एचएफसीएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा` कि ये ठेके कंपनी की विनिर्माण क्षमताओं, प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता और उत्पादों की गुणवत्ता में ग्राहकों के भरोसे को दर्शाते हैं। गौरतलब है कि कंपनी के निदेशक मंडल ने ऑप्टिकल फाइबर और ऑप्टिकल फाइबर केबल की विनिर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए करीब 400 करोड़ रुपये के नए निवेश को मंजूरी दी है। प्रस्तावित विस्तार के लिए धन की व्यवस्था आंतरिक स्रोतों से जुटाई गई राशि और कर्ज के जरिये की जाएगी। इसके जुलाई 2028 तक पूरा होने की उम्मीद है।

रिन्यू आंध्र प्रदेश में 29,500 करोड़ का निवेश करेगा

विशाखापत्तनम ।

आंध्र प्रदेश के स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र को एक बड़ा बढ़ावा देते हुए नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी रिन्यू ने राज्य में 29,500 करोड़ रुपए के भारी निवेश की सैद्धांतिक प्रतिबद्धता जताई है। यह महत्वपूर्ण घोषणा सीआईआई साझेदारी सम्मेलन से इतर आंध्र प्रदेश के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री नारा लोकेश और रिन्यू के चेयरमैन एवं सीईओ सुमंत सिन्हा के बीच हुई बैठक में की गई। कंपनी ने बताया कि यह निवेश दो प्रमुख स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं में किया जाएगा। इनमें दो गीगावाट (जीडब्ल्यू) की पंप्ड स्टोरेज परियोजना शामिल है, जिसके लिए 12,500 करोड़ रुपए आवंटित किए जाएंगे। दूसरी परियोजना हरित अमोनिया एवं ई-ईंधन से संबंधित है, जिसमें 17,000 करोड़ रुपए का निवेश होगा। मंत्री लोकेश ने रिन्यू की 11,000 करोड़ रुपए की पॉलीसिलिकॉन और धातुकर्म-ग्रेड सिलिकॉन परियोजना के लिए बधाई दी और कंपनी को आईआईटी तिरुपति व यूएनएसडब्ल्यू द्वारा स्थापित सौर सेल प्रोटोटाइप केंद्र के साथ सहयोग करने का न्योता भी दिया।

अक्टूबर में गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में 6,566 करोड़ का निवेश

सितंबर के मुकाबले गोल्ड ईटीएफ में लगभग 22 फीसदी की गिरावट आई

नई दिल्ली ।

बाजार की उठापटक के बीच भी निवेशक गोल्ड और सिल्वर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) पर भरोसा बनाए हुए हैं। अक्टूबर में इन दोनों श्रेणियों में कुल 6,566 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया, जिसमें सिल्वर ईटीएफ में अच्छी वृद्धि देखी गई, वहीं गोल्ड ईटीएफ में मामूली गिरावट रही। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, इस कुल शुद्ध निवेश में गोल्ड ईटीएफ का हिस्सा 3,474 करोड़ रुपये और सिल्वर ईटीएफ का 3,092 करोड़ रुपये रहा। खास बात यह है कि सितंबर के मुकाबले गोल्ड ईटीएफ में लगभग 22 फीसदी की गिरावट आई, पर यह पिछले छह महीने के औसत से 45 फीसदी अधिक है।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को हल्की तेजी के साथ बंद हुआ। दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों से बाजार पर दबाव बना रहा। इसी कारण बाजार पर अंकुश लगा रहा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर बीएसई सेंसेक्स 31.61 अंक की मामूली बढ़त के साथ 81,911.01 पर और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 44.30 अंक की तेजी के साथ 25,299.35 पर बंद हुआ। यह बढ़त मुख्य रूप से रियल्टी और वित्तीय क्षेत्रों के अच्छे प्रदर्शन के कारण आई है। जिसने बाजार को स्थिरता मिली है।

दिन के अंत में रियल्टी शेयरों ने अच्छा प्रदर्शन किया, निफ्टी रियल्टी सूचकांक तेजी के साथ शीर्ष पर रहा। इसके अतिरिक्त, निफ्टी मीडिया त, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज , निफ्टी प्राइवेट बैंक , निफ्टी इंडिया डिफेंस बढ़त के साथ बंद हुए। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में गिरावट भी दर्ज की गई, जिसमें निफ्टी ऑटो , निफ्टी पीएसई , निफ्टी एफएमसीजी , निफ्टी ऑयलएंडगैस और निफ्टी कमोडिटीज की गिरावट के साथ बंद हुए।

प्रमुख सूचकांकों में आई हल्की तेजी के विपरीत, मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में बड़ी खरीदारी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 519.90 अंक की उछाल के साथ 62,039.00 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स ने 217.40 अंक की और भी मजबूत बढ़त दर्ज की, जो 19,706.75 पर पहुंचा।

आज सेंसेक्स पैक में, बजाज फाइनेंस, एसबीआई, बीईएल, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, अदाणी पोर्ट्स, एचडीएफसी बैंक और



कोटक महिंद्रा बैंक जैसे प्रमुख शेयरों ने हरे निशान में कारोबार किया, जिससे सूचकांक को समर्थन मिला। दूसरी ओर, एचयूएल, पावर ग्रिड, मारुति सुजुकी, टीसीएस, एमएंडएम, टाइटन, एनटीपीसी, एचसीएल टेक, एलएंडटी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स और भारती एयरटेल जैसे कई दिग्गज शेयरों में मुनाफावसूली के चलते गिरावट रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई। सेंसेक्स 169 अंकों की बढ़त पर कारोबार करता दिखा, जबकि निफ्टी में भी 48 अंकों का उछाल आया।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।



अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 32 पैसे की गिरावट के साथ ही 94.03 पर बंद हुआ। गुरुवार को शुरुआती कारोबार में रुपया छह पैसे टूटकर 93.77 प्रति डॉलर पर आ गया। अमेरिकी डॉलर में मजबूती से घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिका में महंगाई तथा रोजगार के नवीनतम आंकड़ों से अमेरिकी कोष बॉन्ड पर प्रतिफल और डॉलर मजबूत हुए हैं। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के साथ घरेलू शेयर बाजारों में मजबूती और विदेशी पूंजी का प्रवाह रुपये को समर्थन दे सकता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया करीब 93.73 प्रति डॉलर पर खुला। फिर टूटकर 93.77 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को छह पैसे मजबूत होकर 93.71 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 फीसदी की बढ़त के साथ 103.03 पर आ गया।

पिछले पांच माह से घरेलू सिलेंडर के दाम अपरिवर्तित

बांग्लादेश में 52 फीसदी की वृद्धि और पाकिस्तान में भी महंगाई की मार

नई दिल्ली ।

जहां एक ओर भारत में घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर की कीमतें पिछले करीब पांच महीनों से स्थिर बनी हुई हैं, वहीं पड़ोसी देश बांग्लादेश और पाकिस्तान में उपभोक्ताओं को लगातार बढ़ती कीमतों का सामना करना पड़ रहा है। यह स्थिति भारतीय परिवारों के मासिक बजट के लिए बड़ी राहत लेकर आई है, जबकि पड़ोसियों के लिए एलपीजी अब एक महंगा बोझ बन गई है। बांग्लादेश में नवंबर में 12 किलो एलपीजी सिलेंडर का दाम 2,060 टका हो गया है, जो फरवरी से अब तक करीब 52 फीसदी की भारी वृद्धि दर्शाता है। पाकिस्तान में भी एलपीजी की कीमतें आसमान छू रही हैं; 11.8 किलो का घरेलू सिलेंडर अब लगभग 3,470 पाकिस्तानी रुपए का हो गया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान के कुछ इलाकों में यह खुले बाजार में 600 रुपए प्रति किलो तक बिक रहा है, जो आम जनता के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति है। इसके विपरीत, भारत में 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम जून 2023 से अपरिवर्तित हैं, दिल्ली में यह 942 रुपए पर कायम है। हालांकि भारत अपनी अधिकांश एलपीजी आयात करता है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती कीमतें तथा आपूर्ति मार्गों में रुकावट के कारण आयात लागत बढ़ी है, सरकार और सरकारी तेल कंपनियां लागत का बड़ा हिस्सा स्वयं वहन कर रही हैं। जानकारों के मुताबिक, 1,600 रुपए से अधिक की वास्तविक आपूर्ति लागत के बावजूद, ग्राहकों को केवल 942 रुपए चुकाने पड़ रहे हैं।

सोने की शुद्धता की गारंटी बढ़ी, 6 और नए जिलों में बढ़ा हॉलमार्किंग का दायरा

बिहार, दिल्ली, गुजरात, यूपी व उत्तराखंड के जिले शामिल; ग्राहकों को मिलेगी शुद्धता की गारंटी

नई दिल्ली ।

सोने की खरीदारी करने वाले ग्राहकों के लिए सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अनिवार्य गोल्ड हॉलमार्किंग का दायरा अब देश के 6 और जिलों तक बढ़ा दिया गया है, जिससे कुल 398 जिलों में बिना हॉलमार्क वाले सोने की बिक्री करना दंडनीय अपराध बन गया है। इस कदम का सीधा लाभ उपभोक्ताओं को सोने की शुद्धता की शत-प्रतिशत गारंटी के रूप में मिलेगा। उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा हाल ही में जारी अधिसूचना के तहत, भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016 के प्रावधानों के अंतर्गत यह चौथा संशोधन आदेश लागू किया गया है। इसके बाद, अब 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 398 जिलों में बिना बीआईएस स्टैंडर्ड मार्क और एचयूआईडी (हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन) के सोने के आभूषणों का निर्माण, भंडारण या बिक्री गैरकानूनी मानी जाएगी। नए शामिल किए गए 6 जिलों में बिहार का पश्चिमी चंपारण, दिल्ली का दक्षिण पश्चिम दिल्ली, गुजरात का पंचमहल, उत्तर प्रदेश के बुलन्दशहर और संत कबीर नगर, तथा उत्तराखंड का रुद्रप्रयाग शामिल हैं। यह नियम 14के से 24के तक की विभिन्न शुद्धता वाले सोने के आभूषणों पर लागू है, और इन जिलों के सभी ज्वेलर्स को बीआईएस पोर्टल पर



पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। इस विस्तार से ग्राहकों को सोने की खरीद पर धोखाधड़ी से मुक्ति मिलेगी।

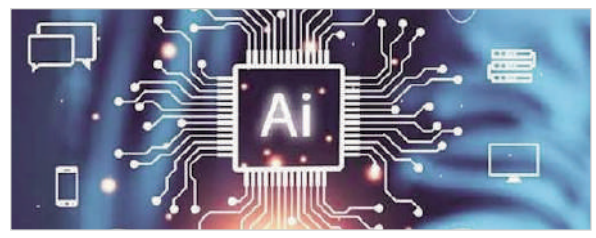
हॉलमार्किंग यह सुनिश्चित करती है कि उपभोक्ता जो सोना खरीद रहे हैं, वह बिल पर दर्ज शुद्धता के अनुरूप ही हो। प्रत्येक हॉलमार्क वाले आभूषण पर मौजूद एचयूआईडी नंबर के जरिए, ग्राहक बीआईएस केयर मोबाइल ऐप पर सोने की पूरी जानकारी सत्यापित कर सकते हैं, जिससे खरीद में पूरी पारदर्शिता और विश्वास बना रहेगा।

भारत को एआई अर्थव्यवस्था में सक्रिय भागीदारी बढ़ाने की जरूरत

नई दिल्ली ।

भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से बदल रही वैश्विक अर्थव्यवस्था में केवल निवेश और तकनीकी लाभ हासिल करने वाले देश के बजाय एक सक्रिय भागीदार बनना होगा। विशेषज्ञों के अनुसार एआई कारोबार, रोजगार और काम करने के तरीकों में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। भारत के पास अपनी तकनीकी प्रतिभा व मजबूत घरेलू बाजार के दम पर इस क्षेत्र में नेतृत्व करने का बेहतरीन अवसर है, जबकि अमेरिका और चीन अभी अग्रणी हैं।

भारतीय कंपनियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए नई तकनीकों के अनुरूप खुद को तैयार करना होगा। इस बीच, यूरोप और ब्रिटेन में कुछ कंपनियों के कम मूल्यांकन से भारतीय फर्मों के लिए विदेश में वैश्विक ब्रांड, तकनीक और कारोबारी क्षमताएं हासिल करने के अवसर बढ़े हैं, खासकर औद्योगिक, स्वास्थ्य सेवाओं और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में।



घरेलू पूंजी बाजार भी मजबूत स्थिति में है, जहां सात-आठ बड़े आईपीओ को मंजूरी मिल चुकी है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि उचित मूल्यांकन पर आईपीओ, एफपीओ और ब्लॉक डील के माध्यम से अगले वर्ष भी लगभग 50 अरब डॉलर की पूंजी जुटाई जा सकती है। विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए बेहतर विकास संभावनाओं वाली कंपनियां और मजबूत कारोबारी माहौल अनुकूल कर व्यवस्था से अधिक महत्वपूर्ण हैं।

बजाज फाइनेंस क्यूआईपी से 11,700 करोड़ जुटाएगी



नई दिल्ली ।

बजाज फाइनेंस ने कारोबार विस्तार के लिए पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये 11,700 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाने की पेशकश शुरू की।कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि निदेशक मंडल की विशेष समिति ने बैठक में पेशकश की शर्तों के अनुरूप पात्र संस्थागत खरीदारों के लिए निर्गम खोलने को मंजूरी दी।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) ने बताया कि समिति ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के आईसीडीआर नियमों में निर्धारित मूल्य निर्धारण प्रक्रिया के आधार पर प्रति इक्विटी शेयर 992.25 रुपये का न्यूनतम मूल्य भी तय किया है।

अमूल-मदर डेयरी ने 2 से 4 रुपए तक बढ़ाए दाम

12 नवंबर से पूरे देश में नई दरें लागू

नई दिल्ली ।

महंगाई की मार झेल रहे आम लोगों को एक और झटका लगा है। देश की दो प्रमुख डेयरी कंपनियों, अमूल और मदर डेयरी, ने 12 नवंबर गुरुवार से दूध की कीमतों में 2 से 4 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह वृद्धि पूरे देश में लागू होगी, जिससे रसोई का बजट और प्रभावित होगा। गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) के अनुसार अमूल दूध की कीमतों में करीब 4 से 5 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ है। अमूल ताजा टोंड दूध (3 फीसदी फैट) अब 2 रुपये महंगा होकर 59 रुपये प्रति लीटर मिलेगा, जबकि अमूल गोल्ड (6 फीसदी फैट) की कीमत में 4 रुपये की बढ़ोतरी हुई है, जिससे यह 74 रुपये प्रति लीटर हो गया है। इसी तरह, मदर डेयरी ने भी अपनी विभिन्न किस्मों के दाम 2 से 4 रुपये प्रति लीटर बढ़ाए हैं।



कंपनियों ने इस वृद्धि का कारण दूध उत्पादन और प्रसंस्करण लागत में लगातार हो रही वृद्धि को बताया है। पशु आहार जैसे हरा और सूखा चारा, खली, मक्का और शीरा के दाम बढ़ने के साथ-साथ पैकेजिंग फिल्म और ईंधन की कीमतों में भी इजाफा हुआ है। जीसीएमएमएफ ने यह भी बताया कि अनियमित बारिश के कारण पशुपालकों को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रत्यक्ष कर संग्रह में मजबूत उछाल,लक्ष्य का 53 फीसदी

नई दिल्ली । सरकारी आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष में 1 अप्रैल से 10 नवंबर के बीच देश का प्रत्यक्ष कर संग्रह 11.76 प्रतिशत बढ़कर लगभग 14.42 लाख करोड़ रुपये हो गया है। यह आंकड़ा सरकार के वार्षिक लक्ष्य का 53 प्रतिशत दर्शाता है, जो राजस्व संग्रह में मजबूत गति का संकेत है। इस अवधि में, शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह 18 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6.32 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि व्यक्तिगत करदाताओं, कंपनियों और हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) से प्राप्त शुद्ध गैर-कॉरपोरेट कर संग्रह 5.3 प्रतिशत बढ़कर लगभग 7.56 लाख करोड़ रुपये हो गया। प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) से मिलने वाले राजस्व में 52 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई, जो 54,078 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। सरकार ने इस दौरान करदाताओं को 3.08 लाख करोड़ रुपये का रिफंड भी जारी किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 26 प्रतिशत अधिक है। सकल आधार पर प्रत्यक्ष कर संग्रह 14 प्रतिशत बढ़कर 17.50 लाख करोड़ रुपये रहा। सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए प्रत्यक्ष करों से 26.97 लाख करोड़ रुपये जुटाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, जिसमें से 10 नवंबर तक 53 प्रतिशत से अधिक का लक्ष्य हासिल कर लिया गया है।

स्टैंड-अप इंडिया योजना 2031 तक बढ़ी, नए उद्यमियों को मिलेगा लाभ

केंद्र सरकार ने योजना को 31 मार्च 2031 तक जारी रखने की मंजूरी दी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने महिलाओं, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों को कारोबार शुरू करने में मदद करने वाली स्टैंड-अप इंडिया योजना को 31 मार्च 2031 तक बढ़ा दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस विस्तार को मंजूरी दी, साथ ही योजना के तहत दिए जाने वाले कर्ज की गारंटी के लिए 4,111 करोड़ रुपये का फंड भी स्वीकृत किया। इस कदम का उद्देश्य अगले पांच वर्षों में 2.5 लाख अतिरिक्त उद्यमियों को आर्थिक सहायता प्रदान करना है। अप्रैल 2016 में शुरू हुई इस योजना ने अब तक 2.75 लाख से अधिक महिला और अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के उद्यमियों को लाभान्वित किया है। इसके तहत पात्र आवेदक 10 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये तक का बैंक ऋण प्राप्त कर सकते हैं, जिसका उपयोग नया कारोबार स्थापित करने, मशीनरी खरीदने और शुरुआती खर्चों को पूरा करने में किया जा सकता है। योजना परियोजना की कुल लागत का अधिकतम 85 फीसदी तक ऋण कवर करती है। यह योजना विनिर्माण, सेवा, व्यापार और कृषि से जुड़ी सहायक गतिविधियों में नया उद्यम शुरू करने के लिए सहायक है।

इसका मूल उद्देश्य पूंजी की कमी के कारण कारोबार शुरू करने में असमर्थ लोगों को अवसर प्रदान करना है। सरकार द्वारा स्वीकृत 4,111 करोड़ रुपए का गारंटी फंड ऋण राशि के 85 प्रतिशत तक का कवर प्रदान करेगा, जिसके लिए सामान्य गारंटी शुल्क 0.50 प्रतिशत निर्धारित है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस विस्तार से महिलाओं और वंचित वर्गों के लिए स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे, हालांकि ऋण की अंतिम मंजूरी आवेदक की पात्रता और बैंक के नियमों पर निर्भर करेगी।

किसानों को बड़ी राहत,गैर-यूरिया उर्वरकों पर रिकॉर्ड सब्सिडी

सरकार ने 62,370 करोड़ रुपये किए आवंटित

नई दिल्ली ।



केंद्र सरकार ने किसानों को बढ़ती उर्वरक कीमतों के बोझ से बचाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। गैर-यूरिया उर्वरकों पर सब्सिडी में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है, जिसके तहत पोषक तत्व आधारित सब्सिडी व्यवस्था के लिए 62,370.02 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इस फैसले से चालू वित्त वर्ष में गैर-यूरिया उर्वरकों पर कुल सब्सिडी बढ़कर रिकॉर्ड 1.03 लाख करोड़ रुपये हो जाएगी, जो बजट अनुमान से 92.41 प्रतिशत अधिक है। यह कदम अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे माल की कीमतों में तेजी, विशेषकर सल्फर में भारी वृद्धि को देखते हुए उठाया गया है। सरकार ने विशेष रूप से सल्फर पर सब्सिडी में सबसे अधिक बढ़ोतरी की है, जो 2.87 रुपये से बढ़कर लगभग 10.42 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। नाइट्रोजन पर 94.21 रुपये और फॉस्फोरस पर 66.11 रुपये प्रति किलोग्राम सब्सिडी तय की गई है। यह वृद्धि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे माल, खासकर सल्फर की कीमतों में 213 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी के जवाब में की गई है। सरकार ने घरेलू सल्फर और सल्फ्यूरिक एसिड उत्पादकों के लिए भी विशेष सहायता पैकेज घोषित किया है, जिसके तहत उन्हें वास्तविक खरीद लागत का 20 प्रतिशत समर्थन मिलेगा। आयातित और घरेलू ट्रिपल सुपर फॉस्फेट (टीएसपी) तथा आयातित मोनो-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) के लिए विशेष प्रावधानों को भी आगे बढ़ाया गया है, साथ ही सिंगल सुपर फॉस्फेट (एसएसपी) पर मालभाड़ा सब्सिडी जारी रहेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से जटिल एनपी और एनपीकेएस उर्वरकों की कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी, जिनका घरेलू उत्पादन लागत बढ़ने के कारण प्रभावित हुआ था। यह निर्णय उर्वरक कंपनियों को उत्पादन बढ़ाने और किसानों को संतुलित पोषक तत्वों वाले उर्वरकों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करेगा।

एसआईआर को लेकर आयोग की ओर से तिथि बढाने पर कांग्रेस ने जतायी खुशी

बिभा संवाददाता

रांची। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार की ओर से आहूत सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक रांची के धुर्वा स्थित मुख्यो निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय में हुई।

बैठक में प्रदेश कांग्रेस की ओर से महासचिव सूर्यकान्त शुक्ला और महासचिव सह मीडिया संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव शामिल हुए।

बैठक के बाद नेताद्वय ने बताया कि कांग्रेस पार्टी के प्रयासों के बाद चुनाव आयोग ने एसआईआर की निर्धारित तिथि को आगे बढ़ाया है। आयोग के निर्देश पर 18 नवंबर 2026 को राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ और राजनीतिक दलों के बीएलए-2 की बैठक होगी। इस दौरान, अब तक एसआईआर प्रक्रिया के तहत एएसडीडी सूची के कारण जिन मतदाताओं के नाम कट गए हैं, उन्हें पुनः गणना फॉर्म भरने का अवसर दिया जाएगा।

प्रदेश महासचिव लाल किशोर नाथ शाहदेव ने बताया कि 18 नवंबर को पांच अगस्त को प्रकाशित की गई एएसडीडी सूची को फिर से पढ़कर सुनाया जाएगा और सत्यापन किया जाएगा।



सूची से छूटे लोग भर सकेंगे दोबारा फॉर्म

उन्होंने बताया कि जिन पात्र मतदाताओं के नाम सूची से छूट गए हैं, वे दोबारा फॉर्म भर सकेंगे। इसके साथ ही लंबित नोटिस की भी समीक्षा की जाएगी और नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए फॉर्म-6 भी भरा जाएगा। उन्होंने कहा कि 18 नवंबर की तिथि पूरी एसआईआर प्रक्रिया के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगी।

शाहदेव ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि राज्य में अभी भी कुल 17 लाख 53 हजार मामलों का निष्पादन होना शेष है। इनमें मुख्य रूप से नो-मैपिंग के नौ लाख मामले, तार्किक विसंगति के छह लाख 12 हजार मामले और अन्य मामले दो लाख 15 हजार और 26 हजार मामले शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, मतदाताओं की ओर से पूर्व में आवेदन किए गए फॉर्म का निपटारा भी लंबित है, जिनमें फॉर्म-6 के पांच लाख 78 हजार, फॉर्म-7 के एक लाख 35 हजार और फॉर्म-8 के एक लाख मामले शामिल हैं। कांग्रेस ने इन सभी लंबित मामलों के त्वरित और पारदर्शी निपटारे की मांग की है।

उन्होंने कहा कि राज्य में किसी भी मतदान केंद्र क्षेत्र का कोई भी भारतीय नागरिक जिसका उम्र एक अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष हो गया है, लेकिन अब तक उनका नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सका है। ऐसे लोग नाम, विवरण और उनके विधानसभा क्षेत्र का नाम एवं मतदान केंद्र संख्या के साथ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के व्हाट्सएप्प नंबर 6200079297 पर भेज सकते हैं। ताकि राज्य के प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल किया जा सके।

झारखंड में राष्ट्रपति शासन की अनुसंशा करें राज्यपाल : आदिवासी संगठन



बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में लगातार हो रही हत्या, दुष्कर्म की घटनाओं और जमीन दलालों की बढ़ती ज्यादती को लेकर विभिन्न आदिवासी संगठनों ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाया है। केंद्रीय सरना समिति, झारखंड प्रदेश के नेतृत्व में विभिन्न आदिवासी सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात कर राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने को लेकर अनुसंशा करने की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर मौजूदा झारखंड सरकार को बर्खास्त करने और आदिवासी नेत्री निशा भगत आत्महत्या मामले में नामजद आरोपितों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को बताया कि झारखंड में हत्या, दुष्कर्म, जमीन कब्जा और जमीन माफियाओं की गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। आम नागरिकों के साथ आदिवासी समाज भी असुरक्षित महसूस कर रहा है। आरोप लगाया गया कि पीड़ितों की ओर से पुलिस-प्रशासन को लिखित शिकायत देने के बावजूद समय पर कार्रवाई नहीं होती। इससे अपराधियों का मनोबल बढ़ रहा है और कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है।

ज्ञापन में आदिवासी नेत्री निशा भगत के मामले को विशेष रूप से उठाया गया। प्रतिनिधिमंडल का आरोप है कि निशा भगत ने अपनी जान गंवाने से पहले तीन जुलाई को पिठोरिया थाना में, 13 जुलाई को रांची साइबर थाना में रंगदारी और जान से मारने की धमकी देने और 22 जुलाई को घर में चोरी की घटनाओं को लेकर पिठोरिया थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बावजूद पुलिस ने अपेक्षित कार्रवाई नहीं की। इसकी शिकायत उन्होंने रांची के एसएसपी से भी की थी। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। संगठन ने मामले की निष्पक्ष जांच और नामजद आरोपितों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को बताया कि राज्य में न सिर्फ निशा भगत प्रकरण बल्कि इससे पहले रूपा तिर्की, पाडहा राजा सोमा मुंडा, सूर्य हांसदा, रूबिका पहाड़िया, सुभाष मुंडा, लक्ष्मीकांत मुंडा और संध्या टोपनो सहित अन्य लोगों की हत्याओं ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। इसलिए झारखंड में राष्ट्रपति शासन अविलंब लागू हो।

राज्यपाल से मुलाकात करने वालों में अशोक मुंडा, बबलू मुंडा, जगलाल हेंब्रम, संदीप उरांव, मेघा उरांव, सन्नी टोप्पो सहित केंद्रीय सरना समिति, जनजाति सुरक्षा मंच, झारखंड आदिवासी सरना विकास समिति धुर्वा रांची और क्षेत्रीय सरना समिति के प्रतिनिधि मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

धनबाद मंडल में चलाया गया मेगा टिकट चेकिंग अभियान



धनबाद(बिभा): धनबाद मंडल में बड़े पैमाना पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है इसी क्रम में गुरूवार को धनबाद मंडल में मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गयो यह टिकट चेकिंग अभियान सुनियोजित कार्यक्रम के तहत दिन-रात चलाया गयो इस जांच अभियान के परिणामस्वरूप 479 यात्रियों को पकड़ा गया जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थें इस दौरान उनसे 03,79,942 रूपए जुमार्ने के रूप में राशि प्राप्त की गई तथा पकड़ें गए यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशनों एवं विभिन्न मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग किया गयो धनबाद मंडल द्वारा निरंतर टिकट जांच किया जा रहा है तथा भविष्य में भी यह जारी रहेगो टिकट जांच अभियान के दौरान स्टेशनों के अनारक्षित टिकट काउंटर पर यात्रियों की काफी भीड़ देखी गई धनबाद मंडल, पूर्व मध्य रेल यात्रियों को उचित टिकट के साथ प्लेटफार्म में प्रवेश करने की सलाह देता है तथा यात्रियों के पास जिस श्रेणी का टिकट है उसी श्रेणी में यात्रा करने का अनुरोध करता है।

यात्रियों की सुविधा के लिए धनबाद-पटना अनारक्षित स्पेशल ट्रेन का चलायी गयी

धनबाद(बिभा)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ और सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए रेलवे की ओर से गुरुवार रात धनबाद से पटना के बीच एक ट्रिप अनारक्षित स्पेशल ट्रेन (गाड़ी संख्या 03307) चलाई गई। यह ट्रेन नेताजी सुभाष चंद्र बोस जंक्शन गोमोह, पारसनाथ, हजारीबाग रोड, परसाबाद, कोडरमा और पहाड़पुर स्टेशनों के रास्ते पटना जाएगी। रेल प्रशासन के अनुसार, गुरुवार ट्रेन रात 11:35 बजे धनबाद स्टेशन से प्रस्थान करेगी और शुक्रवार सुबह 5:50 बजे पटना पहुंचेगी। मार्ग में यह ट्रेन रात 12:03 बजे गोमोह पहुंचेगी और दो मिनट के ठहराव के बाद 12:05 बजे खुलेगी। इसके बाद रात 12:22 बजे पारसनाथ पहुंचकर 12:24 बजे रवाना होगी, जबकि रात 12:58 बजे हजारीबाग रोड पहुंचकर 01:00 बजे प्रस्थान करेगी। इसी क्रम में ट्रेन रात 01:18 बजे परसाबाद पहुंचेगी और 01:20 बजे खुलेगी, फिर रात 01:42 बजे कोडरमा पहुंचकर 01:44 बजे आगे बढ़ेगी। वहीं, रात 02:28 बजे पहाड़पुर स्टेशन पहुंचकर 02:30 बजे प्रस्थान करते हुए सुबह 05:50 बजे अपने गंतव्य पटना स्टेशन पहुंचेगी।

छठ महापर्व पर टाटानगर स्टेशन में सेवा-सुरक्षा में जुटे सिविल डिफेंस के जवान



पूर्वी सिंहभूम (बिभा)। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर टाटानगर रेलवे स्टेशन पर श्रद्धालुओं और यात्रियों की बढ़ती भीड़ के बीच सिविल डिफेंस के जवानों ने मोर्चा संभाल लिया है। गुरुवार से जवान स्टेशन पर सेवा और सुरक्षा व्यवस्था में पूरी तरह जुट गए हैं। यात्रियों की सुविधा, भीड़ नियंत्रण और आपात स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जवानों की अलग-अलग पालियों में ड्यूटी लगाई गई है। स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, ट्रेनों और यात्रियों के ठहराव के लिए बनाए गए टेंट में सिविल डिफेंस की टीम लगातार सक्रिय रहेगी। गुरुवार को सिविल डिफेंस इंस्पेक्टर संतोष कुमार ने बताया कि ड्यूटी के दौरान जवान ट्रेनों में चढ़ने और उतरने वाले यात्रियों की सहायता करने के साथ भीड़ को व्यवस्थित करने का काम करेंगे। पुरुषोत्तम एक्सप्रेस, साउथ बिहार एक्सप्रेस, बक्सर, छपरा एक्सप्रेस सहित बिहार और अन्य स्थानों के लिए चलने वाली स्पेशल ट्रेनों में यात्रियों की मदद के लिए जवान तैनात रहेंगे। स्टेशन के बाहरी परिसर और यात्री टेंट में भी उनकी मौजूदगी रहेगी। छठ को लेकर स्टेशन पर उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए बुजुर्ग, महिला, दिव्यांग और जरूरतमंद यात्रियों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जनरल कोच के आसपास भीड़ को नियंत्रित करने, यात्रियों को सुरक्षित तरीके से प्लेटफॉर्म तक पहुंचाने और लिफ्ट और एस्केलेटर के उपयोग में सहायता करने की जिम्मेदारी भी जवान संभालेंगे। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल बचाव और सहयोग उपलब्ध कराने के लिए टीम को सतर्क रखा गया है। यात्रियों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को देखते हुए प्राथमिक चिकित्सा की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। जरूरत पड़ने पर प्रशिक्षित जवान प्राथमिक उपचार देने के साथ संबंधित रेलवे अधिकारियों और चिकित्सा टीम तक सूचना पहुंचाएंगे। व्हीलचेयर, स्ट्रेचर और अग्निशमन उपकरणों को भी आपात स्थिति के लिए तैयार रखा गया है।

छठ गीतों से गूंज रहा बोकारो स्टेशन, यात्रियों की सुरक्षा की पुख्ता इंतजाम

बिभा संवाददाता

बोकारो. लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर बोकारो रेलवे स्टेशन का माहौल भक्तिमय होने लगा है. स्टेशन परिसर में बज रहे पारंपरिक छठ गीत यात्रियों को पर्व का एहसास करा रहे हैं. ''केलवा के पात पर उगेलन सूरजमल झांके झुके'', ''छठी मैया आई न दुआरिया'' और ''कांच ही बांस के बहंगिया'' जैसे लोकप्रिय गीतों से स्टेशन परिसर गूंज रहा है.

खासकर छठ मनाने के लिए घर लौट रहे यात्रियों में इन गीतों को लेकर उत्साह देखा जा रहा है. रेलवे की इस पहल से स्टेशन पर छठ की लोक परंपरा और संस्कृति की झलक देखने को मिल रही है.



छठ पर यात्रियों की भीड़ को लेकर रेलवे अलर्ट

पर्व के दौरान यात्रियों की संभावित भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने सुरक्षा और यात्री सुविधाओं की तैयारी तेज कर दी है. मंगलवार को बोकारो स्टेशन के स्टेशन प्रबंधक कार्यालय में भीड़ प्रबंधन को लेकर बैठक हुई. इसमें स्टेशन प्रबंधन, सीसीटीएस, आरपीएफ और जीआरपी के अधिकारी शामिल हुए. बैठक में यात्रियों की सुरक्षा, ट्रेनों के परिचालन और भीड़ नियंत्रित करने के उपायों पर चर्चा की गयी.

एआरएम बोकारो विनीत कुमार ने कहा कि छठ महापर्व के दौरान बड़ी संख्या में यात्री अपने घरों को जाते हैं. रेलवे का प्रयास है कि पर्व के दौरान यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो और वे सुरक्षित व सुविधाजनक तरीके से अपनी यात्रा पूरी कर सकें.

प्लेटफॉर्म बदलने से पहले लेनी होगी अनुमति

बैठक में स्पष्ट निर्देश दिया गया कि सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना किसी भी ट्रेन का प्लेटफॉर्म नहीं बदला जाएगा. यात्रियों को ट्रेनों के आगमन और प्रस्थान की सही जानकारी देने के लिए समय पर स्पष्ट उद्घोषणा सुनिश्चित करने को कहा गया. इसके अलावा कोच पोजिशन डिस्प्ले दुरुस्त रखने और यात्रियों को उनके निर्धारित कोच तक पहुंचने में सहयोग करने का निर्देश दिया गया.

विशेष ट्रेनों के परिचालन पर रहेगी नजर

ट्रेन के आगमन से पहले यात्रियों की सुरक्षित और व्यवस्थित बोर्डिंग सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया. विशेष ट्रेनों के परिचालन के दौरान उद्घोषणा, प्लेटफॉर्म और कोच पोजिशन की जानकारी देने में अतिरिक्त सतर्कता बरतने को कहा गया. सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करने का निर्देश दिया गया.

रेल पटरी पर आग लगाकर पैसेंजर ट्रेन रोकने की कोशिश, चालक की सतर्कता से टला बड़ा हादसा

बिभा संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम। जिले के पोटका क्षेत्र में टाटा-बादामपहाड़ रेलखंड पर गुरुवार रात अज्ञात लोगों ने रेलवे ट्रैक के बीच आग जलाकर पैसेंजर ट्रेन को रोकने की कोशिश की। सिदिरसाई हॉल्ट से पहले धरुवालुपुंग-महालिडीपा और दामूडीह रेलवे फाटक के बीच हुई इस घटना से रेल यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। ट्रैक पर तेज लपटें देख चालक ने तत्काल ट्रेन रोक दी, जिससे संभावित दुर्घटना टल गई।

जानकारी के अनुसार, ट्रेन जब घटनास्थल के पास पहुंची तो चालक की नजर रेलवे पटरी के बीच और आसपास जल रही आग पर पड़ी। आग काफी तेज थी और उसके कारण ट्रैक पर आगे बढ़ना जोखिम भरा नजर आया। स्थिति को देखते हुए चालक ने ट्रेन को मौके पर ही रोक दिया। इसी दौरान आग जलाने वाले अज्ञात लोग वहां से फरार हो गये।

ट्रेन रुकने के बाद कुछ यात्री नीचे उतरे और आग बुझाने में जुट गये। आग की लपटें तेज होने के कारण इसे



पूरी तरह बुझाने में करीब 10 मिनट का समय लगा। आग बुझने के बाद ट्रैक की स्थिति सुरक्षित होने की पुष्टि की गई, जिसके बाद चालक ने ट्रेन को आगे रवाना किया।

घटना के कारण पैसेंजर ट्रेन करीब 10 मिनट तक प्रभावित रही। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी यात्री के घायल होने या किसी अन्य नुकसान की सूचना नहीं है।

हालांकि, चलती ट्रेन के मार्ग पर जानबूझकर आग लगाने की इस घटना ने रेलवे सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिये हैं। समय रहते चालक की नजर आग पर नहीं पड़ती तो बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद रेलवे और स्थानीय स्तर पर आग लगाने वाले लोगों की पहचान की कोशिश की जा रही है।

यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए धनबाद रेल मंडल ने सुगम एवं सुरक्षित आवागमन के लिए किए गए विशेष प्रबंध

बिभा संवाददाता

धनबादः धनबाद रेल मंडल यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए उनकी सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए निरंतर तत्पर है। इसी क्रम में दिनांक 11.11.2026 को धनबाद स्टेशन से रात्रि 20:50 बजे धनबादझरक्सौल स्पेशल ट्रेन लगभग 1200 यात्रियों को लेकर रवाना हुई। इसके पश्चात रात्रि 21:35 बजे गाड़ी संख्या 15027 मौर्य एक्सप्रेस धनबाद स्टेशन पहुंची तथा 22:00 बजे अपने गंतव्य के लिए रवाना हुई। इस दौरान लगभग 600 यात्री उक्त ट्रेन से यात्रा करने के लिए स्टेशन पर प्रतीक्षारत थे। चूंकि मौर्य एक्सप्रेस संबलपुर एवं रांची के रास्ते आ रही थी तथा पहले से ही यात्रियों से पूरी तरह भरी हुई थी, इसलिए लगभग 350 यात्री ही इसमें सवार हो सके। यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए



वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों ने सभी स्लीपर कोचों में जाकर यात्रियों से धैर्य बनाए रखने तथा ट्रेन में चढ़ने के लिए जल्दबाजी नहीं करने की अपील की। साथ ही, वाणिज्य विभाग एवं रेलवे सुरक्षा बल की टीम द्वारा स्टेशन पर लगातार उद्घोषणा कर यात्रियों को उसी दिशा में बरौनी के रास्ते जाने वाली वैकल्पिक स्पेशल ट्रेन की जानकारी दी गई। इस क्रम में पीछे से आने वाली पोत्तनूरझ्झदरभंगा स्पेशल ट्रेन संख्या 06189 के संबंध में भी यात्रियों को सूचित किया गया। उक्त ट्रेन रात्रि 22:17 बजे धनबाद स्टेशन पहुंची, जिसमें यात्रियों की संख्या अपेक्षाकृत कम थी। फलस्वरूप मौर्य एक्सप्रेस में सवार नहीं हो सके शेष यात्रियों ने बिना किसी परेशानी के पोत्तनूरझ्झदरभंगा स्पेशल ट्रेन में सवार होकर अपनी यात्रा पूरी की। रेलवे कर्मचारियों एवं रेलवे सुरक्षा बल के समन्वित प्रयास, निरंतर उद्घोषणा तथा उचित मार्गदर्शन से यात्रियों को उपलब्ध वैकल्पिक ट्रेन का लाभ मिला और भीड़ का सुचारु प्रबंधन सुनिश्चित किया गया। इस संबंध में आज कुछ समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों में भीड़ की स्थिति को अफरा-तफरी एवं सनसनीखेज रूप में प्रस्तुत किए जाने से यात्रियों के बीच अनावश्यक भ्रम एवं संशय की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। जबकि वास्तविकता यह है कि रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा, सुरक्षित यात्रा एवं सुगम आवागमन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं तथा उपलब्ध वैकल्पिक ट्रेनों के माध्यम से यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए आज दिनांक 12.11.2026 को धनबादझ्झपटना अनारक्षित स्पेशल ट्रेन का भी परिचालन किया गया है। धनबाद रेल मंडल यात्रियों से अपील करता है कि वे उपलब्ध स्पेशल ट्रेनों एवं अन्य वैकल्पिक रेल सेवाओं का लाभ उठाएं, अनुचित टिकट लेकर आरक्षित कोचों में यात्रा न करें तथा ट्रेन में चढ़ने के दौरान धैर्य बनाए रखें और जल्दबाजी से बचें। इससे न केवल उनकी अपनी यात्रा सुरक्षित एवं सुविधाजनक होगी, बल्कि आरक्षित टिकट लेकर यात्रा करने वाले अन्य यात्रियों को भी असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। धनबाद रेल मंडल यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन के लिए हर आवश्यक कदम उठाने हेतु प्रतिबद्ध है।

छठ गीतों की गूंज के साथ देश की पहली 'अमृत भारत 3.0' ट्रेन नई दिल्ली से पटना के लिए रवाना

बिहान भारत

नई दिल्ली। छठ महापर्व पर यात्रियों की सुविधा और सुरक्षित सफर सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रेलवे ने एक विशेष पहल की है। देश की पहली अत्याधुनिक 'अमृत भारत 3.0' ट्रेन को 11 नवंबर की मध्यरात्रि छठ पूजा स्पेशल ट्रेन के रूप में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से पटना के लिए रवाना किया गया।

ट्रेन के रवाना होने के दौरान नई दिल्ली रेलवे स्टेशन छठ के पारंपरिक लोकगीतों से गूंज उठा। स्टेशन पर उत्सव और भक्तिमय माहौल देखने को मिला। यात्रियों ने रेलवे की इस पहल का उत्साह के साथ स्वागत किया।

अमृत भारत 3.0 ट्रेन को खासतौर पर आम और मध्यम वर्ग के यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर



तैयार किया गया है। इसमें आरामदायक सीटें, बेहतर सस्पेंशन, आधुनिक शौचालय और मोबाइल चार्जिंग पॉइंट जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

यह ट्रेन आधुनिक पुश-पुल तकनीक से लैस है, जिससे बेहतर गति और आरामदायक सफर का अनुभव मिलेगा। ट्रेन में यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को भी प्राथमिकता दी गई है।

छठ महापर्व के दौरान दिल्ली से बिहार जाने वाले यात्रियों की संख्या में भारी इजाफा होता है। ऐसे में इस विशेष ट्रेन के संचालन से यात्रियों को अतिरिक्त यात्रा सुविधा मिलेगी और त्योहार के दौरान भीड़ का दबाव कम करने में मदद मिलेगी।

भारतीय रेलवे की इस पहल को छठ महापर्व पर बिहार जाने वाले यात्रियों के लिए बड़ी सौगात के रूप में देखा जा रहा है। रेलवे ने सभी यात्रियों को सुखद, सुरक्षित और मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दी हैं।

छठ पर घर जाने वाले यात्रियों के लिए रेलवे ने बढ़ाई विशेष ट्रेनों की संख्या

नई दिल्ली। छठ पर्व के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे ने दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर विशेष प्रबंध किया है। यात्रियों, विशेषकर बिहार और पूर्वी भारत की ओर जाने वाले लोगों की सुविधा के लिए विशेष रेलगाड़ियों का संचालन किया जा रहा है।

उत्तर रेलवे के अनुसार, बुधवार (11 नवंबर) को दिल्ली क्षेत्र से कुल 34 विशेष रेलगाड़ियां चलाई गईं। इनमें 31 निर्धारित और तीन अनिर्धारित विशेष रेलगाड़ियां शामिल थीं।

रेलवे के अनुसार, 11 नवंबर को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से 12, आनंद विहार से नौ, शकूरबस्ती से सात, हजरत निजामुद्दीन से चार, दिल्ली जंक्शन से एक और रोहतक से एक विशेष रेलगाड़ी चलाई गई।

वहीं, गुरुवार (12 नवंबर) को दिल्ली क्षेत्र से कुल 31 विशेष रेलगाड़ियों का संचालन निर्धारित किया गया है। इनमें नई दिल्ली से नौ, आनंद विहार टर्मिनल से सात, शकूरबस्ती से पांच, हजरत निजामुद्दीन से पांच, दिल्ली जंक्शन से तीन, रोहतक से एक और दिल्ली सराय रोहिल्ला से एक विशेष रेलगाड़ी शामिल है। इसके अतिरिक्त यात्रियों की भीड़ और मांग को देखते हुए अनारक्षित विशेष रेलगाड़ियां भी चलाई जाएंगी।

उत्तर रेलवे ने शुक्रवार (13 नवंबर) के लिए भी 24 विशेष रेलगाड़ियों के संचालन की योजना बनाई है। इनमें नई दिल्ली से नौ, आनंद विहार से सात, शकूरबस्ती से पांच, हजरत निजामुद्दीन से एक, दिल्ली जंक्शन से एक और रोहतक से एक विशेष रेलगाड़ी शामिल है। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि आवश्यकता पड़ने पर यात्रियों की भीड़ के अनुसार अतिरिक्त अनारक्षित विशेष रेलगाड़ियां भी चलाई जाएंगी।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा डी बी कॉर्प लिमिटेड ,प्लॉट नंबर- 535 व 1272, नियर फारेस्ट ऑफिस, ललगुटवा, रांची - 835303, झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com